- जबलपुर, सोमवार 30 मार्च 2026
- वर्ष 31 अंक 273
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'ईर्ष्या सबसे पहले उसी के गुणों को नष्ट करती है, जिसके मन में उत्पन्न होती है।'

2 साजिश या अफवाहः डिंडौरी में...

5 सीएमएचओ कार्यालय से जांच...

7 होर्मुज स्ट्रेट में क्यों भारी...

11 इनोवेशन अपनाकर मध्यप्रदेश...

जंग के चलते दुनिया में पेट्रोल-डीजल का संकट

नयी दिल्ली, (वार्ता)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।

जंग के चलते ऊर्जा संकट : साथियों, जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

अफवाहों में न आएं : मैं सभी देशवासियों से अपील भी करूंगा कि वो जागरुक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं । सरकार की

तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

मार्च महीने में हलचल : मार्च का ये महीना, वैश्विक स्तर पर बहुत ही हलचल भरा रहा है। हम सबको याद है कि पूरी दुनिया इससे पहले कोविड के कारण एक लंबे समय तक अनेक समस्याओं से गुजर चुकी है। हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। लेकिन, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार युद्ध और संघर्ष की परिस्थितियां बनती चली गईं।

खाड़ी देशों में भारतीयों की मदद जारी: वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे-संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

भारत चुनौती से निपट रहा, अफवाहों में न आएं; सरकार की जानकारी पर भरोसा करें

गर्मियों के सीजन और मछुआरों पर भी बात की : देश के कई हिस्सों में गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है यानि ये समय जल संरक्षण के अपने संकल्प को फिर से दोहराने का है। पिछले 11 सालों में जल संचय अभियान ने लोगों को बहुत जागरुक बनाया है। इस अभियान के तहत देश-भर में करीब 50 लाख आर्टिफिशियल वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाए गए हैं।

अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 'नो किंग्स रैली'

80 लाख लोगों का मार्च, 3,300 जगह प्रदर्शन, पद से हटाने की मांग

वॉशिंगटन डीसी।

अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग

600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ट्रम्प के खिलाफ अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च यानी कल हुआ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन

ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ यह नाराजगी केवल अमेरिका की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। शनिवार को दुनिया के कई अन्य प्रमुख शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन देखे गए। ब्रिटेन की राजधानी लंदन, फ्रांस के पेरिस और पुर्तगाल के लिस्बन जैसे शहरों में सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और इन अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनों में भी नो किंग्स के नारे लगाए गए और अमेरिकी सरकार की विदेश नीतियों, विशेषकर मध्य पूर्व में तनाव बढ़ाने वाले कदमों की आलोचना की गई। वैश्विक स्तर पर मानवाधिकार संगठनों ने भी इन प्रदर्शनों के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की सुरक्षा की अपील की है।

प्रदर्शन से फर्क नहीं पड़ता: व्हाइट हाउस

व्हाइट हाउस ने इन व्यापक प्रदर्शनों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें थेरेपी सेशन करार दिया है। प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, इन प्रदर्शनों से आम जनता की राय या सरकार के कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्वयं इन विरोधों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके द्वारा लिए गए सभी निर्णय देश को आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि वे राजा की तरह व्यवहार नहीं कर रहे हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे तानाशाही के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उनकी नीतियां अमेरिका फर्स्ट के सिद्धांत पर आधारित हैं।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी आग

नयी दिल्ली। मथुरा- मथुरा के नौझील थाना क्षेत्र में रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर एक निजी बस में आग लग गई। हालांकि सभी यात्री बाल-बाल बच गए लेकिन पूरी बस जलकर खाक हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आगरा से नोएडा जा रही एक निजी बस में एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 64 के पास अचानक आग लग गई। बस में करीब 48 यात्री सवार थे। अग्निशमन अधिकारी किशन लाल ने बताया, बस के चालक ने इंजन से धुआं निकलते देखा। बस रोककर जांच की तो इंजन में आग लग चुकी थी। उसने तुरंत यात्रियों को सतर्क किया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की।

ईरान जंग में भारत बना संकटमोचक

भारत ने श्रीलंका को भेजी 38000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप राजपक्षे ने मोदी को दिया धन्यवाद

नयी दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण श्रीलंका में उत्पन्न हुए गंभीर ऊर्जा संकट के बीच भारत ने 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की आपूर्ति की है। इस खेप में 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल है, जिससे द्वीप राष्ट्र को बड़ी राहत मिली है। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस संकट का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है, जहां ईंधन की भारी कमी के कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस कठिन समय में भारत ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की तत्काल आपूर्ति की है। अधिकारियों के अनुसार, यह खेप 28 मार्च 2026 को श्रीलंका के तट पर पहुंची, जिसमें 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल है। इस आपूर्ति का प्रबंधन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी लंका आईओसी द्वारा किया गया है। मार्च के दूसरे सप्ताह से ईरान और इजरायल के बीच शुरू हुए संघर्ष ने खाड़ी क्षेत्र से होने वाले तेल निर्यात को बाधित कर दिया है। तेल टैंकरों और रिफाइनरियों पर हमलों की खबरों के बीच कई अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं ने श्रीलंका को ईंधन देने से इनकार कर दिया था।

सिद्दारमैया ने हिंदी को अनिवार्य बनाने का फिर से किया विरोध

मैसूर (वार्ता)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने एक बार फिर से हिंदी का विरोध करते हुए हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाए जाने की बात कही और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को इसी साल से लागू करने पर बल दिया है। उन्होंने राज्य सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि हिंदी सीखने में कोई आपत्ति नहीं है लेकिन परीक्षाओं में इसे अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस नीति के कई पहलू विपक्ष के पक्ष में दिखते हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने कहा है कि हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए। इसे इसी साल से लागू किया जाना चाहिए। सरकार ने यह फैसला कर लिया है। इसमें सब कुछ विपक्ष के पक्ष में है। मैं

यह नहीं कहता कि हिंदी नहीं सीखी जानी चाहिए। लेकिन परीक्षा में इसे अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। श्री सिद्दारमैया ने कर्नाटक में उपचुनावों के बारे में बात करते हुए विश्वास जताया कि सत्ताधारी पार्टी दोनों सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि वह बागलकोट से दावणगेरे तक बड़े पैमाने पर दौरा करेंगे और जोर देकर कहा कि दावणगेरे में कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने 2028 के चुनावों में पार्टी की संभावनाओं को लेकर भी आशा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अपने भविष्य की भूमिका के बारे में कहा कि अगर पार्टी आलाकमान अनुमति देता है, तो वह दो और बजट पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसले पूरी तरह से नेतृत्व पर निर्भर करते हैं और चुनावी विचारों से प्रभावित नहीं होते। मुख्यमंत्री ने विधायकों से जुड़े चल रहे आईपीएल वीआईपी टिकट विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले केवल एक टिकट आवंटित किया जाता था और विधायकों ने दो टिकटों की मांग की थी, जिस पर उन्होंने अतिरिक्त टिकटों की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वह मैच में शामिल नहीं होंगे क्योंकि वह 9 अप्रैल तक व्यस्त हैं लेकिन अगर समय मिला तो वह जा सकते हैं।

गुजरात में नफ़रत का माहौल : राहुल गांधी

दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़े हैं

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि गुजरात में सरकार के राज में दलित और आदिवासी समुदायों के ख़िलाफ़ नफ़रत, भेदभाव और अत्याचार का माहौल लगातार बढ़ता जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 2016 के ऊना पिटाई कांड के पीड़ितों के साथ भी एकजुटता ज़ाहिर की और कसम खाई कि जब तक उन्हें इंसाफ़ नहीं मिल जाता, तब तक वे उनकी आवाज़ उठाते रहेंगे। गांधी ने सोशल मीडिया पर ये बातें तब कहीं, जब उन्होंने गुजरात के दलित और आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी हाल की बातचीत का एक वीडियो शेयर किया। इस प्रतिनिधिमंडल में ऊना घटना से प्रभावित लोग भी शामिल थे, जिसमें ख़ुद को गौ-रक्षक कहने वालों ने चार युवकों को बेरहमी से पीटा था। गांधी ने अपने हिंदी पोस्ट में कहा, लगभग 10 साल पहले, ऊना की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। दलित युवकों को सरेआम नंगा करके बेरहमी से पीटा गया था। उस समय, मैं उनके परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा था। उन्होंने कहा, लेकिन यह बेहद अफ़सोस की बात है कि एक दशक बीत जाने के बाद भी उन्हें अब तक इंसाफ़ नहीं मिला है; उनके ज़ख़्म अभी भी हरे हैं, और इसके उलट, हालात और भी ज़्यादा बिगड़ गए हैं।

तेहरान विश्वविद्यालय पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान की जवाबी हमला करने की चेतावनी

नयी दिल्ली (वार्ता)।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर 30 मार्च दोपहर 12 बजे तक अमेरिका और इजरायल ईरान के शिक्षण संस्थानों पर हुई बमबारी की निंदा नहीं करते हैं, तो वे पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमले करेंगे। ईरानी अधिकारियों ने मार्च महीने में विश्वविद्यालय और कई शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों पर अमेरिकी-इजरायली हमलों की जानकारी दी है, जिसमें 28 मार्च को तेहरान में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर हुआ हमला भी शामिल है। ईरानी मीडिया ने बताया कि वैज्ञानिक और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और कम से कम पांच लोग मारे गए हैं।

आईआरजीसी ने एक बयान में ईरानी विश्वविद्यालय पर हुई बमबारी की निंदा करते हुए पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालय को वैध लक्ष्य बताया। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिकी और इजरायली सेनाओं ने तेहरान साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर बमबारी करके एक बार फिर ईरानी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया है। बयान में कहा गया है कि अमेरिका को यह

पता होना चाहिए कि अब से पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालय हमारे लिए वैध लक्ष्य होंगे, ईरानी विश्वविद्यालय के बदले में दो विश्वविद्यालयों पर हमला किया जाएगा। आईआरजीसी ने इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, प्रोफेसरों और छात्रों, साथ ही आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी सलाह दी कि वे अपनी जान बचाने के लिए बताए गए विश्वविद्यालय से कम से कम एक किलोमीटर दूर रहें। इसमें कहा गया है कि अगर अमेरिकी प्रशासन चाहता है कि इस क्षेत्र में उसके विश्वविद्यालय उन दो विश्वविद्यालयों में शामिल न हों जिन्हें जवाबी हमले के लिए निशाना बनाया जाएगा, तो उसे सोमवार, 30 मार्च को दोपहर 12 बजे (तेहरान समय) तक ईरानी विश्वविद्यालय पर हुई बमबारी की निंदा करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी करना होगा।

बालाघाट में चलती कार बनी आग का गोला

ससुर, बहू और 3 साल के मासूम की जिंदा जलकर मौत

बालाघाट, स्वतंत्र मत। नियति का क्रूर खेल कहें या काल का क्रूर प्रहार, शनिवार की काली रात एक हंसते-खेलते परिवार के लिए कभी न खत्म होने वाला मातम लेकर आई। बैहर-मलाजखंड रोड पर केवलारी चौराहे के समीप एक अनियंत्रित अल्टो कार देखते ही देखते आग का शोला बन गई। इस भीषण अग्निकांड में कार के भीतर फंसे ससुर, बहू और महज तीन साल के मासूम बच्चे को संभलने तक का मौका नहीं मिला और वे जिंदा खाक हो गए। सड़क किनारे धू-धू कर जलती कार और उसके भीतर अपनों को खोते देख राहगीर भी बेबस नजर आए। जानकारी के अनुसार, परसवाड़ा के ग्राम पोंडी निवासी सितम केलकर (30) अपनी वेल्डिंग की दुकान (ग्राम पौनी) वापस लौट रहे थे। कार में उनकी पत्नी सविता, 3 वर्षीय बेटा अभि, माता नानीबाई, पिता नगारची केलकर और पड़ोस की 8 वर्षीय बच्ची पूर्वी सवार थे। बताया जा रहा है कि देर रात करीब 11:30 बजे चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। टक्कर लगते ही कार में शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों से भीषण आग लग गई।

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपनी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. कांग्रेस ने पहली लिस्ट में कुल 284 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है. इस लिस्ट में

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके अधीर रंजन चौधरी का नाम भी शामिल है. उन्हें पार्टी ने पश्चिम बंगाल की बहरामपुर विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस पार्टी ने रविवार (29 मार्च, 2026) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 284 सीटों पर अपनी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की।

अब हर तबके के लिए संभव हुई हवाई यात्रा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण

अमेरिकी कॉउंसिल ने इंदौर की हवाई सुविधा को क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से किया सम्मानित

भोपाल स्वतंत्र मत।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। लोकमाता के पद चिन्हों पर चलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम जनसेवा के नए कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता ने ही देश के विमानन क्षेत्र का कायाकल्प किया है। प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज समाज के हर तबके के लिए हवाई यात्रा संभव हुई है। अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है वह अकल्पनीय है। मध्यप्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत भी की गई

है, इससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में लोकमाता अहिल्याबाई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट में आयोजित कायक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण कर इन्दौरवासियों सहित पूरे मालवांचल को अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे हवाई यात्रा और भी अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगी। यह नया टर्मिनल इन्दौर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूती के साथ प्रतिस्थापित करेगा। इंदौर शहर की बेहतरीन हवाई सुविधाओं को अमेरिका क्वॉलिटी कॉउंसिल ने क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉउंसिल की ओर से दिया गया क्वालिटी सार्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन इन्दौर एयरपोर्ट के पदाधिकारियों को सौंपकर बधाई दी।

नये टर्मिनल में मिलेंगी यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर के नए टर्मिनल में यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इंदौर में पुनर्संरचना परियोजना के तहत करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से हुए विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों से एवं पुरानी टर्मिनल इमारत के नवीनीकरण के बाद अब यह नया टर्मिनल प्रति घंटे लगभग 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम हो गया है। इसमें 14 चेक-इन काउंटर्स बनाए गए हैं और लगभग 300 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था भी यहां की गई है। करीब 6 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस टर्मिनल की वार्षिक यात्री क्षमता 15 लाख है। यहां पर 18 उड़ानों का संचालन, 150 चार पहिया वाहनों की पार्किंग एवं वीआईपी रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

साजिश या अफवाह: डिंडौरी में अंडा फेंकने की अफवाह से बवाल, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

शनिवार देर रात नगर में मां काली की प्रतिमा विसर्जन के दौरान अंडा फेंके जाने की अफवाह ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। अफवाह फैलते ही कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया, जिससे स्थिति बिगड़ने लगी। समय रहते पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा और हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर हालात पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड क्षेत्र में स्थापित मां काली की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस रात करीब साढ़े 11 बजे निकाला जा रहा था। जब जुलूस अस्पताल कॉलोनी क्षेत्र के पास पहुंचा, तभी सड़क पर चार से पांच अंडे फूटे हुए पाए गए। इस दृश्य को देखकर लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते भीड़ उग्र होने लगी।स्थिति उस समय और संवेदनशील हो गई जब कुछ लोग मस्जिद मोहल्ले की ओर बढ़ने लगे। हालात की गंभीरता को भांपते हुए एसडीएम राम बाबू देवांगन, एसडीओपी सतीश द्विवेदी सहित भारी पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और भीड़ को आगे बढ़ने से रोका। तनाव बढ़ता देख पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए भीड़ को खदेड़ा और स्थिति को नियंत्रण में लिया।इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। सिटी कोतवाली निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे ने बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण है और किसी भी प्रकार की बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सड़क पर अंडे कैसे पहुंचे और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है। पुलिस प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और आपसी सद्भाव एवं शांति बनाए रखें।

सात दिन में जमा करें बैंक पासबुक और आधार, तभी मिलेगा मुआवजा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बजाग द्वारा जारी आदेश में बिठलदेह मध्यम परियोजना के अंतर्गत भूमि अर्जन से प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि भुगतान की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके लिए संबंधित क्षेत्र के सभी पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने ग्रामों के कृषकों से आवश्यक दस्तावेज तत्काल जुटाएं।

जारी पत्र के मुताबिक

जारी पत्र के अनुसार जाडासुरंग, बहारपुर, मनकी, जुगदेई, झनकी, सढवाछापर, चुहचुही, बिठलदेह एवं करौंदी सहित अन्य राजस्व क्षेत्रों के किसानों की सूची एवं मुआवजा निर्धारण पत्रक पहले ही भेजा जा चुका है। अब इन किसानों से बैंक पासबुक की छायाप्रति और आधार कार्ड अनिवार्य रूप से लेने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी दस्तावेज 7 दिवस के भीतर एकत्र कर संबंधित कार्यालय में जमा किए जाएं, ताकि मुआवजा राशि के भुगतान की फाइल अपर कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) डिंडोरी को समय पर भेजी जा सके। अधिकारियों ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं, जिससे किसानों को जल्द से जल्द उनका भुगतान मिल सके।

इस आदेश से साफ है कि प्रशासन अब भूमि अर्जन के लंबित मामलों को तेजी से निपटाने के मूड में है और किसानों को जल्द राहत देने की दिशा में काम कर रहा है।

बाइक-कार की टक्कर में युवक घायल, अस्पताल में डॉक्टर नहीं मिलने से घंटों तड़पता रहा मरीज

समनापुर थाना क्षेत्र का मामला

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले के समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अतरिया गांव के पास रविवार सुबह लगभग 10 बजे कार और बाइक में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हुई। वहीं हादसे में बाइक सवार युवक और कार में सवार दो लोग घायल हो गए।मिली जानकारी के अनुसार, अतरिया निवासी धर्मेंद्र कुशराम (25) पिता हीरा कुशराम, समनापुर की ओर लौट रहे थे।

इसी दौरान समनापुर जा रही कार से अतरिया गांव बाइक की टक्कर हो गई। घटना में धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में सवार दो लोग, मां और बेटा, भी चोटिल हुए हैं।

वहीं घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया गया कि कुछ लोग गुस्से में कार चालक के साथ हाथापाई करने लगे। घायल युवक को डायल 108 एंबुलेंस की मदद से समनापुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे, जिससे घायल को घंटों तक इलाज नहीं मिल सका। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे ने एक बार फिर सिस्टम में जिम्मेदारों की लापरवाही और आम नागरिकों की मुश्किलें उजागर कर दी हैं।

सामुदायिक शौचालय में बन रहा था बच्चों का भोजन, कार्यकर्ता व पर्यवेक्षक को नोटिस

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

शहपुरा परियोजना अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगांव के पोषक ग्राम डोमदादर में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र की गंभीर लापरवाही सामने आई है। मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग हरकत में आया और जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आंगनवाड़ी केंद्र डोमदादर में बच्चों को दिया जाने वाला गरम पका भोजन सामुदायिक स्वच्छता परिसर (शौचालय) में तैयार किया जा रहा था। यह मामला सामने आने के बाद परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास शहपुरा ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुभद्रा को नोटिस जारी कर 3 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

नोटिस में कहा गया है कि इस संबंध में न तो सेक्टर पर्यवेक्षक को सूचना दी गई और न ही परियोजना कार्यालय को अवगत कराया गया, जो कि नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई है।

इसी मामले में परिक्षेत्र मानिकपुर की पर्यवेक्षक लक्ष्मी शिव को भी नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने माना है कि पर्यवेक्षक द्वारा समय-समय पर आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण नहीं किया गया। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह 12 नियमित और 4 आकस्मिक निरीक्षण अनिवार्य हैं, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया।

परियोजना अधिकारी ने दोनों जिम्मेदारों को 3 दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कलेक्टर, जिला कार्यक्रम अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को भी मामले की सूचना प्रेषित की गई है।

इस घटना ने आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं और निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि विभाग इस मामले में आगे क्या कड़ी कार्रवाई करता है।

नमामि ने तीसरी कक्षा में किया टॉप परिवार और विद्यालय में खुशी की लहर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला मुख्यालय में संचालित एक निजी विद्यालय की छात्रा नमामि सिंह ठाकुर ने कक्षा 3 में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। नमामि, पिता श्री दीपू ठाकुर की सुपुत्री हैं। उनकी इस शानदार सफलता से परिवार, विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा नमामि को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। शिक्षकों ने बताया कि नमामि शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने अपनी मेहनत एवं लगन से यह उपलब्धि हासिल की है।परिजनों ने भी नमामि की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वह आगे भी इसी तरह मेहनत कर परिवार और जिले का नाम रोशन करेंगी।

महावीर जयंती का सार्वजनिक अवकाश बदला गया, अब 30 मार्च को रहेगा छुट्टी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिला प्रशासन ने महावीर जयंती के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश की तारीख में संशोधन किया है। कलेक्टर डिण्डौरी द्वारा जारी आदेश क्रमांक एस.सी./2026/107 के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2026 में महावीर जयंती हेतु घोषित 31 मार्च 2026 (मंगलवार) का सार्वजनिक अवकाश अब बदलकर 30 मार्च 2026 (सोमवार) कर दिया गया है।

जारी आदेश के मुताबिक

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह संशोधन केवल सामान्य शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं पर लागू होगा। कोषालय एवं उपकोषालय में अवकाश लागू नहीं होगा और 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय पूर्ववत खुलेंगे। कलेक्टर ने कहा कि यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा और समस्त विभागों, कार्यालयों और जिला प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है।प्रतिलिपि आवश्यक अधिकारियों जैसे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, रजिस्ट्रार जनरल, प्रमुख सचिवालय, राजस्व आयुक्त, महालेखाकार और समस्त कलेक्टरों को भेजी गई है। इस संशोधन के साथ ही जिले के नागरिकों को 30 मार्च को छुट्टी का लाभ मिलेगा और कार्यालयों की सुचारू कार्यप्रणाली 31 मार्च को जारी रहेगी।

उमरिया जिले में 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग,भोपाल के अनुपालन में तथा जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिला उमरिया हेतु पूर्व में घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन किया जाता है। कैलेंडर वर्ष 2026 हेतु घोषित अवकाशों की सूची में महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 31 मार्च 2026 को घोषित अवकाश के स्थान पर अब संपूर्ण उमरिया जिले में 30 मार्च 2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।दिनांक 31 मार्च 2026 (मंगलवार) को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

मानपुर मे एडीजे कोर्ट स्थापना और प्रकरणों के स्थानांतरण की मांग

तहसील अधिवक्ता संघ ने मुख्य न्यायाधीश को सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। तहसील अधिवक्ता संघ ने गत दिवस अल्प प्रवास पर मानपुर पहुंचे जबलपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपकर मानपुर में एडीजे न्यायालय की स्थापना तथा इंदवार थाना, अमरपुर पुलिस चौकी और वन विभाग के सभी प्रकरणों को मानपुर न्यायालय में स्थानांतरित करने की मांग की। उक्ताशय की जानकारी देते हुए संघ के सचिव अनिरुद्ध मिश्र ने बताया कि वर्तमान में इन प्रकरणों को सुनवाई जिला न्यायालय में होती है, जिससे पक्षकारों और अधितक्ताओं को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे उनका समय और धन की हानि होती है। उन्होंने कहा कि मानपुर व्यवहार न्यायालय वर्ष 2017 से संचालित है, लेकिन इंदवार थाना और अमरपुर चौकी के आपराधिक मामलों के साथ ही वन विभाग के प्रकरणो का विचरण अभी भी उमरिया में हो रहा है।

इस मौके पर अधिवक्ताओं द्वारा मानपुर न्यायालय मे व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-एक के पदस्थापना की मांग भी की गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां केवल व्यवहार न्यायाधीश वर्ग दो अधिकारी पदस्थ हैं, जिसके कारण बड़े मामलों की सुनवाई के लिए पक्षकारों को उमरिया जाना पड़ता है, जबकि मानपुर में इसके लिए आवश्यक भवन और आवास उपलब्ध हैं। इस संबंध में वर्ष 2017 से लगातार मांग को जा रही है. लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे क्षेत्र के आदिवासी और ग्रामीण वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

सेन जी महाराज की 726वी जयंती 13 और 14 अप्रैल को उमरिया और बांधवगढ़ में मनाई जाएगी, तैयारियां जोरों पर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सेन समाज विकास संगठन उमरिया ने बताया है कि सेनजी महाराज की 726वी जयंती कार्यक्रम मध्य प्रदेश की उमरिया जिले में सेन समाज विकास संगठन उमरिया मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन के नेतृत्व में उमरिया जिले में सेन जी महाराज की जयंती मनाने की तैयारी चल रही है। जानकारी देते हुए सेन समाज विकास संगठन के संभागीय अध्यक्ष अनुज सेन ने जानकारी देते हुए बताया है कि इस वर्ष बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ उमरिया नगर सहित ग्राम तालाब बांधवगढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह, परिचय सम्मेलन, का कार्यक्रम 13 अप्रैल 2026 दिन सोमवार को स्थानीय सामुदायिक भवन उमरिया में मनाया जाना है तथा 14 अप्रैल 2026 दिन मंगलवार को बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जन्मस्थली बांधवगढ़ में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांस्कृतिक मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, सुश्री मीना सिंह विधायक मानपुर, शिवनारायण सिंह विधायक बांधवगढ़, दिव्यराज सिंह विधायक सिरमौर, रिकेश सेन विधायक वैशाली नगर छत्तीसगढ़, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह, सेन समाज विकास संगठन प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन के नेतृत्व व उमरिया जिले के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन में भूमि पूजन कार्यक्रम ग्राम ताला बांधवगढ़ जिला उमरिया में संपन्न होना है। संपूर्ण भारत के सेन समाज के लोगों से आग्रह है सेन जी महाराज की जयंती समारोह में उमरिया जिले में ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपनी सहभागिता के साथ 13 एवं 14 अप्रैल को सेन जयंती कार्यक्रम को सफल बनाये।

पं. दीनदयाल प्रशिक्षण का दो दिवसीय कार्यशाला 30 व 31 मार्च को

उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का दो दिवसीय कार्यशाला उमरिया नगर मंडल और मानपुर मंडल में 30 और 31 मार्च को रखा गया है। जिसका शुभारंभ 30 मार्च को उमरिया नगर मंडल अंतर्गत उमरार सिटी में दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा वहीं मानपुर मंडल के लिए स्थानीय बरसाना पैलेस में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा।

पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान कार्यशाला की जानकारी देते हुए उमरिया नगर मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीतू सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के द्वारा इस दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 30 मार्च को दोपहर 2 बजे उमरार सिटी में प्रारंभ होगा जिसका 31 मार्च को समापन होगा।

सामाजिक एकजुटता की मिसाल बनेगा कन्यादान सम्मेलन, तैयारियां तेज: लखन सिंह

खुरई/मालथौन।

क्षत्रिय महासभा जिला सागर के तत्वावधान में आगामी 20 अप्रैल को आयोजित होने वाले सामूहिक कन्यादान विवाह सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार 29 मार्च को मालथौन और खुरई में ब्लॉक स्तर पर क्षत्रिय समाज के गणमान्य सदस्यों की बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें सम्मेलन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और आर्थिक सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठकों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष लखन सिंह ने कहा कि यह आयोजन पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह की पहल पर समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन सामाजिक एकजुटता, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है, जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर प्रदान किया जा रहा है। बैठकों में क्षत्रिय समाज के सम्मानित सदस्यों ने आयोजन की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं धन संग्रह को लेकर अपने सुझाव दिए।

आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि विवाह के लिए चयन जिले की कन्याओं में से ही किया जाएगा तथा वास्तविक आर्थिक स्थिति को आधार बनाया जाएगा, ताकि जरूरतमंद परिवारों को ही इसका लाभ मिल सके। सम्मेलन के लिए आर्थिक सहयोग की अंतिम तिथि 5 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। वहीं, सामूहिक विवाह में शामिल होने के इच्छुक परिवारों से 6 से 10 अप्रैल 2026 के बीच आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। आवेदन के साथ आयु प्रमाण पत्र और आधार कार्ड संलग्न करना अनिवार्य रहेगा। समाज के नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग प्रदान करें, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद कन्याओं के विवाह गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न कराए जा सकें।

अधोसंरचना विकास के साथ शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक : उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अधोसंरचना विकास के साथ शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक है। रीवा में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार को बेहतर बनाने के सभी प्रयास जारी हैं। हमारा प्रयास है कि गुणात्मक शिक्षा व बेहतर इलाज की सभी व्यवस्थायें रहें ताकि यहां के लोगों को उच्च शिक्षा व इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने लगभग 3 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा भवन का लोकार्पण किया।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने संभाग को आदर्श संभाग बनायें। महाविद्यालय के प्राचार्यों का दायित्व है कि वह अपने महाविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रम संचालन के लिये प्रयासरत रहें तथा प्राध्यापकों व विद्यार्थियों के साथ जीवंत संबंध बनायें रखें। उन्होंने कहा कि अच्छा प्रशासक वही है जो जमीनी फीड बैक लेकर कार्य करे। यह भवन उच्च स्तरीय सुविधाओं से युक्त है। जब कार्यालय अच्छा होता है तो कार्य करने की इच्छा भी बढ़ जाती है। इस कार्यालय भवन के द्वारा संभाग के सभी महाविद्यालयों के विकास व उच्च शिक्षा के गुणात्मक सुधार के सभी प्रयास तत्परता से होंगे। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आर.पी. सिंह ने बताया कि लगभग 3 करोड़ रूपये से निर्मित भवन में सभी सुविधाएँ हैं। यहां से शासकीय, अशासकीय व अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों पर नियंत्रण होगा।

10 एकड़ में फैला भंवरताल उद्यान बनेगा जल संचयन का मॉडल

4 सोकपिट का होगा निर्माण, डिप्टी सीएम ने किया भूमिपूजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर के हृदय स्थल भंवरताल उद्यान में वर्षा की हर बूंद को सहेजा जाएगा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोकपिट निर्माण का भूमिपूजन करते हुए जल संरक्षण के एक नए अध्याय की शुरुआत की। इस दौरान देवड़ा ने कहा कि जबलपुर की यह नई वॉटर क्रांति है, भंवरताल जल संचयन एक मॉडल की तरह तैयार होगी। 10 एकड़ में फैले इस पार्क में 4 सोकपिट का निर्माण किया जा रहा है, जो सीधे भू-जल स्तर को रिचार्ज करेगा। मानसून के दौरान अक्सर होने वाले जलभराव की समस्या अब बीते कल की बात होगी। संकलित पानी जमीन के भीतर जाकर धरती की प्यास बुझाएगा। इस पहल का सीधा लाभ उद्यान के आस-पास रहने वाले हजारों नागरिकों को मिलेगा, क्योंकि इससे क्षेत्र का जल स्तर सुधरेगा। भंवरताल के साथ-साथ नगर निगम अब एक व्यापक कार्य योजना पर काम कर रहा है, निगम के सभी प्रमुख उद्यानों में इसी तरह के सिस्टम लगाए जायेंगे शासकीय कार्यालयों के साथ-साथ अशासकीय संस्थानों और निजी भवनों में भी रैन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया जा रहा है। यह अभियान न केवल जबलपुर को जल-संकट से बचाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और हरा-भरा भविष्य भी सुनिश्चित करेगा। इस मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद सुमित्रा बाल्मीक, आशीष दुबे, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, अशोक ईश्वरदास रोहाणी आदि उपस्थित रहे।

रानीताल में किया श्रमदान

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जबलपुर प्रवास के दौरान शासन के महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में सक्रिय सहभागिता करते हुए रानीताल तालाब पहुँचकर श्रमदान किया, अभियान के दौरान उपमुख्यमंत्री ने स्थानीय गणमान्यजनों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मिलकर तालाब परिसर की सफाई की। उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा की वे अपने आस-पास के नदी, तालाबों और कुओं को स्वच्छ रखने में योगदान दें 'जल संचयन और संरक्षण' के माध्यम से ही हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और हरा-भरा भविष्य दे पाएंगे।

पानी की पाइप लाइन फूटने पर ग्रामीणों ने किया चकाजाम

ग्राम पंचायत निभौरा का मामला, बनी पेयजल की समस्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत निभौरा में नल-जल योजना की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से उत्पन्न जल संकट के विरोध में ग्रामीणों ने रविवार, 29 मार्च को निर्माणाधीन रिंग रोड पर चक्काजाम कर दिया।

बताया जा रहा है कि रिंग रोड निर्माण कार्य के दौरान कंपनी द्वारा पाइपलाइन तोड़ दी गई थी, जिसके चलते पूरे गांव में पेयजल की गंभीर समस्या बन गई थी।ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों और निर्माण कंपनी से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। लगातार अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने जवाहर केवट के नेतृत्व में रिंग रोड पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

अधिकारियों ने दिया आश्वासन

प्रदर्शन में जग्गी केवट, राकेश केवट, शेरू केवट, जुगल केवट, रामराज केवट सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। चक्काजाम की सूचना मिलते ही रिंग रोड निर्माण कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। अधिकारियों द्वारा पांच दिनों के भीतर पाइपलाइन पुनः स्थापित करने का लिखित आश्वासन दिया गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया।

25वीं चित्रांजलि राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में मूर्धन्य फोटो पत्रकार स्व महेंद्र चौधरी की स्मृति में आयोजित 25वीं 'चित्रांजलि' राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया' और 'राम उत्सव' राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया' प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख नगद राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

चित्रांजलि की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम को केंद्र सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। चित्रांजलि समिति के अध्यक्ष राजेश चौधरी के अनुसार, आयोजन सच्चिदानंद जोशी एवं आलोक जैन के निर्देशन में संपन्न हो रहा है। प्रतियोगिता को देशभर से जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया' के लिए 7 हजार से अधिक और 'राम उत्सव' के लिए 35 सौ से अधिक छायाचित्र प्राप्त हुए। इन प्रविष्टियों में से उत्कृष्ट छायाचित्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर के ख्यात छायाकार गुरदास दुआ, सचिन सोनी और विनय अंबर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान चयनित छायाचित्रों की प्रदर्शनी के साथ ही एक कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण भी किया जाएगा, जो इस आयोजन की खास उपलब्धि होगी।

शीतल जल हेतु जल मंदिर की स्थापना

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की काशी ग्राम विकास समिति, महगवां द्वारा यात्रियों को साफ एवं शीतल जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डुंडी स्टेशन में जल मंदिर की स्थापना की गई। प्रतिदिन जल मंदिर की साफ सफाई और सुचारू व्यवस्था की जिम्मेदारी समिति सदस्यों को सौंपी गई। इस दौरान स्टेशन मास्टर शंकर सिंह मीणा, काशी ग्राम विकास समिति महगवां के अध्यक्ष सनिल यादव, सचिव दुर्गेश कोल, पॉइंट्स मैन मुकेश कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

हिन्दू सेवा परिषद् स्थापना दिवस पर निकालेगी गदा यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हिन्दू सेवा परिषद् के स्थापना दिवस और हिन्दू नव संवत्सर 2083 के उपलक्ष्य में 31 मार्च को गदा यात्रा एवं हिन्दू धर्म सभा का आयोजन होने जा रहा है। हिन्दू सेवा परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी ने बताया कि इस वर्ष 3 अखाड़ा लगातार यात्रा में प्रदर्शन करेंगे 31 मार्च मंगलवार को दोपहर 12 बजे नौदरा ब्रिज स्थित श्री हनुमान मंदिर से गदा यात्रा प्रारंभ होकर करमचंद चौक, तुलाराम चौक, अंधेरदेव,खजांची चैक, फुहारा, लार्डगंज,सुपर मार्केट,मालवीय चौक,सिविक सेंटर में सम्पन्न होगी। गदा यात्रा में टी. राजा सिंह शामिल होंगे । गदा यात्रा में मिट्टी का चांदी कलर का गदा , हनुमान जी की विशालकाय प्रतिमा ,बैण्ड बाजे,ढोल एवं भगवा ध्वज यात्रा में रहेगें। संघठन के अतुल जेसवानी, नितिन सोनपाली,सौरभ जैन,उत्कर्ष रावत,अक्षय झा, निखिल कनौजिया, अभिषेक अहिरवार,अंकित विश्वकर्मा ने जनता से गदा यात्रा में शामिल होने की मांग की।

आज से 3 दिनों तक जलापूर्ति रहेगी प्रभावित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि टाउन हॉल टैंक में कंटेनर लीकेज के सुधार कार्य एवम सप्लाई लाइन 600 एम.एम. की टी बदलने का कार्य किया जाना है। जिसके चलते दिनांक 30 मार्च को सायंकालीन से दिनांक 1 अप्रैल तक दोनो समय टैंक से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी।

अब्दुल से राहुल बनकर युवती से बनाए प्रेम संबंध

ओमती थाने का मामला, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओमती थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी और शारीरिक शोषण का प्रकरण प्रकाश में आया है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अब्दुल फराज खान को हिरासत में ले लिया । आरोपी अब्दुल ने वास्तविक पहचान छिपाकर राहुल नाम से युवती से मेलजोल बढ़ाया और उसे विवाह का झूठा आश्वासन देकर लंबे समय तक दैहिक शोषण किया। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने लगभग 1 साल तक उसे अपने जाल में फंसाए रखा। इस अवधि के दौरान आरोपी युवती को जबलपुर के विभिन्न स्थानों के साथ अन्य शहरों में भी ले गया और कई बार जबरन संबंध बनाए। आरोपी ने पीड़िता को नशीला पदार्थ खिलाकर उसकी स्थिति का अनुचित लाभ उठाया और निजी पलों के वीडियो रिकॉर्ड कर लिए। जब युवती को पता चला कि अब्दुल पहले से विवाहित है और उसके 2 बच्चे हैं, तो उसने दूरी बनाने का प्रयास किया। इस पर आरोपी ने वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया लगातार मिल रही धमकियों से त्रस्त होकर पीड़िता ने पुलिस की शरण ली। ओमती थाना प्रभारी राजपाल सिंह बघेल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी अब्दुल फराज खान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पुराना बस स्टैंड क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

नदी में नहाते समय डूबा नाबालिग, हुई मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पाटन थाने में बिहारीलाल गौंड़ उम्र 63 वर्ष निवासी ग्राम कोनीकला ने सूचना देकर बताया कि उसका नाती 14 वर्षीय पुष्पेन्द्र उर्फ राज गौंड़ घर से सुबह के समय गांव के पास हिरन नदी में नहाने गया था। थोड़ी देर बाद उसके साथी बच्चों से पता चला कि पुष्पेन्द्र उर्फ राज गौंड़ हिरन नदी के पानी में नहाते समय डूब गया है , वह अपने बेटे रामजी गौंड़ के साथ तुरंत हिरन नदी के किनारे पहुंचे जहां शव उतरता मिला पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आईटीआई विद्यार्थियों ने समझी ट्रांसमिशन नेटवर्क की कार्यप्रणाली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आईटीआई धामनोद के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक एवं व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 132 केवी सब स्टेशन जैतापुरा-पलासिया का औद्योगिक भ्रमण किया। यह भ्रमण कार्यपालन अभियंता विनीता भावसार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को ट्रांसमिशन नेटवर्क की कार्यप्रणाली, अति उच्च दाब विद्युत पारेषण, ट्रांसफॉर्मर, सर्किट ब्रेकर एवं अन्य उपकरणों के संचालन की जानकारी दी गई। कनिष्ठ अभियंता श्री आत्माराम पटेल ने सुरक्षा मानकों एवं सावधानियों के महत्व से भी अवगत कराया। इस भ्रमण से विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक समझ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

बाबा बर्फानी सिक्योरिटी संचालक पर दर्ज हुई एनसीआर

नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों ने की शिकायत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों की शिकायत पर बाबा बर्फानी सिक्योरिटी सर्विसेज के संचालक रितेश टंडन के खिलाफ एनसीआर (असंज्ञेय अपराध रिपोर्ट) दर्ज की गई है। यह मामला तब सामने आया जब एजेंसी के माध्यम से कार्यरत लगभग 25 कर्मचारियों ने एकजुट होकर वेतन न मिलने और कार्य बंद किए जाने की शिकायत की। कर्मचारियों के मुताबिक उन्हें विगत 2-3 महीनों से भुगतान नहीं किया गया है।

उनका कहना है कि वे एजेंसी के जरिए नियुक्त किए गए थे और संबंधित कार्य के बदले भुगतान एजेंसी द्वारा किया जाना था, लेकिन लंबे समय से उन्हें वेतन नहीं मिला है। इस मामले में नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि बाबा बर्फानी सिक्योरिटी सर्विसेज के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिल चुकी हैं, जिसके बाद इसे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया था। हालांकि, एजेंसी ने इस कार्यवाही के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया, जिसके चलते वह फिलहाल कार्य कर रही है।

मामले की जांच जारी है और प्रशासन ने उच्च न्यायालय में अपना पक्ष प्रस्तुत कर दिया है। अब न्यायालय के अंतिम निर्णय के अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के सपापन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन ग्राम तिघरा, खमरिया में हुआ। यह शिविर 24 मार्च से 30 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विक्रम सिंह कंबोज सरपंच ग्राम तिघरा, महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुनीता शर्मा एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। अतिथियो ने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में देश प्रेम, समाज के प्रति समर्पण एवं सहयोग की भावना विकसित होती है। शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए डॉ पूजा गुप्ता ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया। पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं साक्षरता अभियान के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ रचना सांचा, ओम प्रकाश साहू, शेरोन एंजेल वज़ीरा, डॉ. मुकेश कुमार विश्वकर्मा आदि का सहयोग रहा।

एक अप्रैल को संगीतमय संध्या का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुंजन कला सदन मप्र द्वारा एक अप्रैल बुधवार को संध्या 6.30 बजे से शहीद स्मारक भवन, गोलबाजार में एक ही कलाकार श्रृंखला के अंतर्गत गायक रज्जन सूर्यवंशी के मधुर गीतों की संध्या आयोजित की जा रहा है। आयोजन में वे भजन, लोकगीत, गजल और फिल्मी गीत प्रस्तुत करेंगे । इस अवसर पर अजय विश्नोई, अभिलाष पांडे, आशीष रस्तोगी, राजेश दीवान, सेठ बालकिशन एवं यमेश चौधरी आतिथ्य करेंगे । राजेश पाठक प्रवीण, बबलू मैथ्यूज, मुन्ना गूजर, धर्मपाल विश्वकर्मा मंगलभाव व्यक्त करेंगे। संस्था ने गीत-संगीत प्रेमियों से उपस्थिति का अनुरोध किया है।

रसायन मुक्त खाद्य पदार्थ खरीदने जैविक हाट बाजार में उमड़ रही खरीददारों की भीड़

प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित किया जा रहा बाजार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जैविक खेती कर रहे किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने तथा नागरिकों को रसायनिक खाद और कीटनाशक मुक्त ताजी सब्जियां, फल, फूल और अनाज उपलब्ध कराने प्रत्येक रविवार को लगाये जा रहे जैविक हाट में लोगों का भरोसा बढ़ता जा रहा है। इस रविवार को भी कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित किये गये जैविक हाट में बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे और न केवल बढ़ चढ़कर खरीदारी की, बल्कि जैविक उत्पादों के प्रति भरोसा भी जताया। जैविक हाट में नियमित रूप से आने वाले खरीदारों ने इसकी निरंतरता बनाये रखने के लिये जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को साधुवाद दिया। जैविक हाट की शुरुआत से नियमित ग्राहक बनी आयना श्रीवास्तव ने कहा कि लोग अब कीटनाशकों और रासायनिक खादों से मुक्त ताजी सब्जियों और फलों को प्राथमिकता देने लगे हैं। जैविक उत्पादों के एक अन्य खरीदार विनय कुमार ने बताया कि जैविक हाट के उत्पाद बाजार के उत्पादों की तुलना में ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं।

सभी प्रकार की खाद्य सामग्री उपलब्ध

हर रविवार को जैविक हाट लगने का इंतजार करने वाले लक्ष्मी नारायण ने कहा कि ग्राहक सीधे किसानों से उत्पाद खरीद रहे हैं, जिससे उन्हें उत्पाद की शुद्धता और उसकी खेती के तरीके पर अधिक विश्वास होता है। वहीं, विपिन झा ने बताया कि बिचौलियों के न होने से ग्राहकों को लगता है कि उनके पैसे का सही मूल्य सीधे मेहनत करने वाले किसान को मिल रहा है। इस रविवार को लगे जैविक हाट में मौके पर ही निकाला गया गन्ने का ताजा रस और पारंपरिक छाछ, कच्ची घानी से तैयार सरसों, मूँगफली और अलसी का शुद्ध तेल, देशी गाय का शुद्ध दूध और घर का बना दानेदार घी मुख्य आकर्षण रहा। इसके अतिरिक्त सेहत के प्रति जागरूक लोगों के लिए रागी, बाजरा जैसे मोटे अनाज खेतों से सीधे लाई गई बिना केमिकल वाली हरी जैविक सब्जियां तथा जैविक तरीके से उत्पादित चावल, गेहूं, दालों ने भी लोगों को लुभाया। जैविक हाट में अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ इंदिरा त्रिपाठी द्वारा हाट में आए कृषकों को जैविक प्रमाणीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कृषकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस जैविक हाट का मुख्य उद्देश्य कृषकों ऐसा बाजार उपलब्ध कराना है जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने भी जैविक हाट पहुंचे। इस रविवार को लगाये गये जैविक हाट के सुव्यवस्थित संचालन का दायित्व का अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज श्रीवास्तव एवं पाटन विकासखण्ड की संपूर्ण टीम के सफलतापूर्वक निर्वाह किया।

अमरकंटक को हेडक्वार्टर बनाना चाहते थे नक्सली

एसपी बोले नक्सलियों ने विस्तार नीति के तहत कर लिया था सर्वे, जवानों ने मंसूबे पर पानी फेरे

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

मध्य भारत के जंगलों में दशकों से चल रहे हथियारबंद संघर्ष का अंत अब निकट दिखाई दे रहा है। 1967 के दशक से शुरू हुआ नक्सलवाद, जो कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जाता था, अब अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है। अब जब रेड कॉरिडोर खत्म होता नजर आ रहा है लेकिन अब से 13 साल पहले नक्सलियों ने एक विस्तार नीति पारित की थी। छत्तीसगढ़ से लाल गलियारे को वह बालाघाट, मंडला और डिंडौरी से आगे बढ़ाना चाहते थे। सरकार द्वारा नक्सलवाद के खात्मे के लिए तय की गई डेडलाइन के बीच एक चौंकाने वाला खुलासा बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने नक्सलियों की उस विस्तार नीति का पर्दाफाश किया है, जिसके तहत वे छत्तीसगढ़ से खदेड़े जाने के बाद मध्य प्रदेश को अपना मुख्य किला (हेडक्वार्टर) बनाने की फिराक में थे।

बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने हाल ही में नक्सलियों की उस गुप्त रणनीति का पर्दाफाश किया, जिसे साल 2013 में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी ने पारित किया था। सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के कारण नक्सली छत्तीसगढ़ के अपने सुरक्षित गढ़ अबूझमाड़ को छोड़ने की तैयारी में थे। उनकी योजना मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के त्रिकोण पर बसे अमरकंटक को अपनी राजधानी बनाने की थी। अमरकंटक को चुनने के पीछे भौगोलिक कारण बेहद ठोस थे। घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों से घिरे इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी नक्सलियों के अन्य गढ़ों से सटीक बैठती थी। दस्तावेजों के अनुसार, अमरकंटक से महाराष्ट्र का गढ़चिरौली (454 किमी), बस्तर (584 किमी), झारखंड का पलामू (403 किमी) और बिहार का नवादा (610 किमी) एक रणनीतिक दूरी पर थे। नक्सली यहाँ बैठकर कई राज्यों में अपनी गतिविधियों को नियंत्रित करना चाहते थे।

दो साल का गुप्त सर्वे और जोन का गठन

नक्सलियों ने अपनी इस विस्तार नीति को अमलीजामा पहनाने के लिए साल 2015 से 2017 के बीच गहन सर्वे किया। सेंट्रल कमेटी के सदस्य देवजी सोनू उर्फ भूपति और दीपक तेलतुमड़े ने इस इलाके की भौगोलिक और सामाजिक स्थिति का आकलन किया। इसी सर्वे के आधार पर साल 2017 में एमएमसी जोन (मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) अस्तित्व में आया। इसके तहत दो प्रमुख डिवीजन बनाए गए. केबी (कान्हा भोरमदेव) डिवीजन का विस्तार मुख्य रूप से कान्हा नेशनल पार्क और भोरमदेव के क्षेत्रों में था। और जीआरबी (गोंदिया-राजनांदगांव-बालाघाट) डिवीजन में दर्रेकसा, टांडा और मलाजखंड जैसे सक्रिय दलम शामिल थे. एक समय में इस जोन में करीब 150 हथियारबंद नक्सली सक्रिय थे, जो इस रेड कॉरिडोर को मजबूत करने में जुटे थे।

कैसे ढह गया नक्सलियों का यह किला?

नक्सलियों की इस विस्तार नीति के फेल होने की सबसे बड़ी वजह नेतृत्व का अंत रही। नवंबर 2021 में महाराष्ट्र की सी-60 फोर्स के साथ हुए एनकाउंटर में मास्टरमाइंड मिलिंद तेलतुमड़े मारा गया। मिलिंद की मौत ने संगठन की रीढ़ तोड़ दी। उसके बाद एमएमसी जोन के नेतृत्व को लेकर संगठन के भीतर ही दरारें पैदा हो गईं। लगातार बढ़ते एंटी-नक्सल ऑपरेशंस और पुलिस की चौकसी ने नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। आज स्थिति यह है कि जो संगठन कभी हजारों की संख्या में होने का दावा करता था, उन्हें अब उंगलियों पर गिना जा सकता है। इसी वजह से 2025 के अंतिम दौर में मध्यप्रदेश सरकार ने नक्सल मुक्त की घोषणा कर दी है।

शांति की ओर बड़ते कदम...

अमरकंटक, जो अपनी पवित्रता और नर्मदा के उद्गम के लिए जाना जाता है, उसे खूनी संघर्ष का केंद्र बनाने की नक्सलियों की कोशिश अब इतिहास के पन्नों में दफन होती नजर आ रही है। सुरक्षा बलों की मुस्तैदी ने न केवल विस्तार नीति को विफल किया, बल्कि उन आदिवासियों और ग्रामीणों को भी राहत दी है जो लंबे समय से इस हिंसा की चपेट में थे।

इनका कहना हैं

नक्सलियों का इंकाउटर हुआ था उस वक्त नक्सली दस्तावेज मिले थे, उसमें विस्तान नीति के तहत अबुझमाड में दबाव के बाद एमपी के अमरकटंक में मुख्यालय बनाने का प्लान था। उसमें बड़े नक्सलियों को कैसे इन क्षेत्र में सिफ्ट करे यह उनकी नीति थीं, जैसे हम प्लान बनाते हैं वैसे ही नक्सली भी 5 साल का प्लान तैयार कर कार्य करते थे। हमने सरेंडर नक्सलियों से पुछा तो उन्होने भी यही बताया कि हम लोगों को इस तरह का काम दिया गया था। बालाघाट में लगातार पुलिस ऑपरेशन से नक्सल अपना विस्तार नहीं कर पाए और मंडला, डिडोरी और बालाघाट भी अब नक्सली मुक्त हो गया है।

आदित्य मिश्रा, एसपी बालाघाट

बालाघाट की बेटी चारू राहंगडाले बनीं माइनिंग इंस्पेक्टर

मेहनत से रचा सफलता का नया इतिहास

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। इस बात को सच कर दिखाया है बालाघाट जिले की वारासिवनी तहसील के छोटे से ग्राम सिंगोड़ी की बेटी सुश्री चारू राहंगडाले ने, जिन्होंने अपनी लगन और संघर्ष के दम पर माइनिंग इंस्पेक्टर बनकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित खनि निरीक्षक परीक्षा 2023 में सफलता प्राप्त कर चारू ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी पहली पदस्थापना डिंडोरी जिले में हुई है, जो उनके सपनों की उड़ान का पहला बड़ा पड़ाव है।

चारू की सफलता के पीछे उनकी स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास की कहानी छिपी है। उन्होंने होलकर साइंस कॉलेज से अपनी स्नातक शिक्षा पूरी की, जो देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय से संबद्ध है। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने अपने लक्ष्य को तय कर लिया था और उसी दिशा में पूरी मेहनत और समर्पण के साथ जुट गईं। उनकी इस सफलता में उनके माता-पिता का विशेष योगदान रहा। पिता श्री टीकाराम राहंगडाले और माता श्रीमती रुपाली राहंगडाले ने हर परिस्थिति में उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हाल ही में पांढुर्णा में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. मोहन यादव द्वारा चारू को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। यह पल उनके जीवन का सबसे गर्वपूर्ण क्षण बन गया, जिसने उनके संघर्ष को एक नई पहचान दी। चारू की इस उपलब्धि से ग्राम सिंगोड़ी ही नहीं, बल्कि पूरे बालाघाट जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। उनकी सफलता आज के युवाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है। यह कहानी सिर्फ एक उपलब्धि की नहीं, बल्कि उस विश्वास की है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो, तो हर सपना साकार किया जा सकता है।

नगर परिषद के चार मनोनीत पार्षदों की सूची हुई जारी

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य की कुल 123 नगर परिषदों में एल्डरमैन यानी मनोनीत पार्षदों की नियुक्तियां की गई हैं। बालाघाट जिले की नगर परिषद कटंगी में प्रीतम खटवानी, संजय वाघमारे, प्रगति बिसेन और चंदन खरे की नियुक्ति हुई है। जिन्हें शुभचिंतकों के सोशल मीडिया पर बधाई दी जा रही है। इन नियुक्तियों का आदेश मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 19 (1) (ग) के तहत जारी किया गया है। रविवार को दोपहर 1 बजे यह जानकारी सामने आई। नवनियुक्त पार्षदों का कार्यकाल वर्तमान परिषद के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा या आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति का मुख्य आधार प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की जानकारी होता है। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त होने वाले ये एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, बस इनके पास मताधिकार नहीं होता है।

लामता में भगवा ध्वज को अज्ञात लोगों ने गंदगी में फेंका

ग्रामीणों में आक्रोश दोषियों पर 11 हजार का इनाम घोषित

बालाघाट। लामता नगर में हुई एक घटना ने पूरे क्षेत्र की धार्मिक भावनाओं को झकझोर कर रख दिया है। रामनवमी और हनुमान जयंती जैसे पावन अवसर पर नगरभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ लगाए गए भगवा ध्वजों को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा रात के अंधेरे में अपमानित किया गया। इन झंडों को निकालकर सुखी नदी के गंदे स्थान पर फेंक दिया गया और उन्हें तोड़-मरोड़कर उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। सुबह जब लोगों को इस घटना की जानकारी मिली, तो पूरे नगर में शोक और आक्रोश का माहौल फैल गया।यह घटना केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि लोगों की आस्था, विश्वास और भावनाओं पर गहरी चोट के रूप में देखी जा रही है। वर्षों से धार्मिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल बने इस क्षेत्र में इस तरह की हरकत ने लोगों को भीतर तक आहत कर दिया है। घटना के विरोध में ग्राम पंचायत लामता के सरपंच, उपसरपंच, व्यापारी संघ, नवयुवक एवं बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी लामता थाने पहुंचे।

सभी ने एकजुट होकर पुलिस को लिखित ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने इस कृत्य को समाज में वैमनस्य फैलाने की साजिश बताते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होती, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। साथ ही, दोषियों की जानकारी देने वाले को 11 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक असामाजिक तत्व समाज की शांति और सद्भाव को नुकसान पहुंचाते रहेंगे। फिलहाल, पूरे क्षेत्र की नजरें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

व्यावसायिक गैस सिलेंडर की किल्लत

होटल बंद, लौट रहा लकड़ी के चूल्हों का दौर

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

युद्ध की वजह से भारत के कई राज्यों में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत के कारण होटल, रेस्तरां और ढाबे बंद होने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। बालाघाट जिले की कटंगी तहसील भी इससे अछूती नहीं है। यहां के कई होटल, रेस्तरां और ढाबों में गैस सिलेण्डरों की किल्लत की वजह से इस उद्योग पर संकट के बादल मंडरा रहे है। हालांकि गैस सिलेण्डर नहीं मिलने पर कुछ संचालकों ने लकड़ी के चूल्हों को विकल्प के तौर पर तैयार कर लिया है। इन चूल्हों पर नाश्ता पकाकर तैयार किया जा रहा है। होर्मुज जलमार्ग में तनाव के कारण गैस टैंकरों की आवाजाही में देरी हो रही है, जिससे 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर की कमी है। वहीं घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता देने के कारण व्यावसायिक सप्लाई प्रभावित हुई है। जिससे फास्ट कुछ होटलों की सेवाएं रुक गई हैं और व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। होटल संचालकों ने बताया कि हमारे यहां पर सिलेंडर तो रखा हुआ है लेकिन खाली है रिफिल नहीं हो रहा है। जिस कारण भट्टी पर लोग काम करने को मजबूर हैं। संचालकों की माने तो चाय-नाश्ता और खाने के दाम भी नहीं बड़ाए अगर खाने के दाम बड़ा दिए जाएंगे तो ग्राहक चाय-नाश्ता और खाने के लिए नहीं आएंगे।

कटंगी के होटल संचालकों ने बताया कि कि कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से काफी किल्लत आ रही है। गैस सिलेंडर ब्लैक में मिल रहे हैं। गैस सिलेंडर की

कालाबाजारी की जा रही है जो छोटी-छोटी होटल संचालित कर रहे है। वह चूल्हा भट्टी पर नाश्ता बनाने को मजबूर हैं। वहीं जिन लोगों के पास अभी गैस सिलेण्डर है। उनका कहना है कि अगर आगामी दिनों में भी यही स्थिति रही तो व्यवसाय बंद करना पड़ सकता है। संदीप कुमार नेमा नाम के होटल संचालक ने बताया कि गैस की किल्लत होने पर उन्हें दो दिन अपनी दुकान बंद रखनी पड़ी लेकिन परिवार का इसी होटल के संचालन के गुजर-बसर होता है तो भट्टी बनानी पड़ी क्योंकि होटल बंद नहीं कर सकते इसके अलावा उनके पास रोजगार का कोई साधन नहीं है। बस स्टेण्ड में होटल का संचालन करने वाले पार्थ गुप्ता ने बताया कि उनके पास अभी तो गैस सिलेण्डर है किंतु लंबे समय तक सिलेण्डर रिफिल नहीं हुआ तो मजबूरन उन्हें भी लकड़ी का चूल्हा तैयार करना होगा।

बस स्टेण्ड में ही होटल का संचालन करने वाले प्रशांत वाघाड़े ने करीब 01 सप्ताह तक अपनी दुकान बंद रखी। उन्होंने बताया कि उनके यहां दिन भर ग्राहकों का आना-जाना होता है। गैस सिलेण्डर खत्म हुआ तो उन्हें होटल बंद करनी पड़ गई काफी प्रयास के बाद भी सिलेण्डर रिफिल नहीं हुआ तो मजबूरी में भट्टी बनानी पड़ी।

जनमखवार के जंगल में भीषण आग, आग पर काबू

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के वन परिक्षेत्र लामता उत्तर अंतर्गत ग्राम जनमखार के जंगल में रविवार की दोपहर करीब 3 बजे भीषण आग लगने की घटना सामने आई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते जंगल का बड़ा हिस्सा उसकी चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए गए। घटना का एक वीडियो भी किसी जागरूक व्यक्ति द्वारा बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मौके पर टीम रवाना की। वन कर्मियों द्वारा आग को फैलने से रोकने के लिए कड़ी मशक्कत की जा रही है। सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतू गोस्वामी ने बताया कि कुमनगांव सर्किल के आरडीया बिट के कक्ष क्रमांक 1229 की सूचना मिलते ही विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया है और आग बुझा दिया गया है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में छोटी सी लापरवाही भी बड़ी आग का रूप ले सकती है, इसलिए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगलों में अनावश्यक आग न लगाएं, विशेषकर महुआ चुनने के दौरान आग का उपयोग बिल्कुल न करें। ऐसी लापरवाही से आग तेजी से फैलती है और बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाती है।

उमरिया जिले में एल्डर मैन की नियुक्ति के आदेश जारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने रविवार 29 मार्च को प्रदेश के 123 नगर परिषदों सहित नगरपालिकाओं के लिए पार्षदों (एल्डर मैन) की नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में उमरिया नगर पालिका में पार्षद पद हेतु रश्मि द्विवेदी, दिवाकर सिंह, हेमलता राय, सुनील खटीक, नरेंद्र बगड़िया एवं उमा बाई परस्ते की नियुक्ति की गई है वहीं पाली नगर पालिका में प्रदीप सोनी कामता विश्वकर्मा, सुधीर मोटवानी, वंदना यादव, सुशांत सक्सेना एवं कमल सिंह को पार्षद नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जिले की तीनों नगर परिषद चंदिया,मानपुर एवं नौरोजाबाद में भी पार्षदों की नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में नगर परिषद मानपुर के लिए हरीश विश्वकर्मा, रसिक खंडेलवाल, रामनिधि शुक्ला एवं अमर बैगा को पार्षद नियुक्त किया गया है।नगरपरिषद चंदिया में संजय यादव,श्रीमति राजकुमारी तिवारी, राकेश वर्मा एवं गोविंद कोल को पार्षद नियुक्त किया गया है।

वीडियो बनाते रहे लोग, खतरे को नजरअंदाज करता प्रबंधन

क्या हादसे का इंतजार कर रहा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ?

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले में एक बार फिर लापरवाही का बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। मानपुर रोड स्थित मगधी गेट के पास शनिवार सुबह एक डीएम बाघ को सड़क पार करते हुए देखा गया। हैरानी की बात यह रही कि जहां एक ओर बाघ जंगल की ओर जा रहा था, वहीं दूसरी तरफ राहगीर अपनी जान जोखिम में डालकर वीडियो बनाने में जुटे रहे।

वायरल हो रहे वीडियो में साफ नजर आता है कि कई लोग अपने वाहन रोककर खड़े हैं, तो कुछ लोग वाहन से उतरकर सड़क पर ही बाघ के बेहद करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। यह स्थिति किसी भी वक्त गंभीर हादसे में बदल सकती थी। सौभाग्य से बाघ बिना किसी घटना के जंगल की ओर चला गया, लेकिन सवाल यह है कि अगर कुछ अनहोनी हो जाती तो जिम्मेदार कौन होता? स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। इस मार्ग पर कई

बार बाघों की आवाजाही देखी जा चुकी है। इसके बावजूद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का प्रबंधन पूरी तरह से उदासीन बना हुआ है।

न तो यहां पर्याप्त चेतावनी संकेत लगाए गए हैं और न ही सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम किए गए हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि जिस इलाके में वन्यजीवों की सक्रियता लगातार बनी हुई है, वहां न तो ट्रैफिक कंट्रोल है और न ही लोगों को जागरूक करने का कोई प्रयास दिखता है। पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ अक्सर ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में बिना किसी रोक-टोक के पहुंच जाती है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। यह घटना सीधे तौर पर प्रबंधन की लापरवाही को उजागर करती है। सवाल उठता है कि क्या अधिकारी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं? क्या किसी इंसानी जान या वन्यजीव के नुकसान के बाद ही कार्रवाई होगी?

जरूरत इस बात की है कि तत्काल प्रभाव से इस क्षेत्र में सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए, वाहनों की गति सीमित की जाए और लोगों को ऐसे खतरनाक व्यवहार से रोका जाए। वरना अगली बार यह वीडियो नहीं, बल्कि हादसा बन सकता है।

नगर में उत्सव होंडा बाइक शोरूम का हुआ शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)

रविवार 29 मार्च को नगर के लालपुर स्थित नेशनल हाईवे में स्टार ढाबा के सामने उत्सव होंडा बाइक शोरूम का शुभारंभ किया गया। जिससे स्थानीय निवासियों के लिए नवीनतम होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर खरीदना व सर्विसिंग कराना आसान हो गया है। इन शोरूमों में आकर्षक फाइनेंस स्कीम और स्पेशल लॉन्च ऑफर्स की सुविधा उपलब्ध है। नए मॉडल्स की बिक्री, सर्विसिंग, और आधुनिक वर्कशॉप की सुविधा उपलब्ध है। भारतीय सड़कों पर जब भी भरोसेमंद और किफायती कम्यूटर बाइक्स की बात आती है तो होंडा शाइन 125 का नाम सबसे पहले लिया जाता है। सालों से यह बाइक मिडिल क्लास और ऑफिस जाने वाले लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इसकी पॉपुलैरिटी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 125बब सेगमेंट में यह आज भी सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाइकिलों में से एक है।ग्राहकों के लिए स्पेशल डिस्काउंट और फाइनेंस सुविधाएं उपलब्ध हैं। शहडोल के बाद उमरिया में भी उत्सव होंडा ने अपनी शाखा शुरू की है जिसने ग्राहकों के लिए कई तरह के ऑफर दे रहे हैं। वही उत्सव होंडा के प्रोपाइटर

उत्सव खरया ने बताया कि होंडा शो रूम खुलने से क्षेत्र के लोगों को बाइक खरीदने में सहुलियत होगी। ग्राहक नकद या किस्त पर भी वाहन खरीद सकते हैं। होंडा के अधिकृत शोरूम में होंडा शाइन 100.125, यूनिकॉर्न, सीबी 350, हॉर्नेट 2.0 और एक्टिवा स्कूटर्स जैसे सभी लोकप्रिय मॉडल उपलब्ध हैं। हौंडा 100 सीसी बाइक जीरो में फाइनेंस की जा रही हैं। शोरूम के शुभारंभ में शहडोल के जाने माने व्यसायी राजकुमार खरया, उमरिया के युवा व्यसायी रोमेश गुप्ता, प्रदीप सिंह, चंदन सिंह, ब्रजेश तिवारी सहित उत्सव होंडा के मालिक और शोरूम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कलेक्टर ने जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में राजस्व विभाग के कोर वर्क्स की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, राजस्व वसूली, रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, साइबर तहसील आदि विषयों पर तहसीलवार जानकारी लेते हुए बिंदुवार चर्चा की गई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का निराकरण शीघ्रता से करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के कोर वर्क्स पर विशेष फोकस करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे राजस्व वसूली के कार्य में तेजी लाएं और शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य हासिल करें। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारत की जनगणना 2027 के लिए जिला योजना भवन में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह की उपस्थिति में शुरू हुआ है। यह प्रशिक्षण 30 मार्च तक चलेगा। इसका उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के कार्य को सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित रूप से संपन्न करने के लिए तैयार करना है। फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना के विभिन्न पहलुओं जैसे कि मकान सूचीकरण, मकानों की गणना, और डेटा संकलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इन फील्ड ट्रेनर्स का मुख्य दायित्व होगा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करें, जिससे जनगणना का कार्य जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से किया जा सके। उन्हें जनगणना के दौरान डेटा संग्रहण, प्रपत्र भरने की सही विधि, और मोबाइल ऐप के संचालन के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट बैठक में युवाओं के भविष्य को संवारने और उन्हें सुरक्षा सेवाओं में रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के 4000 युवक-युवतियों को सेना पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह आवासीय होगा जिसकी अवधि 40 दिन निर्धारित की गई है। सरकार ने प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को आर्थिक सहायता देने का भी प्रावधान किया है। पुरुष अभ्यर्थियों को 1000 रूपए प्रति माह तथा महिला अभ्यर्थियों को 1100 रूपए प्रति माह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

मछरिया में जन जागरूकता

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड में जल गंगा संवर्धन अभियान जल शक्ति से नव भक्ति जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत बढ़ार के पोषक ग्राम मछरिया में जल चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने जल का महत्त्व बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है जल जीवन का आधार है और इसके बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना असंभव है। यह पीने, भोजन पकाने कृषि और उद्योगों के लिए अनिवार्य है।

नवीन प्रवेश पर आवेदन आमंत्रित

मण्डला(स्वतंत्र मत) ।जिले के अंजनिया स्थित सांदीपनि विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नवीन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल एवं लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों के विरुद्ध विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। केजी-1 में 25 सीटें, केजी-2 में 2 सीटें, पहली कक्षा में 1 सीट, दूसरी में 7 सीटें, तीसरी में 7 सीटें, चौथी में 6 सीटें तथा पांचवीं कक्षा में 7 सीटें रिक्त हैं। केजी-1 के लिए न्यूनतम आयु 4 वर्ष तथा केजी-2 के लिए 5 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है।

सीएमएचओ कार्यालय से जांच के नाम पर चल रही खानापूर्ति झोलाछाप डॉक्टर कर रहे आमजन के जीवन से खिलवाड़

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। जिला मुख्यालय सहित छोटे बड़े हर एक गांव में डॉक्टर एक छोटे कमरे में अपनी सूझबूझ के साथ लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से लगे कई ऐसे गांव जहां कुछ ही कदम चलने पर कोई न कोई डॉक्टर दवा खाने पर रोगियों का इलाज करते नजर आ जायेगा। यह बात अलग है कि एक या दो डॉक्टर को छोडक़र बाकी किसी का न तो पंजीयन है और न ही कोई डिग्री व डिप्लोमा है। मेडिकल शैक्षणिक योग्यता का कोई भी प्रमाण नहीं है। बावजूद इसके जिला प्रशासन इस ओर किसी प्रकार से ध्यान नहीं दे रही है। झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीणों का ईलाज कर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। शासकीय अस्पतालों और निजी दवाखानों में भीड़ के कारण परेशानियों से बचने के लिये ग्रामीण अपने ही गांव में झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाने में मजबूर हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चारों ओर झोलाछाप गैर पंजीकृत डाक्टरों का जाल सा फैला हुआ है। इन डॉक्टरों में से कुछ डॉक्टर दसवीं तक उत्तीर्ण नहीं हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बेखौफ रोगियों का इलाज कर रहे हैं। इस समय झोलाछाप डॉक्टर इलाज में इंजेक्शन देकर ग्लूकोस की ड्रिप लगाते हैं और विभिन्न प्रकार की दवाईयां गांव में ही उपलब्ध करा देते हैं। उपलब्ध करायी गई दवाईयों के दाम 3 से 4 गुना तक वसूले जाते हैं मप्र उपचार ग्रह सोफ्चार पंजीयन 1973 के तहत प्रदेश में एलोपैथिक पद्वति भारतीय चिकित्सा पद्वति आयुर्वेद युनानी तथा होम्योपैथी को ही मान्यता है। इस पद्वति में पंजीकृत डॉक्टर को ही इलाज करने की पात्रता है समूचे ग्रामीण अंचलों में बगैर डिग्रीधारी फर्जी झोलाछाप डॉक्टर कुकुर मुत्ते की भांति बाढ़ सी आई हुई है। झोलाछाप डॉक्टर शासन द्वारा बनाये गये नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए जिले के स्वास्थ्य विभाग के शाखा प्रभारी से सांठगांठ कर क्षेत्र की भोलीभाली गरीब जनता को असामयिक काल के गाल में समाने भेज रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ झोलाछाप डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारियों से सांठगांठ कर लेते हैं जिसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है बल्कि एक गंभीर भ्रष्टाचार का मामला भी है जो सीधे तौर पर आम जनता के जीवन को खतरे में डाल रहा है झोलाछाप डॉक्टरों के इलाज से कई बार मरीजों की हालत और भी गंभीर हो जाती है। गलत दवाइयों, गलत इंजेक्शन और बिना जांच के किए गए इलाज के कारण कई मरीजों को जान गंवानी पड़ती है या वे स्थायी रूप से बीमार हो जाते हैं। लेकिन अधिकांश मामलों में ग्रामीण लोग कानूनी कार्यवाही नहीं करते, जिससे ऐसे डॉक्टरों के हौसले और बढ़ जाते हैं इस समस्या का समाधान केवल कार्रवाई से ही संभव नहीं है बल्कि इसके लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना होगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त डॉक्टर, दवाइयां और उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। साथ ही डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जानी चाहिए दूसरे ग्रामीणों को जागरूक करना भी अत्यंत आवश्यक है उन्हें यह समझाना होगा कि बिना डिग्री और पंजीयन वाले डॉक्टरों से इलाज कराना कितना खतरनाक हो सकता है इसके लिए जनजागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए सूत्रों की मानें तो अवैध रूप से प्रैक्टिस करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य विभाग मप्र शासन द्वारा वर्ष 2008 से लगातार सभी जिले के अधिकारियों को निर्देशित करता रहा है लेकिन पैसों के दबाव के कारण ये अधिकारी बौना साबित हो रहे हैं। नियमों को ताक में रखकर शासन के साथ आंख मिचौली का खेल खेल रहे हैं। झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही न होने के कारण मप्र शासन के स्वास्थ्य आयुक्त ने सभी जिलों के कलेक्टर पुलिस अधीक्षक व स्वास्थ्य विभाग जिला अधिकारी को पत्र लिखकर फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सीधे कार्यवाही करने का आदेश पारित किए गए थे। जिनकी प्रतियां समस्त विभागों को भेजने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही अब तक नहीं की जा सकी है जो सोचनीय विषय है।

महावीर जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)

महावीर जयंती के पावन अवसर पर जैन समाज द्वारा दो दिवसीय भव्य धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन किए जा रहे हैं अहिंसा सत्य और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में श्रृद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है रविवार को कार्यक्रम की शुरुआत दिगंबर जैन मंदिर पड़ाव से सुबह लगभग 10 बजे भव्य वाहन रैली के साथ हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई महाराजपुर पहुंची जहां यह एक आकर्षक शोभायात्रा में परिवर्तित हो गई शोभायात्रा में भगवान महावीर स्वामी के जीवन और उपदेशों को दर्शाते हुए झांकियां सजाई गईं साथ ही श्रृद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे मार्ग में श्रृद्धालुओं ने जगह-जगह रैली का स्वागत किया। वातावरण अहिंसा परमो धर्म: के जयघोषों से गूंज उठा। इस दौरान समाज के सभी वर्गों युवाओं महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिससे आयोजन में विशेष उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान प्रवचन और सामाजिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। आयोजकों के अनुसार सोमवार को भी कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी। दिगंबर जैन मंदिर से एक और भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो नगर का भ्रमण करेगी जैन समाज ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान महावीर के संदेशों अहिंसा, अपरिग्रह और सत्य को अपनाने की अपील की है।

सीएनसीपी बालकों की कार्यशाला आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बाल कल्याण समिति महिला एवं बाल विकास तथा आदर्श बाल गृह बालक ने जिले में जोखिम ग्रस्त और हाशिए में रह रहे बालकों के चिन्हांकन और उनके संस्थागत पुर्नवास के लिए अभिनव पहल की है जोखिम ग्रस्त और हाशिए में रह रहे बालकों के चिन्हांकन के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन का पूल तैयार किया जा रहा है। इसके लिए जिले में बाल संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला बाल विकास विभाग में इम्पैनल सपोर्ट पर्सन को चिन्हित किया गया है। इनके क्षमतावर्धन के लिए जिले में समयबद्ध तरीके से कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। सरदार पटेल वार्ड आदर्श बाल गृह बालक में 30 मार्च को अपरान्ह 12.30 बजे से आयोजित इस कार्यशाला में जिले में बाल संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं सामाजिक कार्यकर्ता और महिला बाल विकास विभाग में इम्पैनल सपोर्ट पर्सन सहभागिता करेंगे। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य जिले में 18 वर्ष की आयु तक के ऐसे बच्चे जिन्हें संस्थागत देखरेख की आवश्यकता है का चिन्हांकन कर बाल देखरेख संस्था में प्रवेश दिलाना है।

युवक का शव मिलने से सनसनी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के उपनगर महाराजपुर में उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेल मैदान में बरामद हुआ। मृतक के चेहरे और गर्दन पर चोट के निशान पाए गए हैं जबकि घटना स्थल से कुछ दूरी पर उसकी चप्पल भी मिली है जिससे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है। मृतक की पहचान ग्राम केहरपुर निवासी 35 वर्षीय प्रभु मरावी के रूप में हुई है जो मजदूरी का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना प्रभारी डॉ. जयसिंह यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी रजत सकलेचा और एसडीओपी पीयूष मिश्रा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक की मां सुखवती मरावी के अनुसार प्रभु शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था और जल्द लौटने की बात कहकर गया था लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया पारिवारिक जानकारी के मुताबिक प्रभु की पत्नी पिछले दो वर्षों से मायके में रह रही है जबकि उसके 11 वर्षीय बेटे और 9 वर्षीय बेटी की जिम्मेदारी मां के साथ ही है। शव वन परिक्षेत्र कार्यालय के सामने स्थित खाली मैदान में मिला है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

दिव्यांग स्कूल में जागरूकता शिविर आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल के संयुक्त तत्वावधान में विवेक तन्खा मेमोरियल दिव्यांग स्कूल में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मजिस्ट्रेट तपन धारगा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मजिस्ट्रेट तपन धारगा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांग बच्चों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाती है। योजनाओं के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को विधिक परामर्श प्रतिनिधित्व एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने बताया कि पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने जिले के न्यायालय परिसर में संपर्क कर सकते हैं। ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल की प्रदेश अध्यक्ष एवं पैरालीगल वालेंटियरश्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि शासन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से अद्वितीय दिव्यांग पहचान-पत्र, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं समावेशी शिक्षा अधिनियम समग्र शिक्षा, राष्ट्रीय ट्रस्ट की निश्चय एवं वात्सल्य योजनाएं तथा मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय सहायता योजनाएं उपकरण, यात्रा रियायत, पेंशन शामिल हैं। एडवोकेट प्रज्ञा झा ने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ आंगनवाड़ी स्कूल अथवा डीएलएसए के जरिए आवेदन किया जा सकता है। इस जागरूकता शिविर में सदस्य ममता चौरसिया, रागिनी तिवारी, मनीषा ठाकुर, विमलेश यादव,सुधा गौतम अनीता पांडे, सरोज सोनी, शिखा सोनी, अनुपमा चौरसिया, आकांक्षा साहू, याशना ताराम, साक्षी दुबे, विद्यालय के शिक्षकगण छात्र-छात्राएं अभिभावक एवं संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

श्रीराम जन्मोत्सव पर महाप्रसाद का वितरण

मण्डला(स्वतंत्रमत)

श्रीराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर ग्राम पिंडरई में एक भव्य महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन मध्यांचल न्यूज मध्यप्रदेश पिंडरई एवं निवा मोबाइल हब एंड ऑनलाइन के तत्वा धान में सम्पन्न हुआ जिसमें ग्रामवासियों का उत्साह और सहयोग देखने लायक रहा कार्यक्रम में ग्राम के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। विशेष रूप से पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ मुस्लिम भाईयों की सहभागिता ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान पत्रकार निशांत वैष्णव एवं संपादक शिवम् कटारे निवा मोबाइल हब के संचालक अनुभव पाण्डेय मां आदिशक्ति दुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष उदय यादव शशि गुप्ता गणेश दास गोटू करेंद्र झारिया युवा साथी हुमेश प्रताप सिंह राजपूत दीपांशु सेन नैतिक राजपूत कुलदीप श्रीवास साहिल अशरफी सहित श्रृद्धालु उपस्तिथ रहे।

विद्युत केंद्र की लापरवाही से जनता बेहाल

मण्डला/बम्हनी (स्वतंत्रमत)

महाराजपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला बम्हनी विद्युत वितरण केंद्र इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। जैसे-जैसे गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है, वैसे-वैसे बिजली की अनियमित आपूर्ति ने आम जनता की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बम्हनी सब स्टेशन से हर 10-15 मिनट में बिजली कटौती की जा रही है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां लोगों को राहत की जरूरत है। वहीं लगातार हो रही बिजली की आवाजाही ने हालात और भी खराब कर दिए हैं। घरों में पंखे, कूलर और अन्य जरूरी उपकरण बंद होने से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को खासतौर पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक ओर सरकार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर रही है वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग की लापरवाही के कारण उन्हें पर्याप्त सेवा नहीं मिल पा रही लोगों ने आरोप लगाया है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। फिलहाल भीषण गर्मी के बीच बम्हनी क्षेत्र की जनता बिजली व्यवस्था में सुधार की उम्मीद लगाए बैठी है।

जल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)

जिले के विकासखंड मवई अंतर्गत ग्राम पंचायत खलौड़ी की पोषक ग्राम किकरामाल में इन दिनों भीषण जल संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन नल-जल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं बताया जा रहा है कि गांव में नल-जल योजना पूरी तरह से बंद पड़ी हुई है। गर्मी की शुरुआत होते ही हालात और बिगड़ गए हैं जिसके चलते ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है स्थिति यह है कि बिजली बिल का भुगतान नहीं होने के कारण विद्युत विभाग द्वारा योजना की बिजली आपूर्ति काट दी गई है। इसके चलते पानी सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है और गांव के लोग गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग निस्तार के लिए भी पानी की भारी किल्लत बनी हुई है गांव के लोगों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द पानी की समुचित व्यवस्था कराई जाए ताकि उन्हें इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

जल संवर्धन अभियान पर रैली

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, प्रमुख सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान जल है तो कल है, पानी बचाओ, जीवन बचाओ जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है इसलिए हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पानी की एक-एक बूंद का संरक्षण करें इस अवसर पर परामर्शदाता संतोष कुमार रजक ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

स्वयंसेवकों ने दी नशा मुक्ति की जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम बिनैका में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन चौपाल पर जन-जागरूकता का संचार किया गया। शिविर के दौरान छात्रों ने चौपाल पर एकत्र ग्रामीणों के समक्ष प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। अभिनय के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को हानि पहुँचाता है बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और मानसिक शांति को भी पूरी तरह नष्ट कर देता है। तकनीक के दौर में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से बचने के व्यावहारिक तरीके ग्रामीणों को समझाए गए यह आयोजन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कल्पना नामदेव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएस प्रभारी प्रवीण अग्रवाल ने मार्मिक बात कही नशा वह दीमक है जो हँसते-खेलते परिवारों को अंदर से खोखला कर उनके विघटन का कारण बनता है।

संपादकीय

ऊर्जा-संकट की आहट

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का मानना है कि ईरान युद्ध के कारण विश्व खतरनाक ऊर्जा-संकट की दहलीज पर है। युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से तेल-गैस ठिकानों को इतना तबाह, बर्बाद किया गया है कि उनकी भरपाई में सालों का वक्त लगेगा। ऊर्जा-संकट के साथ खाद्य-संकट भी जुड़ा है। इस समय करीब 32 करोड़ लोग दुनिया में खाद्य-सुरक्षा के लिए जूझ रहे हैं। इसी दौरान 'मूडीज' जैसी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी का आकलन सामने आया है कि वैश्विक आर्थिक मंदी के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं।

जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर ईरान पर हमलों की शुरुआत की थी, उसी देश में, 12 माह की अवधि में, करीब 49 फीसदी आर्थिक मंदी की संभावनाएं हैं। अमरीका की जीडीपी 2934 लाख करोड़ रुपए (करीब 30.6 ट्रिलियन डॉलर) की है, जबकि कर्ज 3640 लाख करोड़ रुपए (करीब 39 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है। अमरीका में पेट्रोल-डीजल के दाम भी 17-20 फीसदी तक बढ़ गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-गैस का उत्पादक देश है। नतीजतन अब अमरीका की जनता और विपक्ष राष्ट्रपति ट्रंप से सवाल करने लगे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध क्यों छेड़ा गया? यह सरासर अवैध, अनैतिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ यौद्धिक कार्रवाई है। 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी' की एक रपट के मुताबिक, इस साल के अंत तक वैश्विक आर्थिक विकास दर में 0.7 फीसदी की कमी हो सकती है। यह अरबों रुपए की राशि बनती है। कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि ईरान युद्ध लंबा चला, तो 1929 वाली महामंदी का दौर भी आ सकता है।

यदि कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत में भी महंगाई दर 5-6 फीसदी तक बढ़ सकती है। यदि ईरान के दावों के मुताबिक, कच्चा तेल 200 डॉलर तक उछलता है, तो भारत में महंगाई दर 7-8 फीसदी तक पहुंच सकती है। फिलहाल महंगाई दर 3 फीसदी से कुछ अधिक है। वैसे भारत 12-14 फीसदी तक की मुद्रास्फीति झेल चुका है। भारत की जीडीपी भी 1-2 फीसदी कम हो सकती है, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था 'क्रैश' होने की स्थिति में नहीं है और न ही मंदी के पुख्ता आसार हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि युद्ध के बाद भी भारत की विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जो विश्व में सर्वाधिक होगी। यदि विकास दर 7 फीसदी से अधिक से लुढक़ कर 3 फीसदी पर आती है, तो हमें आर्थिक मंदी की चिंता करनी होगी। अर्थशास्त्री भारत सरकार से यह आग्रह भी कर रहे हैं कि सरकार तेल से करीब 7 लाख करोड़ रुपए सालाना कमाती है। ईरान युद्ध हमारे लिए एक 'झटका' है, फिलहाल 'संकट' की स्थिति नहीं है। झटके के असर को कम करने के लिए सरकार तेल की कमाई में से कुछ खर्च कर उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है। अभी हमें प्रतीक्षा करनी होगी कि युद्ध के बाद कच्चे तेल के दाम कहां स्थिर होते हैं- 80 या 90 डॉलर प्रति बैरल! उसके मुताबिक ही नई नीतियां बनानी होंगी। फिलहाल डॉलर के मुकाबले हमारी मुद्रा 'रुपया' सार्वकालिक निचले स्तर पर है। यह भी हमारी अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार, अंतरराष्ट्रीय खरीद और भुगतान आदि को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। ईरान ने अभी तक 9 देशों के 39 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए हैं, नतीजतन तेल-गैस की आपूर्ति बाधित है, क्योंकि उन्होंने या तो उत्पादन बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम कर दिए हैं।

वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

योगेश कुमार गोयल
(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

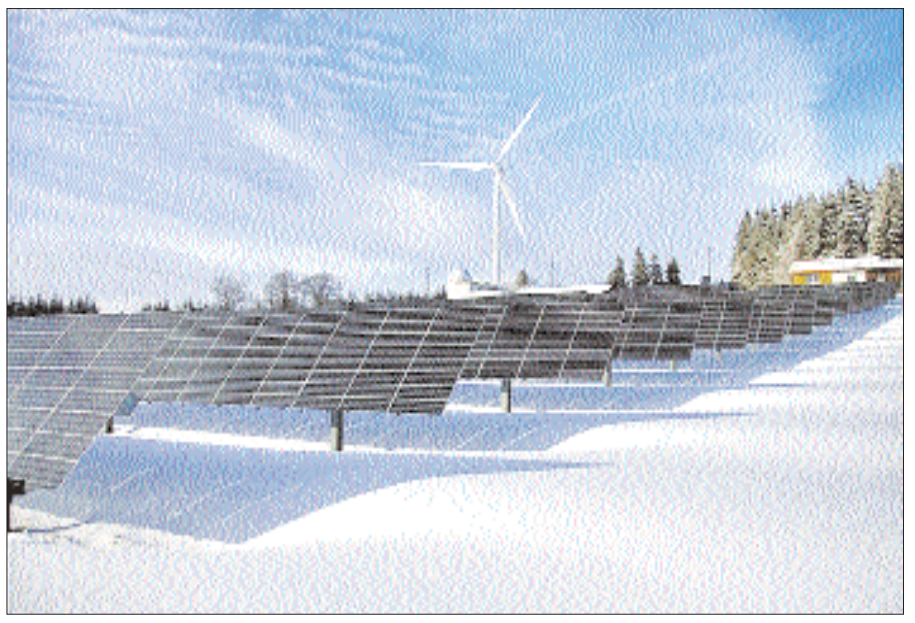

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा।

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

कुप्रबंधन बिजली कंपनियों का गाज गिर रही बिजली उपभोक्ताओं पर

चैतन्य भट्ट

कुकिंग गैस की किल्लत झेल रहे लोगों के बिजली से चलने वाले इंडक्शन कुकर उपयोग करने के इरादों को भी झटका लगा है। प्रदेश में विद्युत वितरण कंपनियों के 10.19 ब्र टैरिफ वृद्धि के प्रस्ताव पर नियामक आयोग द्वारा 4.80 % की बढ़ोतरी को मंजूरी दिए जाने से घरेलू, औद्योगिक और कृषि सहित सभी श्रेणियों के लिए बिजली महंगी हो रही है। 150 यूनिट तक की खपत पर दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी अभी जारी रहेगी।

स्मार्ट मीटरिंग से टाइम आफ डे टैरिफ भी अस्तित्व में आ गया है। विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा खरीदी जाने वाली बिजली के लिए एकीकृत इनर्जी एक्सचेंज व्यवस्था है। इस एक्सचेंज पर बिजली की दरें मांग और सप्लाई के आधार पर बदलती रहती हैं। पहले खरीदी गई बिजली की औसत दर के हिसाब से बिक्री दरें निर्धारित होती थीं। स्मार्ट मीटरिंग से संभव हो गया है कि उपभोक्ताओं से उपयोग के समय एक्सचेंज पर लागू दर के ही हिसाब से कीमत वसूली जा सके। एक तरह से यह व्यवस्था उपभोक्ताओं के हित में है जो अपनी आवश्यकता को उस समय लागू दरों से नियंत्रित कर सकते हैं। कंपनियां भी उपभोक्ताओं को इसका लाभ दे सकती हैं जैसे नई टैरिफ व्यवस्था में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के लिए सुबह 9 से शाम 5 के बीच बिजली उपयोग पर 20ब्र की छूट मिलेगी जबकि शाम 6 से रात 10 बजे के बीच अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

लेकिन बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर गंभीर सवाल भी उठते हैं। बिजली कंपनियों में वित्तीय कुप्रबंधन चरम पर है।? 4200 से अधिक के संचित घाटे ने वितरण कंपनियों की आर्थिक हालत खराब कर रखी है। कंपनियों के अनुसार पिछले सालों में उनके 3,451 करोड़ रुपए के बढ़ोतरी प्रस्तावों को आयोग द्वारा मंजूर नहीं किए जाने से स्थिति और बिगड़ी है। बिजली खरीदी पर लगभग 300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च हुआ है। पिछले साल केंद्र ने विद्युत उत्पादन में लगने वाले कोयले पर 400 रुपए प्रति टन जीएसटी सेस हटा दिया था। एक्सपर्ट्स के अनुसार इससे प्रति यूनिट होने वाली 17 से 18 पैसे की कमी का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रहा है। स्मार्ट मीटर लगाते समय दावा था कि इनका खर्च उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा। स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी रुकेगी, लाइन लॉस कम होगा और बचत से ही इनकी लागत निकल जाएगी। यह सारे दावे हवा हो गए हैं। अब स्मार्ट मीटर लगाने पर हुआ 820 करोड़ खर्च कंपनियां उपभोक्ताओं से वसूलना चाहती हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने फैसला लिया था कि 31 अगस्त 2023 तक के घरेलू उपभोक्ताओं के बढ़े हुए बिजली बिल बकाया की लगभग 4800 करोड़ की वसूली रुकवा दी जाए। वादा था कि इसकी भरपाई सरकार खुद करेगी यानी वितरण कंपनियों को सरकार से पैसे मिलेंगे जो अभी तक नहीं मिले।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर कह चुके हैं कि सरकार का पूरा प्रयास है कि उपभोक्ताओं पर बिजली दरों में बढ़ोतरी का अतिरिक्त बोझ न पड़े। उन्होंने यह भी दावा किया था कि 2028 तक प्रदेश की बिजली कंपनियां घाटे से उबर कर आर्थिक रूप से मजबूत हो जाएंगी। बिजली को और सस्ता कैसे किया जाएगा सवाल पर मंत्री जी का कहना था, प्रदेश के कुल 1 करोड़ 35 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से करीब एक करोड़ उपभोक्ता अटल गृह ज्योति योजना के तहत सिर्फ 100 रुपए में बिजली पा रहे हैं। ऐसे में बिजली को और सस्ता कैसे किया जा सकता है ? स्पष्ट है, बिजली क्षेत्र में निर्णयों को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त कर पेशेवर और स्वतंत्र रूप से कार्य करने का उद्देश्य सरकारी प्राथमिकता नहीं है।

2003 से लागू विद्युत सुधारों के उद्देश्यों में बिजली दरों को युक्तिसंगत बनाने, बिजली बोर्डों के खराब वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने , राजनीतिकरण खत्म करने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा प्रमुख थे। ढाई दशकों के बावजूद यह उद्देश्य विशेषत: उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा अधूरे ही हैं। दर निर्धारण को लेकर मनमानी जहां की तहां है। अनुभवी नियमित कर्मचारियों की कमी के चलते मैदानी व्यवस्था संविदा और ठेका कर्मियों पर निर्भर है। फलस्वरूप शिकायत निवारण और बेहतर गुणवत्ता की उपभोक्ता सेवा सपना बन कर रह गई है। जरा से हवा पानी में सप्लाई घंटों बाधित रहती है। करोड़ों की केंद्रीय सहायता के बावजूद वितरण कंपनियां आर्थिक रूप से बदहाल हैं। नियामक आयोग के सरकारी नियंत्रण से निकल कर स्वतंत्र रूप से कार्य करने का ध्येय किताबी साबित हो रहा है। मूल अवधारणा के अनुसार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन में निष्पक्षता और तकनीकी विशेषज्ञता महत्वपूर्ण थी।

मगर शुरुआती दौर में अध्यक्ष के रूप में निवृतमान हाईकोर्ट जज का चयन अपवाद बन कर रह गया। उसके बाद यह पद शीर्ष स्तर के सेवा निवृत्त अफसरों के पुनर्वास का माध्यम बन कर रह गया है। पूरा जीवन सरकारी सेवा में गुजारने वाले से सरकार और सरकारी कंपनी के विपरीत उपभोक्ता के हक में निर्णय लेने की प्रत्याशा मृग मरीचिका ही है। विद्युत वितरण व्यवस्था अभी भी पेशेवर नहीं बल्कि राजनीतिक नफे नुकसान और मुफ्त रेवड़ियों पर निर्धारित होती है। इस कुप्रबंधन की पूरी सजा सब्सिडी विहीन उपभोक्ता और प्रदेश का आर्थिक विकास झेल रहा है। जाहिर है, उपभोक्ताओं की इन श्रेणियों के लिए आने वाला समय और भी कठिन साबित होने वाला है।

प्रशासनजी का हरकत में आना

संतोष उत्सुक

व्यंग्य

प्रशासन हरकत में आ गया है । प्रशासन हरकत में आ जाए और कुछ ठोस न हो, ऐसा नहीं हो सकता। प्रशासन सचमुच हरकत में आ जाए तो बड़े बड़े हलकट भी हिल जाया करते हैं। हवा और पानी की बातें जब ठोस रूप लेने लगें तो नींद भी खुद ब खुद खुलने लगती है। प्रशासन एक बार हरकत में आ जाए, तो सबसे पहले लोकतान्त्रिक परम्परा के अनुसार, कड़क नियमों की परिधि में, अनुशासित नियम और शर्तों के विशेषज्ञों की कमेटी का गठन कर देता है। अच्छी तरह से गठित कमेटी बहुत ज़्यादा सख्ती से घटनाओं का निरीक्षण करती है। प्रकाशित रिपोर्टों में छपे तथ्यों को चश्मा लगाकर गंभीरता से बार बार देखती है। अब उजागर की गई, पहले भुला दी गई समस्याओं को विस्तार से पढ़ती है। प्रशासन के हरकत में आने की सभी प्रशंसा करते हैं सिवाए प्रशासन के । प्रशासन ऐसे ही हरकत में नहीं आता है। यह एक ऐतिहासिक घटना होती है। प्रशासन द्वारा संजीदा कमेटी का गठन करना भी एक ठोस घटना मानी जाती है । बहुस्तरीय तरह की, बड़े आधार वाली कमेटी एक दम से गठित नहीं हो जाया करती । क्षेत्र के कर्मठ, ईमानदार, पारदर्शी, अनुशासित, मेहनती, उच्चस्तरीय, महंगी मनपसंद कुर्सी पर बैठकर उत्तरदायित्व निभाने वाले अधिकारी, शुद्ध विवेक से हरकत में आने का निर्णय लेते हैं तब कहीं जाकर कमेटी गठित की जाती है। कमेटी में हर किसी, छोटे मोटे व्यक्ति को शामिल नहीं किया जा सकता क्यूंकि यह एक पवित्र कार्य की तरह होता है। कमेटी ने ज़िम्मेदारी में गहरे डूबकर कार्य करना होता है इसलिए अतिनिष्ठा से कार्य करने वाले गोताखोर किस्म के चुनिंदा लोग शामिल किए जाते हैं। यही लोग तो ज़मीनी हकीकत को, जांच में शामिल करवा सकते हैं। क्षेत्र वासियों, हवा, पानी बारे महत्त्वपूर्ण राय दे सकते हैं । स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए, सभी के लिए भरपूर नींद लेना ज़रूरी बताया गया है। प्रशासन आम तौर पर इस नियम को ईमानदारी से फॉलो करता रहता है। प्रशासन के चारित्रिक गुण जैसे आम तौर पर उदास, निष्क्रिय रहना, सर्दी के मौसम में आंख मीच कर धूप सेंकना, इसमें काफी हाथ बंटाते हैं। प्रशासन को जगाने में बरसात जैसी कुदरती आपदा बेहद सक्रिय भूमिका अदा कर सकती है। निडर पत्रकारों के कारण भी कभी कभार ऐसा होता है, जो आंखे खोलकर सार्वजनिक मुद्दों के पीछे पड़े रहते हैं और तब तक प्रशासन को जगाए रखते हैं जब तक प्रशासन द्वारा हरकत में आकर उच्च स्तरीय कमेटी गठन की घोषणा नहीं होती। वह बात अलग है कि नई बनी कमेटी कब और कितना सोती है।

प्रशासन को शिकायत बिलकुल पसंद नहीं होती । जो लोग बार बार शिकायत करते हैं, ज्ञापन देते हैं, सोशल मीडिया को शिकायत मंच बनाते हैं उन्हें प्रशासन पसंद नहीं करता। शिकायत से पहले तो कार्रवाई का सवाल पैदा नहीं होता । शिकायत के बाद प्रशासन नए अंदाज़ में पसर जाया करता है। आम लोग नहीं जानते कि शिकायत का निबटारा करना प्रशासन को बखूबी आता है। प्रशासन और उसके किसी भी विभाग द्वारा की गई, जांच में जारी की गई क्लीन चिट को, कोई नादान मैला करने की कोशिश करे या पुन जांच की मांग करे तो भी प्रशासन को अच्छा नहीं लगता । इस तरह उसका, वास्तव में हरकत में आना असंभव सा हो जाता है और परेशानी आम लोगों को ही होती है।

हरकत में आया प्रशासन ज़िम्मेदारी भरा बयान जारी करता है कि तथ्यों की पुष्टि की जाएगी, हर हालत में, समस्या की जड़ तक पहुंचा जाएगा। सार्वजनिक मसलों का हल ढूंढना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल कर लिया गया है। प्रशासन जब हरकत में आ जाता है तो दिल करता है, प्रशासन की जगह प्रशासनजी कहना शुरू कर दूं । अब प्रशासनजी हरकत में आ गए हैं तो लगता है कुछ ठोस होने वाला है।

ईरान के लिए दिन-रात आंसू बहाने वाले कश्मीरी नेताओं ने कभी पंडितों के साथ क्यों नहीं दिखाई हमदर्दी ?

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

मीरवाइज उमर फारूक ने नयी दिल्ली में ईरान के राजदूत से मुलाकात कर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया और ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की। लेकिन सवाल यह है कि जब कश्मीरी पंडितों को घाटी से मार कर भगाया जा रहा था तब यह संवेदना कहां थी? तब अमन का पैगाम लेकर ये नेता सामने क्यों नहीं आए थे? क्या उस दौर में इंसानियत की जरूरत नहीं थी? क्या तब किसी प्रतिनिधिमंडल को कश्मीरी पंडितों के घरों तक जाने की फुर्सत नहीं मिली थी? सवाल उठता है कि क्यों आज अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर इतनी सक्रियता दिखती है, लेकिन अपने ही समाज के जख्मों पर सन्नाटा छा जाता है? क्या यह चयनात्मक संवेदनशीलता नहीं है? क्या एक धर्म विशेष के लिए ही एकजुटता दिखाना अब राजनीति का हिस्सा बन गया है?

अगर मीरवाइज सच में अमन के दूत हैं, तो अपने दिल्ली दौरे के दौरान वह कश्मीरी पंडितों की कॉलोनियों में जाकर उनसे क्यों नहीं मिले? अगर मीरवाइज सच में अमन के दूत हैं तो क्या कश्मीरी पंडितों से मिलकर उनसे वापस अपने घर लौटने का आग्रह नहीं करना चाहिए था? देखा जाये तो कश्मीर में ईरान के समर्थन में प्रदर्शन होते हैं, दान अभियान चलते हैं, बड़े नेता दूतावास पहुंचते हैं, लेकिन क्या कभी कश्मीरी पंडितों के लिए ऐसा कोई व्यापक अभियान चला? क्या उनके दर्द को उसी गंभीरता से लिया गया? सवाल उठता है कि आखिर यह दोहरा मापदंड क्यों है? क्यों एक समुदाय के मुद्दे पर भावनाएं उमड़ती हैं और दूसरे पर खामोशी छा जाती है? क्या संवेदनाएं भी चयनात्मक हो गई हैं?

जहां तक मीरवाइज के दिल्ली दौरे की बात है तो आपको बता दें कि

श्रीनगर से कश्मीर के कई धार्मिक संगठनों का एक प्रतिनिधिमंडल नयी दिल्ली पहुंचा और ईरान के राजदूत से मुलाकात कर वहां के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मीरवाइज उमर फारूक कर रहे थे। उन्होंने न केवल संवेदना व्यक्त की, बल्कि ईरान के लोगों के साथ एकजुटता भी दिखाई। प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका और इजराइल पर आरोप लगाते हुए युद्ध की निंदा की और शांति बहाल होने की उम्मीद जताई।

असली सवाल यहीं से शुरू होता है। क्या यह वही कश्मीर नहीं है जहां कभी हजारों कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़ कर भागना पड़ा था। क्या यह वही घाटी नहीं है जहां उनके कत्लेआम की खबरें आई थीं। तब यह धार्मिक संगठन, यह मौलाना, यह नेता कहां थे। तब अमन का संदेश क्यों नहीं दिया गया। तब किसी प्रतिनिधिमंडल ने पंडितों के आंसू पोंछने की कोशिश क्यों नहीं की?

मीरवाइज उमर फारूक और उनके साथियों ने ईरान के साथ गहरे सांस्कृतिक और धार्मिक रिश्तों की बात कही। उन्होंने कश्मीर को ईरान ए सगीर तक बताया। यह बयान बताता है कि उनकी सोच किस दिशा में झुकी हुई है। लेकिन क्या उन्हें यह याद नहीं कि कश्मीर की पहचान केवल किसी एक धर्म से नहीं, बल्कि उसकी विविधता से रही है। कश्मीरी पंडित उस पहचान का अभिन्न हिस्सा थे और हैं।

दिल्ली में ईरानी राजदूत से मिलना, संवेदना जताना, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बयान देना आसान है। लेकिन क्या कभी इन नेताओं ने दिल्ली या देश के अन्य हिस्सों में बसे कश्मीरी पंडितों की कॉलोनियों में जाकर उनसे मुलाकात की। क्या उन्होंने कभी उन्हें वापस घाटी आने का भरोसा दिलाया। अगर मीरवाइज सच में अमन का पैगाम देना चाहते, तो उन्हें सबसे पहले अपने घर के जख्म भरने चाहिए थे।

यह भी गौर करने वाली बात है कि कश्मीर में खामेनेई की मौत के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, दान अभियान चलाए गए, लोगों ने पैसा, सोना, यहां तक कि मवेशी तक दान दिए। राजनीतिक नेताओं ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला जैसे बड़े नाम ईरानी दूतावास पहुंचे और अपनी संवेदना दर्ज कराई। यह सक्रियता बताती है कि एक खास मुद्दे पर कितनी तेजी से लामबंदी हो सकती है।

लेकिन यही सक्रियता कश्मीरी पंडितों के मामले में क्यों नहीं दिखी? क्यों उनके दर्द को नजरअंदाज किया गया? क्यों उनके लिए कोई बड़े स्तर का अभियान नहीं चला, यही वह सवाल है जो आज कश्मीर के नेतृत्व की नीयत और प्राथमिकताओं पर गहरे संदेह खड़े करता है।

सच यह है कि अमन का पैगाम चयनात्मक नहीं हो सकता। अगर आप सच में शांति चाहते हैं, तो आपको हर पीड़ित के साथ खड़ा होना होगा, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। केवल एक धर्म विशेष के साथ एकजुटता दिखाना और दूसरे की पीड़ा को अनदेखा करना न तो नैतिक है और न ही स्वीकार्य।

आज जरूरत है कि कश्मीर के नेता आत्ममंथन करें। उन्हें यह समझना होगा कि असली परीक्षा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने में नहीं, बल्कि अपने ही समाज के घावों को भरने में है। जब तक कश्मीरी पंडितों की वापसी, उनकी सुरक्षा और उनके सम्मान की गारंटी नहीं होगी, तब तक अमन का हर दावा खोखला ही रहेगा।

होर्मुज स्ट्रेट में क्यों भारी पड़ रहा ईरान? आखिर कैसे अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को दे रहा है चकमा

नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट पिछले चार हफ्तों से लगभग ठप पड़ा है और इस वजह से वैश्विक तेल बाजारों में हाहाकार मचा हुआ है। दुनिया का लगभग 20% कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और खेती के लिए जरूरी उर्वरक इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरते हैं। ईरान की धमकियों और जहाजों पर बढ़ते हमलों ने इस व्यापारिक मार्ग को इतना जोखिम भरा बना दिया है कि अब यहां से ट्रैफिक न के बराबर रह गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप एक तरफ कूटनीतिक रास्तों से इस नाकेबंदी को खत्म करने का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ मिडिल ईस्ट में हजारों अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती और नौसेना के जरिए टैंकरों को सुरक्षा देने की तैयारी भी चल रही है। हालांकि, तमाम सैन्य दबाव के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि इस इलाके में फिलहाल ईरान का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। ईरान की सबसे बड़ी ताकत उसकी लंबी तटरेखा और वहां की भौगोलिक बनावट है। ईरान का कोस्टलाइन सैन्य ठिकानों से भरा पड़ा है, जिसका सीधा मतलब यह है कि वह खाड़ी के भीतर बहुत दूर तक मौजूद किसी भी टैंकर को आसानी से अपना निशाना बना सकता है। यहां की पहाड़ियां, तंग घाटियां और छोटे द्वीप एंटी-शिप मिसाइल लॉन्चर्स को छिपाने के लिए बेहतरीन जगह मुहैया कराते हैं। इन्हीं भौगोलिक फायदों के कारण अमेरिका या किसी भी अन्य देश के लिए इन मिसाइल बैटरियों को ढूंढकर तबाह करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। ये मोबाइल लॉन्चर्स एक जगह से दूसरी जगह आसानी से ले जाए जा सकते हैं, जिससे दुश्मन के रडार और सैटेलाइट्स को चकमा देना आसान हो जाता है।

ईरान केवल सीधी जंग पर भरोसा नहीं करता, बल्कि उसकी असली ताकत उसकी अनकन्वेंशनल वारफेयर यानी अपरंपरागत

युद्ध रणनीति में है। इसमें सबसे ऊपर आते हैं शाहिद जैसे अटैक ड्रोन्स । ये ड्रोन बनाने में बेहद सस्ते हैं और इन्हें भारी संख्या में लॉन्च किया जा सकता है। हैरत कि बात यह है कि ईरान के इन सस्ते ड्रोन्स को गिराने के लिए अमेरिका को जो मिसाइलें दागनी पड़ती हैं, उनकी कीमत करोड़ों में होती है। इसके अलावा, ईरान समुद्री सुरंगों का व्यापक जाल बिछाने में सक्षम है। छोटी नावों के जरिए गुपचुप तरीके से बिछाई गई इन सुरंगों का पता लगाना और उन्हें हटाना किसी भी आधुनिक नौसेना के लिए सिरदर्द साबित होता है। इसके साथ ही, ईरान के पास मिजेट सबमरीन्स (छोटी पनडुब्बियां) और विस्फोटक ड्रोन बोट्स का जखीरा है, जो विशालकाय टैंकरों को पल भर में तबाह कर सकते हैं।

अमेरिका इस संकट से निपटने के लिए एक बहुस्तरीय सुरक्षा चक्र तैयार करने की सोच रहा है। इसमें सैटेलाइट निगरानी, युद्धपोतों के जरिए सुरक्षा और टैंकरों के आगे गश्त करने वाले विमान शामिल हैं। टारगेट यह है कि कमर्शियल जहाजों को एक सुरक्षित गलियारा दिया जा सके ताकि वैश्विक सप्लाई चेन दोबारा शुरू हो सके।

लेकिन जानकारों का मानना है कि ईरान की मल्टी-लेयर्ड ऑफेंसिव स्ट्रेटजी को भेदना इतना आसान नहीं है। इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के मुताबिक, तनाव शुरू होने के बाद से ईरान कम से कम 19 जहाजों पर हमला कर चुका है। दिलचस्प बात यह है कि ईरान ने चुनिंदा देशों जैसे चीन, भारत और पाकिस्तान से जुड़े जहाजों को सुरक्षित निकलने दिया है, जिससे यह साफ होता है कि वह अपनी सैन्य ताकत के साथ-साथ कूटनीतिक कार्ड भी बहुत सोच-समझकर खेल रहा है।

भाजपा सरकार बनी तो 5 साल में हर घुसपैठिया होगा बाहर : अमित शाह

सोनितपुर

गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सोनितपुर जिले की ढेकियाजुली विधानसभा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने असम की सुरक्षा, रोजगार और विकास को मुख्य मुद्दा बनाया। शाह ने जनता से अपील की कि वे केवल मुख्यमंत्री या मंत्री चुनने के लिए नहीं, बल्कि असम को घुसपैठियों से पूरी तरह मुक्त करने के लिए वोट दें। अमित शाह ने स्वीकार किया कि हालांकि पिछले दस वर्षों में नई घुसपैठ को रोकने में सफलता मिली है, लेकिन अभी भी कई अवैध लोग राज्य में मौजूद हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है, तो अगले पांच वर्षों में हर घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें बाहर निकाला जाएगा। शाह ने कहा कि ये घुसपैठिए असम के युवाओं के रोजगार और संसाधनों पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम ने केवल बम धमाके और हिंसा देखी थी। इसके विपरीत, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने असम को आतंकवाद से मुक्त किया है और लगभग 10,000 युवाओं को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने में मदद की है। आज का असम शांति और बड़ी इंडस्ट्रीज की ओर बढ़ रहा है। शाह ने देश की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के समय पाकिस्तान से आतंकी आकर धमाके करते थे, लेकिन अब मोदी सरकार है।

भाजपा सरकार युवाओं को नहीं दे पा रही हैं नौकरी: गहलोत

जयपुर,इ (वार्ता)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि राय की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार

न तो युवाओं को नौकरी दे रही और न ही सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण दे पा रही हैं। श्री गहलोत ने रविवार को अपनी सोशल मीडिया सीरीज इंतजारशास्त्र की सातवीं कड़ी जारी करते हुए यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अदूरदर्शिता से प्रताप नगर कोचिंग हब की दुर्दशा हो रही है। एक तरफ करोड़ों की लागत से बना देश का पहला व्यवस्थित कोचिंग हब धूल फांक रहा है वहीं सरकार त्रिवेणी नगर से गुर्जर की थड़ी तक 185 करोड़ रुपए की अनावश्यक एलिवेटेड रोड थोप रही है। उन्होंने कहा कि पहले से पर्याप्त कैंपस वाली आईआईटी जोधपुर को जयपुर में बेवजह कोचिंग हब परिसर दिया जा रहा है श्री गहलोत ने कहा कि आखिर किसके दबाव में कोचिंग संस्थानों की शिफ्टिंग नहीं हो रही हैं।

भारी भरकम वादों के साथ चुनावी मैदान में उतरे थलापति विजय

तमिलनाडु

तमिलगा वेट्री कझगम के प्रमुख विजय ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा ऐलान किया है। विजय 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों में दो निर्वाचन क्षेत्रों, चेन्नई के पेराम्बुर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से अपनी किस्मत आजमाएंगे। रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी के सभी 234 उम्मीदवारों की विस्तृत सूची भी जारी कर दी है। विजय ने अपनी कोर टीम के अनुभवी और विश्वसनीय नेताओं को मैदान में उतारा है। प्रमुख उम्मीदवारों में टी. नगर से एन. आनंद, मायलापुर से वेंकट रमन और विलिवक्कम से आधव अर्जुन के नाम शामिल हैं। उम्मीदवारों का परिचय कराते हुए विजय ने भावुक अपील की और कहा कि उन्होंने अपनी टीम में ऐसे लोगों को चुना है जो सीधे जनता के सवालों का जवाब देंगे। विजय ने इस चुनाव को सीधे तौर पर अपने गठबंधन और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी डीएमके के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन की आलोचना करते हुए उसे केवल जोड़-तोड़ की राजनीति करार दिया।

युवाओं और बेरोजगारों के लिए बड़े वादे- युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए विजय ने कई आर्थिक गारंटियों की घोषणा की है।

बेरोजगारी भत्ता- 29 वर्ष से अधिक आयु के बेरोजगारों को 4,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को 2,500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा।

शिक्षा ऋण- 12वीं से लेकर पीएचडी तक के छात्रों के लिए 20 लाख रुपये तक के बिना गारंटी वाले लोन की सुविधा।

स्थानीय रोजगार- जो कंपनियां 75त्न स्थानीय लोगों को नौकरी देंगी, उन्हें बिजली बिल और टैक्स में विशेष छूट दी जाएगी।

कौन हैं यमन के हूती, इजरायल-ईरान संघर्ष में इनकी एंट्री से बदलेगी युद्ध की सूरत

नई दिल्ली

यमन के हूती विद्रोहियों ने ईरान में जंग के बीच अपने हमले तेज कर दिए हैं। लाल सागर में जहाजों पर होते हमलों ने न केवल वैश्विक व्यापार की कमर तोड़ दी है, बल्कि मिडिल ईस्ट में एक नए युद्ध का खतरा भी पैदा कर दिया है। ईरान के समर्थन वाले इस समूह ने इजरायल-हमास युद्ध के बीच जिस तरह से मोर्चा खोला है, उसने अमेरिका सहित उसके सहयोगी देश असहज हो गए हैं। हूती मूल रूप से यमन के उत्तरी हिस्से का एक सैन्य, राजनीतिक और धार्मिक संगठन है। इस समूह का नेतृत्व हूती परिवार करता है, जिसके नाम पर ही इन्हें हूती कहा जाता है। धार्मिक रूप से ये इस्लाम के जैदी शिया संप्रदाय से ताल्लुक रखते हैं। 2011 में हुई अरब

क्रांति के बाद जब यमन में अस्थिरता बढ़ी, तब हूतियों ने अपनी ताकत का विस्तार किया और देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। शुरुआती दौर में यह समूह यमन की सेना के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध लड़ता था, लेकिन समय के साथ इन्होंने अपनी सैन्य क्षमता को कई गुना बढ़ा लिया। हूतियों के मजबूत होने के पीछे ईरान का बड़ा हाथ माना जाता है। आज ये सिर्फ एक विद्रोही गुट नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत बन चुके हैं जिनके पास आधुनिक ड्रोन और लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें मौजूद हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले के बाद, जब इजरायल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की, तो हूतियों ने फिलिस्तीनियों के समर्थन में उतरने का एलान कर दिया। उन्होंने लाल सागर से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हूतियों का तर्क है कि वे केवल उन्हीं जहाजों पर हमला कर रहे हैं जिनका संबंध इजरायल से है, हालांकि इस वजह से वैश्विक व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

इन हमलों का जवाब देने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने हूतियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक भी की है। बावजूद इसके, हूतियों के तेवर कम नहीं हुए हैं। वे लगातार इजरायल की ओर ड्रोन और मिसाइलें दाग रहे हैं। यह स्थिति इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि लाल सागर दुनिया के सबसे अहम व्यापारिक मार्गों में से एक है और यहां होने वाली कोई भी गड़बड़ी पूरी दुनिया में महंगाई बढ़ा सकती है। हूती नेता अब्दुल मलिक अल-हूती ने बार-बार कहा है कि उनके हाथ ट्रिगर पर हैं और वे किसी भी वक्त बड़ा हमला करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात यह है कि लेबनान के हिजबुल्लाह या इराक के सशस्त्र समूहों की तरह हूतियों ने अभी तक औपचारिक रूप से युद्ध में शामिल होने का आधिकारिक एलान नहीं किया है। वे फिलहाल देखो और इंतजार करो की नीति अपना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हूती ईरान के साथ तालमेल बिठाकर सही वक्त का इंतजार कर रहे हैं ताकि इजरायल और उसके सहयोगियों पर अधिकतम दबाव बनाया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर लाल सागर का इस्तेमाल ईरान (इस्लामिक रिपब्लिक) के खिलाफ हमले के लिए किया गया या किसी और देश ने इस युद्ध में अमेरिका का साथ दिया, तो वे अपनी कार्रवाई को और तेज कर देंगे।

ईरान के परमाणु स्थलों पर रेडिएशन का स्तर बढ़ता है तो वह इसकी सूचना आईएईए को देगा

वियना,(वार्ता)। ईरान के परमाणु स्थलों पर अगर रेडिएशन का स्तर बढ़ता है, तो वह इसकी सूचना अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को देगा। श्री उल्यानोव ने कहा, रेडिएशन प्रदूषण के संबंध में कुछ ईरानी एजेंसियां हैं जो निश्चित रूप से रेडिएशन के स्तर को माप रही हैं और अगर यह स्तर बढ़ता है, तो वे आईएईए सचिवालय को सूचित करेंगी। उन्होंने याद दिलाया कि एजेंसी में ईरान का राजनयिक मिशन काम कर रहा था, और वियना में दोनों पक्षों के बीच संपर्क बना हुआ था। रूसी राजनयिक ने आगे कहा, उदाहरण के लिए, ईरानी ही थे जिन्होंने सबसे पहले बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र और नतान्ज़ परमाणु सुविधा पर हुए हमलों की जानकारी दी थी।

ड्रोन कार्रवाई में रूस के उस्त-लूगा तट को हुआ नुकसान

मॉस्को, (वार्ता)। रूस के लेनिनग्राद क्षेत्र में 27 ड्रोन मार गिराए जाने से उस्त लूगा तट को नुकसान पहुंचा है। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्सांद्र ड्रोज़्डेन्को ने यह जानकारी दी है। उन्होंने मैक्स पर कहा सत्ताईस यूएवी मार गिराए गए। उस्त-लूगा तट को नुकसान पहुंचा है। कोई हताहत नहीं हुआ। गवर्नर ने बताया कि हमले की जवाबी कार्रवाई जारी है।

रूसी वायु रक्षा बलों ने रात भर में 200 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए: रक्षा मंत्रालय

मॉस्को, (वार्ता)। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि रूसी वायु रक्षा बलों ने शनिवार रात रूसी क्षेत्रों के ऊपर मंडरा रहे 203 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट करने में सफलता हासिल की है। मंत्रालय ने मीडिया एजेंसी मैक्स को बताया, पिछली रात, वायु रक्षा चेतावनी तंत्र ने बेलगोरोड, ब्रायन्स्क, वोल्गोग्राद, वोरोनेज़, कलुगा, कुर्स्क, लेनिनग्राद, नोवगोरोड, ओरयोल, पेन्ज़ा, प्सकोव, रोस्तोव, समारा, सारातोव, स्मोलेंस्क, टवर, तुला क्षेत्रों, मॉस्को क्षेत्र, क्रास्नोदार क्षेत्र, क्रीमिया गणराज्य और काला सागर के ऊपर 203 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) को नष्ट कर दिया। यह भी कहा गया है कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई है और इन्हें नष्ट कर सुरक्षा बलों ने काफी उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिका ने ईरान में 11,000 से ज़्यादा सैन्य ठिकानों पर हमला किये: सेंटकॉम

वॉशिंगटन,(वार्ता)। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के दौरान 11,000 से ज़्यादा सैन्य ठिकानों पर हमले किये है। अमरीकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) यह जानकारी दी है। सेंटकॉम द्वारा एक्स पर पोस्ट की गई जानकारी के अनुसार, अमेरिका ने अब तक 11,000 से ज़्यादा ठिकानों पर हमला किये है, जिसमें 150 से ज़्यादा क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए जहाज़ शामिल हैं। सेंटकॉम ने दावा है कि अमरीकी वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने 11,000 से ज़्यादा उड़ानें भरी हैं।गौरतलब है कि अमेरिका और इज़रायल ने 28 फरवरी को ईरान में ठिकानों पर हमला करना शुरू किया था। ईरान, इज़रायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर भी जवाबी हमला कर रहा हैअमेरिका और इजरायल ने इस सैन्य अभियान की शुरुआत को एक पहले से किया गया हमला बताया और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से कथित खतरों का हवाला दिया।

अमेरिका में 48 रूसी नागरिक विभिन्न जेलों में बंद : संघीय जेल ब्यूरो

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका में वर्तमान में 48 रूसी नागरिक विभिन्न जेलों में बंद हैं, जो देश की जेलों में बंद सभी विदेशी नागरिकों का लगभग 0.2 प्रतिशत है। विधि विभाग के संघीय जेल ब्यूरो (बीओपी) की प्रेस सेवा ने संवाद समिति रिया नोवोस्ती को यह जानकारी दी है। फिलहाल अमेरिकी गोपनीयता कानूनों के तहत प्रतिबंधों का हवाला देते हुए इन व्यक्तियों के नाम और व्यक्तिगत विवरण का खुलासा नहीं किया गया है। एजेंसी ने यह भी बताया कि वर्तमान में 48 यूक्रेनी नागरिक और चार बेलारूसी नागरिक अमेरिकी जेलों में हैं। बीओपी के अनुसार, अमेरिकी जेलों में बंद सभी विदेशियों में से आधे से अधिक, यानी लगभग 12,500 लोग, मैक्सिको के नागरिक हैं।

अमेरिका ईरान में ज़मीनी अभियान की कर रहा है तैयारी

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिकी रक्षा विभाग ईरान में कई हफ़्तों तक चलने वाले ज़मीनी अभियान की तैयारी कर रहा है। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है।%अख़बार के अनुसार किसी भी संभावित ज़मीनी अभियान में विशेष ऑपरेशन बलों और पारंपरिक पैदल सेना इकाइयों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई शामिल होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पेंटागन की उन योजनाओं में से किसी को मंज़ूरी देंगे। इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली के पहुंचने की घोषणा की थी। इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली के पहुंचने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान में लक्ष्यों पर हमले शुरू किए, जिससे काफी जान माल का नुकसान हुआ। ईरान इज़रायली क्षेत्र के साथ ही पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य लक्ष्यों पर जवाबी हमले कर रहा है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

गायक माधव एस राजपूत का वीडियो अल्बम दर्द टी सीरीज से जल्द होगा रिलीज

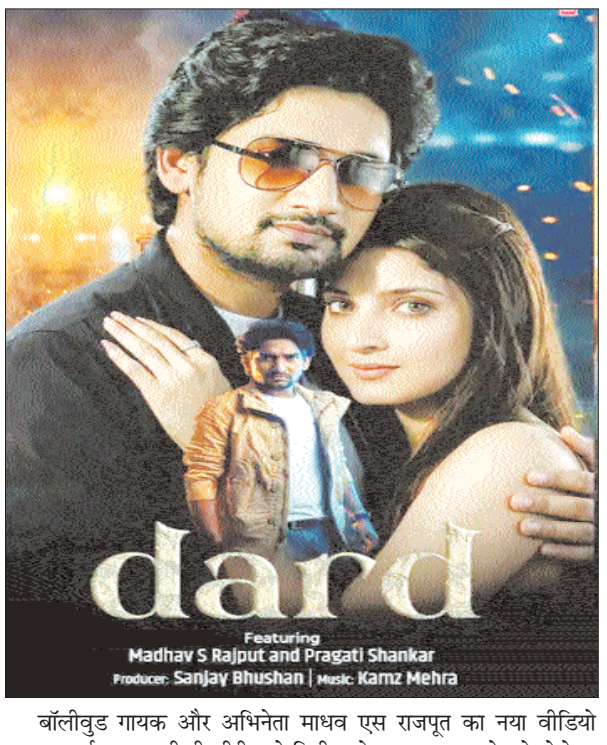

बॉलीवुड गायक और अभिनेता माधव एस राजपूत का नया वीडियो अल्बम दर्दझ जल्द ही टी सीरीज से रिलीज़ होगा। माधव अपने नये प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित है। इस अल्बम में माधव एस राजपूत के साथ अभिनेत्री प्रगति शंकर अभिनय करते नज़र आएगी। टी सीरीज प्रस्तुत इस अल्बम के निर्माता संजय भूषण और निर्देशक नेहा महेन्द्र सोनी हैं।गीतकार श्री संधू और संगीतकार कम्ज़ मेहरा और छायांकन शाहिद शेख का है।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली कलाकार थी देविका रानी

भारतीय सिनेमा जगत की जानीमानी अभिनेत्री देविका रानी प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली कलाकार थी। फिल्म इंडस्ट्री में उत्कृष्ट योगदान देने के लिये भारत सरकार ने वर्ष 1969 में जब दादा साहब फाल्के पुरस्कार की शुरूआत की तो इसकी सर्वप्रथम विजेता देविका बनी। इसके अलावा देविका रानी फिल्म इंडस्ट्री की प्रथम महिला बनी जिन्हें पदमश्री से नवाजा गया।

सिनेमा जगत में अपनी दिलकश अदाओं से दर्शकों को दीवाना बनाने वाली देविका रानी पहली ड्रीम गर्ल थी। उनका जन्म 30 मार्च 1908 को हुआ था। इंग्लैंड में शिक्षा प्राप्त करने वाली देविका रानी ने रॉयल अकादमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट में अभिनय की विधिवत पढ़ाई की। कुछ समय बाद उनकी मुलाकात बुस्त बुल्फ नामक फिल्म निर्माता से हुई जो उनकी वास्तुकला की योग्यता से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने देविका को अपनी कंपनी में बतौर डिजाइनर नियुक्त कर लिया ।

इस बीच देविका रानी की मुलाकात सुप्रसिद्ध निर्माता हिमांशु राय से हुई। हिमांशु राय, देविका रानी की सुंदरता पर मुग्ध हो गए और उन्होंने देविका रानी को अपनी फिल्म कर्म में काम देने की पेशकश की जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इस फिल्म में देविका रानी के फरार्टेदार अंग्रेजी संवाद अदायगी को देखकर लोग हैरान से रह गये और उनके व्यक्तिव को देखकर दर्शक इस कदर सम्मोहित हुये कि उनकी गिनती बोलती फिल्मों की श्रेष्ठ नायिकाओं में होने लगी। मुंबई आने के बाद हिमांशु राय और देविका रानी ने मिलकर बांबे टॉकीज बैनर की स्थापना की और फिल्म जवानी की हवा का निर्माण किया। वर्ष 1935 में प्रदर्शित देविका रानी अभिनीत यह फिल्म सफल रही। बाद में देविका रानी ने बांबे टॉकीज के बैनर तले बनी कई फिल्मों में अभिनय किया। इन फिल्मों में से एक फिल्म थी अछूत कन्या। वर्ष 1936 में प्रदर्शित अछूत कन्या में देविका ने ग्रामीण बाला की मोहक छवि को रूपहले पर्दे पर साकार किया। फिल्म अछूत कन्या में अपने अभिनय से देविका रानी ने दर्शको को अपना दीवाना बना दिया। फिल्म मे अशोक कुमार एक ब्राह्मण युवक के किरदार मे थे जिन्हें एक अछूत लड़की से प्यार हो जाता है। सामाजिक पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म काफी पसंद की गयी और इस फिल्म के बाद देविका रानी फिल्म इंडस्ट्री में ड्रीम गर्ल के नाम से मशहूर हो गयी।

अछूत कन्या के प्रदर्शन के बाद देविका रानी फर्स्ट लेडी ऑफ इंडियन स्क्रीन यानी भारतीय रजत पट की पहली रानी की उपाधि से सम्मानित किया गया। फिल्म अछूत कन्या के बाद देविका रानी ने अशोक के साथ कईफिल्मों में अभिनय किया। वर्ष 1940 में पति हिमांशु की आकस्मिक मौत के बाद देविका रानी ने बांबे टॉकीज को अपने सहयोगियो की मदद से चलाया और पुनर्मिलन, बंधन, कंगन, झूला, बसंत और किस्मत जैसी सफल फिल्मों का निर्माण किया। फिल्म किस्मत बांबे टॉकीज के बैनर तले बनी फिल्मों में सबसे कामयाब फिल्म साबित हुई। किस्मत ने बॉक्स आफिस के सारे रिकार्ड तोड़ते हुये कोलकाता के एक सिनेमा हॉल में लगभग चार वर्ष तक लगातार चलने का रिकार्ड कायम किया।

वर्ष 1945 में देविका रानी, बांबे टॉकीज से अलग हो गई। देविका रानी का मानना था कि महज पैसा कमाना बांबे टॉकीज का एकमात्र लक्ष्य नही है। हिमांशु राय ने उन्हें सिखाया था कि फिल्म को व्यावसायिक तौर पर सफल होनी चाहिये, लेकिन यह सफलता कलात्मक मूल्यों की बलि देकर नही हासिल की जानी चाहिए। देविका रानी को जब यह महसूस हुआ कि जब वह इन मूल्यों की रक्षा नही कर पा रही है तो उन्होंने बांबे टॉकीज को अलविदा कह दिया।

पति की मौत और बांबे टॉकीज को छोड़ने के बाद देविका रानी लगभग टूट सी गयी थी । इस बीच उनकी मुलाकात रूसी चित्रकार स्वेतोस्लाब रोरिक से हुई। बाद में देविका रानी ने उनसे विवाह कर लिया और फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। अपने दिलकश अभिनय से दर्शकों के दिलो पर राज करने वाली देविका रानी 09 मार्च 1994 को इस दुनिया को अलविदा कह गई।

17 अप्रैल को रिलीज होगी मटका किंग

प्राइम वीडियो ने आज विजय वर्मा के जन्मदिन पर उनकी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज मटका किंग की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट 17 अप्रैल अनाउंस कर दी है। भय कोरन्ने की लिखी और नागराज पोपटराव मंजुले की बनाई और निर्देशित की गई यह सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर आधारित है। यह कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो मटका नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है।इसे सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन ने रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। मटका किंग में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं। इनके साथ ही विनीत कुमार सिंह, भरत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगड़े, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया के 240 से यादा देशों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों का सफर, पुनरावलोकन व आत्मावलोकन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली 200 वर्षों के इतिहास पर चर्चा करने और भविष्य की चुनौतियों का आत्म-मंथन करने के उद्देश्य से आज शगुन मैरिज गार्डन में एक गरिमामयी कार्यक्रम हुआ। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पुनरावलोकन एवं आत्मावलोकन विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर निदेशक, माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल उपस्थित रहे। शुरुआत दीप प्रज्वलन कर, पत्रकारिता के पुरोधा श्री गणेश शंकर विद्यार्थी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर हुई। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, भाजपा नेता महंत प्रीतम पुरी गोस्वामी, इंजी सुनील कोठारी, कांग्रेस नेता डॉ संजीव चांदोरकर, अधिवक्ता संघ के सचिव सुलभ जैन, साहित्यकार अजय तुलसी, एड प्रवीण शर्मा,संजय जैन भी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन के सूत्रधार सुशान्त पुरोहित ने किया। पत्रकार जन संवाद केन्द्र के बैनर तले हुए कार्यक्रम के दौरान श्री श्रीधर ने पत्रकारिता के उद्भव से लेकर वर्तमान स्वरूप तक के सफर को बड़ी बारीकी से उपस्थितजनों के समक्ष साझा किया। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारिता के पुरखों को आदरांजलि देते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने ने कहा कि जो बात छुपाई जाए, उसे बताया जाए वह पत्रकारिता है और जो बात सच न होते हुए भी बताया जाए वह प्रचार है।

पत्रकारिता पेशा नहीं राष्ट्र निर्माण का माध्यम

पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास केवल सूचनाओं का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि 1826 में उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ शुरू हुआ। यह सफर आज डिजिटल युग तक पहुँच चुका है। उन्होंने वर्तमान दौर में पत्रकारिता के गिरते मूल्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज पत्रकारों को स्वयं के भीतर आत्मावलोकन की आवश्यकता है ताकि विश्वसनीयता बनी रहे। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के पुरोधा स्व. माधवराव सप्रे के योगदान को याद करते हुए बताया कि कैसे सीमित संसाधनों में भी भाषाई मर्यादा और राष्ट्रीयहितों को सर्वोपरि रखा गया। आज हिंदी समाचारों में अंग्रेजी के शब्दों का चलन बढ़ा है जो हिंदी के लिये खतरा है। श्रीधर जी ने इस मौके पर अपनी जन्मस्थली बोहानी को प्रणाम किया और कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूँ अपनी मातृभूमि और गुरुजनों, माता-पिता की बदौलत हूँ। आप जहाँ भी रहें विभ्रम बने रहें, प्रतिद्वंदता न रखें, किसी से ईर्ष्या भाव न रखें, इंसानियत को सर्वोपरि रखें। हम बच्चों को भी अच्छे गुण सिखाएं उन्हें रोबोट न बनाएं, बच्चे सभी भाषाओं का ज्ञान लें पर अपनी मातृभाषा को विस्मृत न करें, हम जब एक साथ हों तो अपनी स्थानीय भाषा में बात करें और यही हमारी पहचान है।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

इस संगोष्ठी में शहर के गणमान्य नागरिकों और पत्रकार जगत की हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान श्रीधर जी ने भारत में पत्रकारिता के ऐतिहासिक संदर्भ में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष की गाथा, हिंदी के स्वरूप और समाचार पत्रों में उसकी शुद्धता बनाए रखने की चुनौती व सोशल मीडिया और फेक न्यूज के दौर में मुख्यधारा की पत्रकारिता की जिम्मेदारी सहित, सामाजिक सरोकार पत्रकारिता का समाज के प्रति दायित्व और वंचितोंच की आवाज बनना जैसे विषयों पर अपनी बात रखी।

बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों की सहभागिता

संगोष्ठी में उपस्थित बुद्धिजीवियों ने श्री श्रीधर से इतिहास और शोध पर आधारित कई जानकारियां भी दीं। समाजसेवियों ने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी निष्पक्षता को हर हाल में सुरक्षित रखना चाहिए। स्थानीय पत्रकारों के लिए यह सत्र काफी ज्ञानवर्धक रहा, जहाँ उन्हें समाचार पत्र उनके संग्रह के महत्व और पुराने दस्तावेजों के संरक्षण की बारीकियों को समझने का अवसर मिला। पत्रकारिता में तकनीक बदल सकती है, माध्यम बदल सकते हैं, लेकिन पत्रकारिता की आत्मा सत्य कभी नहीं बदलनी चाहिए।

भारतीय पत्रकारिता और साहित्य के दो स्तंभ

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी और माधवराव सप्रे भारतीय पत्रकारिता और साहित्य के वे दो स्तंभ हैं, जिन्होंने न केवल हिंदी भाषा को समृद्ध किया, बल्कि अपनी लेखनी को स्वतंत्रता संग्राम का अस्त्र बनाया। इन दोनों विभूतियों का संबंध गुरु-शिष्य जैसा था और दोनों ने मध्य प्रदेश की धरती से राष्ट्रीय चेतना को स्वर दिया। सप्रे जी ने उस समय हिंदी का झंडा बुलंद किया जब संसाधनों का घोर अभाव था। सन 1900 में उन्होंने छत्तीसगढ़ मित्र नामक पत्रिका निकालकर हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी। उन्होंने मराठी भाषी होते हुए भी हिंदी की सेवा की और विदेशी शब्दों के स्थान पर सटीक हिंदी शब्दावली के प्रयोग पर बल दिया। सप्रे जी ने लोकमान्य तिलक के गीता रहस्य का हिंदी अनुवाद किया, जिससे हिंदी भाषी क्षेत्रों में क्रांतिकारी विचारों का प्रसार हुआ। उनकी कहानी एक टोकरी भर मिट्टी को हिंदी की पहली मौलिक कहानी होने का गौरव प्राप्त है। वहीं माखनलाल जी, सप्रे जी के मानस पुत्र और शिष्य थे। उन्होंने कविता और पत्रकारिता के माध्यम से सोए हुए राष्ट्र को जगाने का कार्य किया। सप्रे जी के मार्गदर्शन में उन्होंने प्रभा और बाद में कर्मवीर का संपादन संभाला। कर्मवीर उस दौर में निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय बन गया था। उनकी पुष्प की अभिलाषा कविता आज भी राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च शिखर मानी जाती है, जहाँ एक फूल सम्राटों के शव पर नहीं, बल्कि शहीदों के मार्ग पर बिछने की इच्छा व्यक्त करता है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वे कई बार जेल गए, लेकिन उनकी कलम कभी नहीं रुकी। उन्हें उनके काव्य संग्रह हिम तरंगिणी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंत में आभार व्यक्त बृजेश शर्मा ने किया।

जिले में आज रहेगा सार्वजनिक अवकाश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में तथा जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पूर्व में घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन किया गया है। कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए घोषित अवकाशों की सूची में मंगलवार 31 मार्च को महावीर जयंती के उपलक्ष्य में घोषित अवकाश के स्थान पर अब जिले में सोमवार 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का आदेश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जारी किया है। कलेक्टर के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक मंगलवार 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे।

रामनवमी के अवसर पर सूरजगांव में जलमंदिर की हुई स्थापना

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मप्र जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के मार्गदर्शन जलशक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम के तहत विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम सूरजगांव में स्थित देवी मढ़िया परिसर में रामनवमी के अवसर पर जनसहभागिता से जल मंदिर- प्याऊ की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान क्षेत्र से गुजरने वाले श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को स्व'छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद नरसिंहपुर श्री जय नारायण शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने वर्षाजल को संचयन करने, जल के समुचित उपयोग तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिकाधिक पौधारोपण करने का आव्हान किया। इस अवसर पर सभी ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सरोकार से जुड़ा प्रेरणादायी कार्य बताया। इस अवसर पर जनपद सदस्य श्री महेश कुमार पटेल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष सहित सदस्य और ग्राम के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सुभाष जैन दिवंगत

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। गांधी वार्ड के मूल निवासी एवं नरसिंहपुर टाइम्स के पूर्व प्रधान संपादक श्री सुभाष जैन का करीब 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार इंदौर में किया जाएगा। वे राजेश, दिनेश एवं मुकेश जैन के चाचाश्री थे।

गौवंश पालन हो हर सनातनी का कर्तव्य : राजीव लोचन दास महाराज

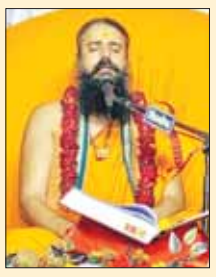

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम इमलिया (कल्याणपुर) में श्री रामाश्रित सत्संग सभा के तत्वावधान में 57 वां श्री विष्णु महायज्ञ एवं रामचरित मानस सम्मेलन जारी है। यज्ञ के आयोजन से गांव का पूरा माहौल धर्ममय बना हुआ है । प्रतिदिन अनेक क्षेत्रीय श्रद्धालु यज्ञ शाला की परिक्रमा लगाने एवं प्रवचनों को सुनने यज्ञ स्थल आ रहे है। 2 अप्रैल तक आयोजित होने वाले इस यज्ञ में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे एवं रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक प्रवचन कार्यक्रम होते है। चौथे दिवस की कथा मे दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर श्री राजीव लोचन दास जी महाराज ने कहा कि गोवंश पालन हर सनातनी का कर्तव्य होना चाहिए। राष्ट्र जब बचेगा जब हम सभी मिलकर जाति पार्टी के बंधनों से मुक्त होकर एक होकर दुष्ट प्रवत्तियों का सामना करेंगे। उन्होंने गुरु की महिमा एवं केवट प्रसंग पर चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी को गुरु की आज्ञा का पालन करना चाहिए। भगवान राम ने अपने भाइयो के साथ गुरु वशिष्ठ के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने मानस समागम के आयोजन में श्री राम आश्रम सत्संग सभा इमलिया के सेवा भाव की प्रशंसा की। श्री विष्णु महायज्ञ इमलिया में दिनांक 29 मार्च से विद्वान संत कामदगिरि पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री 1008 श्री रामस्वरूपाचार्य जी का आगमन हो रहा है। आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों ने क्षेत्रीय जनों से उपस्थिति की अपील की है।

फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संशोधित

अब 31 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा प्रशिक्षण

नरसिंहपुर। अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए फील्ड ट्रेनर्स का ३ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अब ३१ मार्च से २ अप्रैल तक ई-दक्ष केन्द्र नरसिंहपुर में किया जाएगा। पहले यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ३० मार्च से एक अप्रैल तक रखा गया था, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है।

पीएम जनमन योजनांतर्गत सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है सरकार

मंत्री श्री सिंह ने आदिवासी बहनों के हाथों से फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

मंत्री श्री सिंह ने सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ के अवसर पर विशाल आदिवासी सम्मेलन को संबोधित किया

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्र उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक करीब 29.10 किमी लंबी सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए है। इसके लिए सभी को शुभकामनाएं और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने गांव- गांव को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया है, जिसके माध्यम से कई ग्रामों को पक्की सड़को से जोड़ने का कार्य हुआ है। पीएम जनमन योजनांतर्गत जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र बड़ागांव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वनांचल ग्राम बड़ागांव में सड़क निर्माण कार्य के लिए लगभग 40 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिस राशि से इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। सरकार दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में निवासरत आदिवासी भाईयों और बहनों की चिंता कर रही है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सरकार पीएम जनमन योजनांतर्गत सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा जैसी अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक पक्की सड़क का निर्माण होने से यह क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार से जुड़ने का काम करेगी। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार से कहा कि वे गुणवत्ता और मानक स्तर की सड़क का निर्माण कार्य करें, जिससे आने-जाने में किसी भी तरह की परेशानी न हो। उक्ताशय के विचार मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने रविवार को गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के जनपद पंचायत बाबई-चीचली के ग्राम मोहपानी में सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने आदिवासी बहनों के हाथों से फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह आदिवासी भाईयों और बहनों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री नरेश पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष गाडरवारा श्री शिवाकांत मिश्रा, श्री अभिलाष मिश्रा, श्री मुकेश मरैया, श्री भूपेन्द्र ठाकुर, श्री मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश कौरव, श्री कमल खटीक, सुश्री नंदनी मरावी, ठाकुर राजीव सिंह, श्री राजाराम ठाकुर, राव संदीप सिंह, श्री रामकुमार ठाकुर, श्री नवनीत चाचा, श्री नरेन्द्र कौरव, अन्य जनप्रतिनिधि, पीआईयू के श्री संजीव सनौड़िया सहित अन्य अधिकारी, आदिवासी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से करीब 29.10 किमी लंबी की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ग्राम बड़ागांव में स्कूल का भवन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र में विकास हो। शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनी स्कूल भवन के निर्माण किए जा रहे हैं। अब जनपद पंचायत चीचली के सांदीपनी स्कूल भवन में आदिवासी क्षेत्र के बच्चे पढ़ाई के लिए जाएंगे। सरकार नल-जल योजना के माध्यम से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का काम कर रही है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सालीचौका में वृहद स्तर का अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान योजना लागू कर पात्र व्यक्तियों का 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की है, जिससे मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। इस दिशा में सरकार ने कई मरीजों को एयर एम्बुलेंस की सेवा प्रदान की है।

मंत्री श्री सिंह ने की घोषणाएं

इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने ग्राम मोहपानी में बड़ादेव मंदिर मय टीन शेड व चबूतरा निर्माण के लिए दो लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। छोटा जबलपुर में नागरिकों की सुविधा के लिए सर्वसुविधायुक्त प्रसाधन गृह के लिए 5 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। इसके अलावा मंत्री श्री सिंह ने बताया कि ग्राम टुईयापानी से ग्राम भिलमाढाना रोड का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत

जलशक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम के तहत विभिन्न ग्रामों में जागरूकता के साथ हुए विविध आयोजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड साईंखेड़ा के सेक्टर क्रमांक ३ के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में जलशक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान ग्राम अजंदा, डुंगरिया, धनौरा सहित अन्य ग्रामों में जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु अनेक गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के तहत कलश पूजन, वृक्ष पूजन एवं जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना जैसे प्रेरणादायक आयोजन किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल के महत्व, उसके संरक्षण और समुचित उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। जलशक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम के माध्यम से जल के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा रही है, जिससे भविष्य में जल संकट की चुनौती को कम किया जा सके। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए जल संरक्षण के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर परामर्शदाताओं, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारियों व ग्रामीणजन मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राजीव वार्ड नरसिंहपुर में स्थापित हुआ जल मंदिर-प्याऊ

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नरसिंहपुर के राजीव वार्ड में जलशक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत जल मंदिर- प्याऊ की स्थापना कर नागरिकों को जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। साथ ही सभी ने जल एवं पर्यावरण के संरक्षण व उसके संवर्धन की शपथ ली। यह कार्यक्रम वार्ड विकास प्रस्फुटन समिति राजीव वार्ड के तत्वावधान में किया गया। नागरिकों से कहा गया कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना भविष्य की कल्पना संभव नहीं है। हम सभी को जल के सदुपयोग करने और जल बचाने के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है। स्थापित किए गए इस प्याऊ से क्षेत्र में आने- जाने वाले लोगों को गर्मी के मौसम में शीतल पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। यह स्थान नगर के व्यस्त क्षेत्र में होने के कारण बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ लेंगे।

ताज दरबार में मातारानी को भक्ते और कढाव अर्पित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय ताज कृपा दरबार में पिछले अनेक वर्षों से लगातार चल रही परम्परा के अनुसार इस वर्ष भी नौ दिन दीप प्रज्वलन, और प्रसादी वितरण किया गया /अष्टमी के दिन माताजी की शान में भक्तो के आयोजन के साथ इक्कीस किलो का कढाव प्रसाद भेंट कर वितरण किया गया /कन्या पूजन भी किया गया / आयोजन को सफल बनाने के लिए सुरेन्द्र सोनी, गोलू सिंधी, विमलेश प्रजापति, महैश नेमा, मोहित सोनी, टनटू दादा प्रधान अर्चक, श्री मती कामिनी निगम, अशोक मोलासरिया, हरिसिंह कीर, आदि दरबारीयो का सराहनीय प्रयास रहा।

युवक से लाठी-डंडों से मारपीट, मामला दर्ज

हटा। थाना क्षेत्र के ग्राम भटिया में एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। घायल को उपचार के लिए सिविल अस्पताल हटा लाया गया जहां पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि ग्राम भटिया में एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई है जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल हटा लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और घायल से पूछताछ की।

घायल तेजी सिंह लोधी 35 निवासी ग्राम कुआखेड़ा महदेला, हाल निवासी ग्राम भटिया ने बताया कि वह अपनी मां के साथ रहकर मिस्त्री का काम करता है। 28 मार्च की रात करीब 11:30 बजे घर से बाहर निकलने पर कलू सिंह लोधी निवासी सागर लाठी लेकर खड़ा मिला। पूछताछ करने पर वह उसे पास में खड़े अन्य लोगों के पास ले गया जहां पहुंचते ही आरोपी ने गाली गलौज करते हुए लाठी से मारपीट शुरू कर दी। उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने भी लाठी से हमला किया।

राज्यपाल दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

आगामी 1 अप्रैल को प्रस्तावित राज्यपाल के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है जिसमें विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं आदेश के अनुसार राज्यपाल का कार्यक्रम ग्राम कन्हारीकला तहसील बिछिया में आयोजित होना प्रस्तावित है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मंच व्यवस्था से लेकर पशु मेला और स्वास्थ्य शिविर तक की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। मंच स्थल की संपूर्ण व्यवस्था की मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद मण्डला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस प्रकार पशु मेला एवं स्वास्थ्य कैंप के लिए रंजीत गुप्ता क्षेत्र संयोजक तथा अनुप नामदेव पीओ आईसीडीएस, कपिल तिवारी मनरेगा सहायक कार्यक्रम अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन ने सार्वजनिक अवकाश में बदलाव करते हुए नया आदेश जारी किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार पहले 31 मार्च, दिन मंगलवार को घोषित महावीर जयंती अवकाश को संशोधित कर अब 30 मार्च दिन सोमवार को पूरे जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों तथा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थान सामान्य रूप से खुले रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जिला प्रशासन ने संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे संशोधित अवकाश आदेश का पालन सुनिश्चित करें।

1 अप्रैल से बदल जाएगा बैंकिंग सिस्टम

यूपीआई और एटीएम ट्रांजेशन पर असर

कटनी (स्वतंत्र मत)।

1 अप्रैल 2026 से बैंकिंग व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू होने जा रहे हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाने और बढ़ते साइबर फ्रॉड पर रोक लगाने के उद्देश्य से नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इन बदलावों से ग्राहकों को अतिरिक्त सुरक्षा तो मिलेगी, लेकिन कुछ मामलों में अतिरिक्त शुल्क और प्रक्रियात्मक बदलाव का सामना भी करना पड़ सकता है। नई व्यवस्था के तहत अब डिजिटल ट्रांजेक्शन के लिए केवल ओटीपी पर्याप्त नहीं होगा। टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य किया जा रहा है। यानी ओटीपी के साथ पासवर्ड, एमपिन या बायोमेट्रिक वेरिफिकेक्शन में से किसी एक अतिरिक्त माध्यम से पहचान सुनिश्चित करनी होगी। बड़े या असामान्य ट्रांजेक्शन पर बैंक रिस्क-बेस्ड ऑथेंटिकेशन लागू करेंगे,

जिससे अतिरिक्त वेरिफिकेक्शन और अलर्ट मिल सकते हैं तथा ट्रांजेक्शन में हल्की देरी संभव है। सबसे बड़ा असर एटीएम और यूपीआई के जरिए नकदी निकालने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा।

आरबीआई के नियमों के अनुसार हर महीने सीमित संख्या में फ्री एटीएम ट्रांजेक्शन की सुविधा जारी रहेगी। आमतौर पर अपने बैंक के एटीएम से पांच फ्री ट्रांजेक्शन मिलते हैं, जबकि सीमा पार होने पर बैंक 23 रुपये प्लस जीएसटी तक शुल्क ले सकते हैं। एच डी एफ सी ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल से यूपीआई आधारित कार्डलेस एटीएम विड्रॉल भी अब फ्री ट्रांजेशन लिमिट में शामिल किए जाएंगे। पहले यह अलग श्रेणी में गिने जाते थे। ऐसे में बार-बार यूपीआई से कैश निकालने वालों की फ्री लिमिट जल्दी समाप्त हो सकती है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक ने कुछ डेबिट कार्ड्स की दैनिक एटीएम निकासी सीमा घटा दी है। कई कार्ड्स पर दैनिक विड्रॉल लिमिट 1 लाख रुपये से घटाकर 50 हजार रुपये कर दी गई है। बैंक के अनुसार यह निर्णय ग्राहकों की सुरक्षा और धोखाधड़ी रोकने के लिए लिया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक मध्यम स्तर पर बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर सालाना लगभग 200 से 400 रुपये तक अतिरिक्त खर्च आ सकता है, जबकि अधिक ट्रांजेक्शन करने वालों को 500 से 800 रुपये या उससे अधिक का अतिरिक्त भार उठाना पड़ सकता है। विशेषज्ञों की सलाह है कि ग्राहक अनावश्यक कैश निकासी से बचें, डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता दें और बैंकिंग सुरक्षा अलर्ट पर विशेष ध्यान रखें।

शराब दुकान के कर्मचारी ने बोतल से फोड़ा युवक का सिर

लाठी-डंडो से पीटा, रूपए के लेनदेन को लेकर बरही में विवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)।

चेंज रुपए को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि आक्रोशित शराब दुकान के कर्मचारियों ने युवक की बेदम पिटाई करते हुए कांच की बॉटल से उसका सिर फोड़ डाला। घटना बरही के विजयराघवगढ़ मार्ग में संचालित शराब दुकान का है। लहूलुहान पीड़ित युवक को बरही के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विवाद के बाद शराब दुकान के सामने तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। मौके पर पहुंची बरही पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए विवाद को शांत कराने के प्रयास में जुटी थी, वहीं आक्रोशित लोग आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग कर रहे थे। घटना के संबंध में हासिल जानकारी के मुताबिक बरही के नामदेव मुहल्ला में रहने वाला रामकेश पिता स्वर्गीय सुशील गुप्ता 28 वर्ष अपने दोस्त के साथ रविवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे शराब की दुकान पहुंचा हुआ था। शराब खरीदने के दौरान खुल्ले पैसे को लेकर विवाद इतना गहराया कि आक्रोशित शराब दुकान के आधा दर्जन कर्मचारियों ने एक राय होकर लाठी-डंडे से रामकेश को बेरहमी से पीटने लगे। बीच-बचाव करने वालों को भी खदेड़ दिया गया। पीड़ित रामकेश के सिर में कांच की बॉटल से उसका सिर फोड़ दिया गया। सिर के दोनों छोर में सांघातिक चोट आई है। पीड़ित का उपचार बरही अस्पताल में जारी है, वही इस विवाद के बाद लोगो मे खासा आक्रोश है। बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

आजाद चौक में मिली युवक की लाश

टीबी के उपचार में लापरवाही पड़ी भारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कोतवाली के आजाद चौक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में मिली युवक की लाश के मामले में पुलिस को प्रारंभिक सफलता मिल गई है। पुलिस ने युवक की शिनाख्त करते हुए उसके परिजनों को सूचना दे दी है। कोतवाली प्रभारी राखी पांडे ने बताया कि युवक बहोरीबंद थाना अंतर्गत ग्राम कूड़ा हथियागढ़ का रहने वाला नीरज कुमार पिता प्रहलाद मेहरा है। बताया जाता है कि नीरज टीबी की बीमारी से ग्रसित थाए उसका उपचार भी परिजन करा रहे थे लेकिन उसने बीच में ही टीबी की दवा खाना बंद कर दिया और शराब सेवन करने लगा। समझे जाता है कि टीबी की बीमारी और शराब सेवन के बाद उसे खून की उल्टियां हुई और उसकी मौत हो गई। बहरहाल पुलिस से सूचना मिलने के बाद परिजन कटनी के लिए रवाना हो गए। परिजनों की मौजूदगी में नीरज का पोस्ट मार्टम कराया जाएगा।

यात्री से मनमाना किराया वसूलने पर विवाद

ऑटो चालक ने साथियों के साथ मिलकर किया हंगामा

एनकेजे पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, ऑटो जप्त

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कटनी स्टेशन से जुहला बाईपास में यात्री को अपने साथ ले जाने के बाद एक ऑटो चालक ने उससे मनमाना किराया वसूल करने की कोशिश की। यात्री ने अधिक किराया नहीं दिया तो उसने हुड़दंग मचाते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर सड़क में हंगामा खड़ा कर दिया। इसी बीच एनकेजे पुलिस ने हंगामा मचा रहे ऑटो चालक एवं उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है। एनकेजे थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत ने बताया कि रिषी नामदेव ने सूचना दी कि वह कटनी स्टेशन से जुहला बायपास की ओर ऑटो में सवार होकर जा रहा था। जुहला बायपास मार्ग स्थित बस स्टैण्ड के पास ऑटो चालक ने तय किराए से अधिक राशि की मांग की। जब पीड़ित ने अतिरिक्त किराया देने से मना

किया, तो ऑटो चालक एवं उसके साथियों प्रकाश साहू, आयुष बर्मन एवं रिषी मल्होत्रा ने ओजित होकर गाली-गलौज की और सार्वजनिक स्थान पर अशांति एवं भय का वातावरण निर्मित करने लगे। मौके पर उपस्थित लोगों ने समझाइश दी, परंतु उक्त व्यक्तियों ने विवाद जारी रखा, जिस पर पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना प्राप्त होते ही एनकेजे थाने से एएसआई मनोज कुड़ापे को स्टाफ के साथ घटनास्थल भेजा गया। पुलिस द्वारा समझाइश देने के बावजूद आरोपियों के शांत न होने पर कार्यवाही की गई। तीनों व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। ऑटो चालक प्रकाश साहू से वाहन के दस्तावेज मांगे गए, जो वह प्रस्तुत नहीं कर सका। मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए ऑटो जप्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के लिए धारा 126/135(3)के तहत इस्तगासा तैयार कर माननीय एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आयुष बर्मन पिता स्व. प्रहलाद बर्मन निवासी खिरहनी फाटक, प्रकाश साहू पिता रामचरण साहू निवासी पुरैनी कुठला, रिषी मल्होत्रा पिता अनिल कुमार मल्होत्रा निवासी गायत्री नगर को गिरतार करते हुए कार्रवाई की गई।

मुरम का अवैध परिवहन करते हुए हाईवा किया जप्त

कटनी (स्वतंत्र मत)। खनिज माफियाओं के विरुद्ध पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में उमरियापान पुलिस ने अवैध रूप से मुरूम का परिवहन कर रहे एक हाईवा को जप्त कर कार्रवाई की है। उमरियापान थाना प्रभारी महेंद्र जायसवाल ने बताया कि ग्राम परसेल में देवी जागरण कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था डियूटी पर तैनात पुलिस टीम ने खेरमाई मंदिर के सामने एक संदिग्ध हाईवा क्रमांक एमपी 20 एच 4832 को रोका। वाहन मुरूम से पूरी तरह लदा हुआ था। पुलिस ने जब चालक अजय लोधी निवासी ग्राम बरौदा से मुरूम परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और रॉयल्टी रसीद की मांग की तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। ऑनलाइन पोर्टल पर भी वाहन की कोई वैध टीपी नहीं पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने वाहन को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी द्वारा अवैध परिवहन पाए जाने पर हाईवा को जत कर धारा 106 बीएनएस के तहत पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने मामले को आगामी कार्यवाही और भारी जुर्माना अधिरोपित करने हेतु कलेटर कार्यालय खनिज विभाग को भेज दिया है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने एवं गौपालन का काम किसानों को सौंपने चलाएगी अभियान

कटनी (स्वतंत्र मत)।

लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने पार्टी के संस्थापक रघु ठाकुर व राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट शमभूदयाल बघेल की उपस्थिति में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्ताव पारित किया है कि दुनिया में चल रहे भीषण युद्ध और तबाही के समय में पार्टी देश देशवासियों और देश की सरकार के साथ खड़ी है। उर्जा संकट के हल की दिशा में लोसपा ने रेगिस्तानी व बीहड़ क्षेत्र में सौर ऊर्जा संयंत्र लगानेए सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाले परिवारों को शत प्रतिशत अनुदान व एक एक इंडक्शन चूल्हा मुफ्त देनेए गोबर गैस संयंत्र के उपयोग को प्रोत्साहित करनेए कोयला क्षेत्र की गैस का उपयोग करने व एक परिवार अधिकतम एक कार की नीति को प्रोत्साहित करने की मांग सरकार से करेगी। लोसपा आगामी

महीनों में तीन राज्यों में पार्टी के राज्य कार्यकर्त्ता शिविर आयोजित करेगी। इस क्रम में छत्तीसगढ़ इकाई का राज्य शिविर आगामी 23-24 मई को चांपा में आयोजित किया जाएगा।

खुले में विचरण करते गोवंश की समस्या को हल करने की दिशा में लोसपा की नीति रही है कि हर किसान को दो गायें पालने के लिए प्रत्येक किसान को हर महीने छह हजार रुपए या साल का 72 हजार रुपए सरकार दे, जिससे समस्या का समाधान हो सके तथा किसानों को भी मदद मिल सकेण् इस मुद्दे को लेकर लोसपा कार्यकर्ता गांव गांव में बैठक करेंगे। पार्टी की जिला इकाईया 18 अप्रेल शनिवार को विश्व शांति और विश्व संसद सम्मेलन आयोजित करेंगीण् जिनमें अन्य स हमना दलों व सामाजिक संगठनों को भी आमंत्रित किया जायेगा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में वर्तमान में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मुकेश चंद्रा को कार्यकारी उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपने के प्रस्ताव का भी सर्वसम्मति से समर्थन किया गया। बैठक में युद्ध में मारे जा रहे निर्दोष बच्चों और नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विजयराघवगढ़, बरही, कैमोर के नवनियुक्त एल्डरमैनों को विधायक संजय पाठक ने दी बधाई

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मप्र शासन के नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा कटनी जिले के विजयराघवगढ़, बरही ,कैमोर के एल्डरमैन मनोनीत पार्षद की घोषणा की गई है, जिसमें तीनों नगर परिषदों में चार-चार एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने सभी एल्डर मैंनो को मिले नए दायित्वों को लेकर बधाई शुभकामनाएं प्रदान की है उन्होंने अपने संदेश में है कि एल्डरमैन मनोनीत पार्षद के रूप में आपको मिला दायित्व एक अत्यंत जिम्मेदारी भरा पद है, जो सीधे तौर पर नगर के सुव्यवस्थित विकास और जनभागीदारी से जुड़ा है। आप सभी से यह अपेक्षा है कि अपने-अपने नगरों में सुशासन, विकास कार्यों और नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आपकी जानकारी, अनुभव से नगर निकायों को नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे शहरों के विकास की गति तेज होगी। मैं नगर परिषद कैमोर के लिए नियुक्त एल्डरमैन श्रीमति शोभा सोनी, अरुण गुप्ता, सुनीता मुंगेरिया, किरण बर्मन, बरही में नियुक्त एल्डरमैन श्रीमति किरण पटेल, रजनीश नामदेव, रघुनाथ गुप्ता, मनोज रावत विजयराघवगढ़ में नियुक्त एल्डरमैन राकेश पांडे, भारत कोल, महेन्द्र ताम्रकार, रोशनी सोनी को बधाई देते हुए आशा करता हूं कि आप सभी मिले जिम्मेदारी भरे दायित्व के साथ विकसित विजयराघवगढ़-विकसित मध्यप्रदेश-विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देगे।

खेत में आग लगाना अपनी ही धरती मां की कोख जलाने जैसा : कलेक्टर

सदगुवां और बम्हौरी में किसानों को नरवाई के अवशेष न जलाने के लिए जागरूकता शिविर संपन्न

दमोह।

जिले के गाँव सदगुवां और बम्हौरी में किसानों को नरवाई फसल के अवशेष न जलाने के लिए जागरूक करना एक बहुत ही सराहनीय और जरूरी पहल है। कलेक्टर कोचर ने कहा मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण को बचाने के लिए यह संदेश हर किसान तक पहुंचना आवश्यक है। खेत में आग लगाना, अपनी ही धरती मां की कोख जलाने जैसा है। किसानों को इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समझाना उनके उज्जवल भविष्य के लिए हितकारी होगा। उन्होंने कहा नरवाई जलाने के नुकसान और उसे न जलाकर प्रबंधन करने के लाभ से कृषि विभाग ने दिशा निर्देश जारी किये हैं, निर्देशों का पालन किया जाना चाहिये।

नरवाई पराली जलाने के नुकसान

उपसंचालक कृषि ने किसान भाईयों से कहा मिट्टी के पोषक तत्वों का विनाश आग लगाने से मिट्टी में मौजूद नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे मुख्य तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं। मित्र कीटों की मृत्युरू किसान के सच्चे मित्र जैसे केंचुए और अन्य सूक्ष्म जीवाणु जो मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं, आग की गर्मी से मर जाते हैं। मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावटरू बार-बार आग लगाने से खेत की मिट्टी सख्त हो जाती है जिससे उसकी जल सोखने की क्षमता कम हो जाती है। भारी वायु प्रदूषणरू इससे निकलने वाला धुआं हवा को जहरीला बनाता है जिससे सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन जैसी समस्याएं होती हैं। खेत की आग कई बार नियंत्रण से बाहर होकर आसपास के घरों, पशुओं या खड़ी फसलों को भी नुकसान पहुंचा सकती है।

नरवाई न जलाने के लाभ अवशेष प्रबंधन

उपसंचालक कृषि ने बताया जैविक खाद का निर्माण यदि नरवाई को मिट्टी में ही मिला दिया जाए तो वह सड़कर बनाती है जो मिट्टी की शक्ति को कई गुना बढ़ा देती है। लागत में कमी मिट्टी उपजाऊ होने से अगली फसल में रासायनिक खादों की जरूरत कम पड़ती है जिससे किसान का खर्च बचता है। नमी का संरक्षण फसल के अवशेष खेत में रहने से मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनी रहती है जिससे सिंचाई के पानी की बचत होती है। बेहतर पैदावार स्वस्थ मिट्टी और मित्र कीटों की मौजूदगी से फसल की गुणवत्ता और पैदावार दोनों में सुधार होता है। पर्यावरण की रक्षा प्रदूषण कम होने से गांव का वातावरण शुद्ध रहता है और बीमारियां कम फैलती हैं।

असाटी समाज का स्टाल रहा जनआकर्षण का केंद्र

राम नवमीं पर निकली विशाल शोभायात्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

रामनवमीं के पावन पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का प्रक्टोत्सव बेहद धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ पूरे शहर में मनाया गया। श्रीराम की भक्ति से पूरा माहौल राममय होकर श्री राम के गगन भेदी नारों, भजनों और भक्तिमय गीतों के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में निकली शोभायात्रा के दौरान पूरा शहर केसरिया भगवा ध्वज पताका से सराबोर अयोध्या नगरी जैसा सुसज्जित सजा संवरा नजर आया।

घंटाघर से प्रारंभ हुआ जुलूस दिव्य जीवंत मनमोहक चलित झांकियों, मातृ शक्तियों की शोभायात्रा में रंग बिरंगी पोशाकों में सहभागिता, बच्चों की कौतुक वेशभूषा को देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। यूं तो शोभायात्रा का स्वागत करने अनेक स्थानों पर स्टॉल लगाए गए थे लेकिन असाटी समाज एवं वैश्य विकास समिति द्वारा लगाया गया स्टॉल जन आकर्षण का केंद्र और खासी चर्चा का विषय रहा। स्टॉल में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित असाटी समाज के लोगों ने सभी के आराध्य श्रीराम की पूजा अर्चना, दीप प्रज्वलित कर हनुमान चालीसा पाठ किया।

शोभा यात्रा का स्वागत आरती कर, पुष्प वर्षा, पुष्प माला, गीत भजनों के साथ महाप्रसाद वितरण, शीतल पेयजल व्यवस्था के साथ किया गया। असाटी समाज के स्टॉल में विभिन्न रंग बिरंगी सुसज्जित सुंदर वेशभूषा में बच्चों द्वारा प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, जानकी, कृष्ण राधा, हनुमान, महाकाली, मां दुर्गा और शबरी की जीवंत मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालु भक्तों को मंत्र मुग्ध करते हुए रुकने को विवश किया । श्रद्धालुओं भक्तों, की भीड़ का सैलाब सजीव झांकियां को देखने, आशीर्वाद लेने और उनके संग सेल्फी लेने उमड़ पड़ा। असाटी समाज एवं वैश्य विकास समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र असाटी, राष्ट्रीय महिला प्रवक्ता गीता असाटी, उपाध्यक्ष संजय असाटी, संरक्षक योगेंद्र कुमार असाटी, संतराम असाटी, राजकुमार असाटी, गौरीशंकर असाटी, जितेंद्र असाटी, सूरज असाटी, राजेंद्र असाटी, लछूलाल असाटी, राकेश असाटी, ओम प्रकाश, प्रकाश, मनोज, प्रेम नारायण, ओम प्रकाश, मुन्ना, बिहारी लक्ष्मी सरिता असाटी, अंजनी असाटी, रेखा ,अनीता ,मधु रागिनी ,रीता, शालिनी, रिंकी, सीमा असाटी सहित सैकड़ो की संख्या में असाटी समाज एवं वैश्य विकास समिति के पदाधिकारी एवं नागरिकों की मौजूदगी रही।

जवारा जुलूस में सरपंच को पहनाई जूतों की माला

बहोरीबंद की नीमखेड़ा ग्राम पंचायत में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, गांव में तनाव

कटनी (स्वतंत्र मत)।

बहोरीबंद जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नीमखेड़ा में शुक्रवार की शाम आस्था का माहौल अचानक खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। जवारा विसर्जन जुलूस के दौरान पुरानी रंजिश को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। आरोप है कि एक पक्ष ने सरपंच को सरेआम जूतों की माला पहना दी, जिसके बाद भड़की हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं। बहोरीबंद थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया के अनुसार घटना उस समय हुई जब गांव में जवारा जुलूस निकाला जा रहा था। सरपंच भागचंद गडारी 50 अपने साथियों के साथ भजन-कीर्तन करते हुए चल रहे थे। उसी दौरान प्रकाश जायसवाल नामक व्यक्ति ने पुरानी दुश्मनी को लेकर सरपंच के गले में जूतों की माला डाल दी। इस अपमानजनक हरकत के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर काउंटर मामला दर्ज किया है। सरपंच भागचंद की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकाश जायसवाल के खिलाफ धारा 296 और 115(2) के तहत मामला दर्ज किया है, जबकि दूसरे पक्ष अनमोल जायसवाल ने आरोप लगाया

कि सरपंच भागचंद, सौरभ और राजेंद्र ने उनके घर में घुसकर महिलाओं मां और बहन के साथ मारपीट की। पुलिस ने इस पर धारा 333,296,115(2) 351(2)सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

गांव में पुलिस बल तैनात

जुलूस के दौरान हुई इस अपमानजनक घटना और मारपीट के बाद नीमखेड़ा गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मुस्तैद है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

बहोरीबंद थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया ने मीडिया को बताया है कि जवारा जुलूस के दौरान पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। दोनों तरफ से मिली शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

मनिका बत्रा और मानव ठक्कर करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

आज से शुरू होगा आईटीटीएफ विश्व कप 2026

मकाऊ (चीन)।

मनिका बत्रा और मानव ठक्कर सोमवार से शुरू हो रहे आईटीटीएफ विश्व कप 2026 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। आज से शुरू हो रहे आईटीटीएफ विश्वकप में पुरुषों और महिलाओं, दोनों ही कैटेगरी के एकल मुकाबलों में कुल मिलाकर 96 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस साल महिलाओं के मुकाबले में ओलंपियन मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जबकि पुरुषों के ड्रॉ में एशियाई खेलों के पदक विजेता मानव ठक्कर देश के एकमात्र खिलाड़ी हैं।हर ड्रॉ में, 48 खिलाड़ियों को तीन-तीन के 16 ग्रुप में बांटा गया है टेबल टेनिस वर्ल्ड कप दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत ग्रुप चरण से होगी, जो राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसमें हर खिलाड़ी अपने-अपने ग्रुप के बाकी दो खिलाड़ियों से मुकाबला करेगा।हर ग्रुप की शीर्ष टीमें राउंड ऑफ़ 16 चरण में पहुंचेंगी। यहाँ से नॉकआउट चरण की शुरुआत होगी, जिसका समापन फाइनल मुकाबले के साथ होगा। ग्रुप चरण के सभी मैच बेस्ट-ऑफ़-फ़ाइव (पांच गेम में से तीन जीतने वाला) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जबकि नॉकआउट मैच बेस्ट-ऑफ़-सेवन (सात गेम में से चार जीतने वाला) फॉर्मेट में होंगे।

चोटिल कोने के कारण खेल से बाहर हुए कप्तान स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरतः गावस्कर

गावस्कर बोले 2 साल का बैन असरदार नहीं, इंग्लिश बैटर डकेट ने नाम लिया वापस

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। इससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने

वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल हैं। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरूरत है।

गावस्कर ने कहा, यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते।'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, लेकिन हां, इस बारे में बीसीसीआई को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा। डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

एलेक्स फिट्ज़पैट्रिक ने हीरो इंडियन ओपन में जीता खिताब

गुरुग्राम। हीरो इंडियन ओपन में कमज़ोर खिलाड़ियों को लाइमलाइट में लाने का एक तरीका है।पिछले साल, यूजीनियो चाकारा एक स्पॉन्सर के इनवाइट पर देश के नेशनल ओपन में आए थे।वह जीते, और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।चाकारा अपने टाइटल डिफेंस में जितने बहादुर थे, फिनाले में एक और नाम लिखा था।चाकारा पर 9-अंडर 279 (70, 68, 72, 69) पर दो शॉट की जीत से पहले, एलेक्स फिट्ज़पैट्रिक भी एक स्पॉन्सर के तौर पर भारत आए थे।उन्होंने 2024 में होटलप्लानर टूर के ज़रिए डीपी वर्ल्ड टूर में जगह बनाई, और तब से यह मेन टूर पर बड़ी जीत के लिए डटे रहने के बारे में था।बड़े भाई की तरह बननाफिट्ज़पैट्रिक परिवार के गोल्फ़ जीन्स ने उन्हें प्रेरित किया है, और हालांकि छोटे

फिट्ज़पैट्रिक पर बड़े भाई मैट की तरह बनने का कोई दबाव नहीं था, जो पीजीए टूर पर तीन बार के विजेता हैं, एलेक्स के अंदर के एथलीट ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि बड़े मंच पर उनका समय आ सकता है। उनके और उस मुश्किल जीत के बीच कुछ भी नहीं था, सिवाय धैर्य रखने की ज़रूरत के, और पूरे हफ्ते और एशियन स्विंग पर टूर के 2.55 मिलियन डॉलर के शोपीस इवेंट के आखिरी 18 होल्स में ठीक यही हुआ।इस गोल्फ़ कोर्स पर डबल बोगी के किसी भी समय गंभीर नतीजे हो सकते हैं, लेकिन इस बार इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ा जब फिट्ज़पैट्रिक ने 18वें होल पर एक के साथ काम पूरा किया।इन इलाकों में एक चैंपियन का जन्म हुआ था, और जो सरनेम पूरी दुनिया में गूंजेगा वह फिट्ज़पैट्रिक होगा।

मैरी कॉम ने आदिवासी खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनाने का किया आह्वान

नयी दिल्ली।

पूर्व महिला मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने रविवार को भारत के आदिवासी समुदायों के बीच खेलों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि इन समुदायों के लोगों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विजेता बनने के लिए जरूरी शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता मौजूद है।एआईबीए महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छह बार स्वर्ण पदक जीतने वाली कॉम ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में आयोजित चफिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम के दौरान यूनीवार्ता को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि अगर आदिवासी

खिलाड़ियों (पुरुष और महिला दोनों) को सही तरह का सहयोग मिले, तो वे निश्चित रूप से बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।उन्होंने कहा, मैं खुद कॉम समुदाय से आने वाली एक आदिवासी महिला हूं।आदिवासी लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं जहां की परिस्थितियां काफी कठिन होती हैं, उनमें जबरदस्त शारीरिक और मानसिक दृढ़ता होती है और उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में बहुत अधिक कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।आदिवासी लोग स्वभाव से ही मजबूत होते हैं, और मुझे लगता है कि अगर उन्हें सही मात्रा में सहयोग और जागरूकता मिले, तो वे खेलों के क्षेत्र में निश्चित रूप से बहुत आगे बढ़ेंगे। 2012 के लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली इस खिलाड़ी ने छत्तीसगढ़ में चल रहे पहले खेलो इंडिया आदिवासी खेल 2026 की जमकर सराहना की। इन खेलों में 30 राज्यों के आदिवासी एथलीट हिस्सा ले रहे हैं।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को छह विकेट से हराया है जिससे उसके हौसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हैं।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

मोंटेकार्लो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे जोकोविच

मियामी।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि फिट नहीं होने के कारण वह अगले माह होने वाले मोंटेकार्लो मास्टर्स से बाहर रहेंगे। जोकोविच इंडियन वेल्स में हार के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इससे माना जा रहा है कि अब वह फ्रेंच ओपन से ही वापसी करेंगे। जोकोविच दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भी नहीं खेल रहे हैं। वहीं आयोजकों और प्रशंसकों ने उम्मीद जतायी कि वह शीघ्र ही वापसी करेंगे। जोकोविच बीएनपी पारिबास ओपन में अंतिम बार जैक ड्रेपर से तीन सेटों

में हार गये थे। उसके बाद से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। वहीं मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में ही बाहर हो गये थे। मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट अगले माह 4 अप्रैल से शुरू 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। ये साल 2011 के बाद यह पहली बार होगा जब जोकोविच इसका हिस्सा नहीं होंगे।

38 वर्षीय जोकोविच पिछले कुछ महीनों से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। मोंटे-कार्लो मास्टर्स का प्रायोजन दिग्गज कारोबारी रोलेक्स समूह करता है। ये पुरुष पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक टेनिस टूर्नामेंट है जो आउटडोर क्ले कोर्ट पर खेला जाएगा।

चीनी में साप्ताहिक गिरावट

दाल, खाद्य तेलों में घट-बढ़ जारी

नयी दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं और चीनी की कीमतों में नरमी रही जबकि खाद्य तेल और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 22 रुपये टूटकर 2,797 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे का भाव दो रुपये बढ़कर 3,296 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 72 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।उड़द दाल 68 रुपये और चना दाल पांच रुपये सस्ती हुई।मूंग दाल में 19 रुपये की गिरावट रही। मसूर दाल का भाव चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा।बीते सप्ताह पाम ऑयल में औसतन 219 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी।मूंगफली तेल 74 रुपये और सरसों तेल 48 रुपये फिसल गया।सूरजमुखी तेल की कीमत 30 रुपये और वनस्पति की 29 रुपये टूट गयी।सोया तेल भी 145 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 44 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया।चीनी भी 19 रुपये सस्ती हुई।

अप्रैल में 14 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी अप्रैल में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। आरबीआई की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 8 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। महीने की शुरुआत यानी 1 अप्रैल को छुट्टी से होगी। पूरे देश में बैंक सालाना अकाउंट क्लोजिंग के कारण बंद रहेंगे। इस दिन बैंक में कोई भी ऑफलाइन काम नहीं हो पाएगा। बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। अप्रैल 2026 में शेयर बाजार में 10 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे और 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती पर भी बंद रहेगा।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में जारी रह सकता है उतार-चढ़ाव

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की

निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने माना इकोनॉमी की रफ्तार धीमी

महंगे तेल-लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन बिगड़ने का असर; महंगाई बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने मार्च 2026 की अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब थोड़ी धीमी हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने माना है कि इन बाहरी झटकों की वजह से देश के अंदर इनपुट कॉस्ट यानी प्रोडक्शन की लागत बढ़ गई है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव दिख रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2026 तक भारतीय इकोनॉमी काफी मजबूत स्थिति में थी। डोमेस्टिक डिमांड, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और सरकारी नीतियों की मदद से सप्लाई और डिमांड दोनों मोर्चों पर प्रदर्शन अच्छा रहा था।मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में बढ़त बनी हुई थी, वहीं

गाड़ियों की बिक्री और डिजिटल पेमेंट्स में भी लगातार ग्रोथ दर्ज की गई थी।

इनपुट कॉस्ट और सप्लाई चेन में दिक्कतें बढ़ीं

मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 से ग्लोबल हालात बदलने लगे। वेस्ट एशिया में तनाव बढ़ने से एनर्जी मार्केट और लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई) बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसका सीधा असर भारत के प्रोडक्शन सेक्टर पर पड़ा है।

रिपोर्ट में ई-वे बिल जनरेशन में आई कमी और फ्लैश कंपोजिट (परचेज मैनेजर इंडेक्स) के कमजोर आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि महीने-दर महीने आधार पर इकोनॉमी की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है। राहत की बात यह है कि देश में घरेलू मांग अभी भी बनी हुई है। व्हीकल रजिस्ट्रेशन और डिजिटल ट्रांजेक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि लोग खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक रेड फ्लैग भी दिखाया गया है। मंत्रालय ने नोट किया है कि ग्रामीण इलाकों में सेंटीमेंट थोड़ा कमजोर हुआ है। मांग और सप्लाई के बीच यह अंतर बताता है कि फिलहाल सुस्ती कंजम्पशन की कमी से नहीं, बल्कि बढ़ती लागत और सप्लाई में रुकावटों की वजह से है।

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत मिले हैं। अभी तक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतें थीं, लेकिन मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा असर अभी तक घरेलू बाजार में नहीं दिखा है। अगर वैश्विक स्तर पर एनर्जी की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। यह अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा रिस्क है। पिछले महीने फरवरी में रिटेल महंगाई ब?कर 3.21ज पर पहुंच गई थी।

इंडिगो नवी मुंबई से 30 से अधिक नये मार्गों पर शुरू करेगी उड़ानें

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा प्रदाता कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च से 23 अप्रैल के बीच नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 से अधिक नये मार्गों पर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने रविवार को बताया कि नये मार्गों में नवी मुंबई से आगरा, अयोध्या, बागडोगरा, बेलगाव, चंडीगढ़, दीव, कन्नूर, कोलकाता, पटना, राजकोट, श्रीनगर, वाराणसी और विशाखापत्तनम् के लिए उड़ानें शामिल होंगी।इन उड़ानों के साथ नवी मुंबई से और नवी मुंबई के लिए इंडिगो की सप्ताह में 400 से अधिक उड़ानें हो जायेंगी।विमान सेवा कंपनी ने आज ही गुजरात के भावनगर और महाराष्ट्र के नवी मुंबई के बीच भी उड़ान शुरू की है।इस मार्ग पर एटीआर विमान का परिचालन किया जा रहा है।

टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू 1.75 लाख-करोड़ घटी

नई दिल्ली। मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 1.75 लाख करोड़ रुपए घट गई। मिडिल ईस्ट में तनाव और इजराइल-ईरान जंग की वजह से यह गिरावट आई है।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी। रिलायंस का मार्केट कैप 89,720 करोड़ रुपए घटकर 18.24 लाख करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 37,248 करोड़ रुपए घटकर 11.64 लाख करोड़ पर आ गया। वहीं एसबीआई की मार्केट कैप 35,399 करोड़ घटकर 9.41 लाख करोड़ पर आ गई।

इनोवेशन अपनाकर मध्यप्रदेश बनेगा उद्यमिता का हबः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सिंहासा आईटी पार्क में किया लॉन्चपैड इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का लोकार्पण

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। आज मध्यप्रदेश का युवा अपनी सोच को आकार देकर नए-नए इनोवेशन कर आईटी तकनीकी के माध्यम से स्टार्टअप कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश स्टार्टअप एवं इनोवेशन को अपनाते हुए उद्यमिता विकास का हब बन जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आज दुनिया तेजी से बदल रही है। वर्तमान समय में इंसान को उसके ज्ञान से ही मापा जाता है। उन्होंने कहा कि युवा नवीन तकनीकी को अपनाएं और स्टार्टअप करें एवं दूसरों को रोजगार देने वाले सफल उद्यमी बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में प्रदेश की पहली नॉलेज और एआई सिटी बन रही है। उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के सिंहासा में स्थित आईटी पार्क में बने लॉन्चपैड इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

ज्ञान ही सबसे बड़ा खजाना- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। नवाचार और विज्ञान के माध्यम से अनेक कार्य हो रहे हैं। लोग कभी जमीन और प्रापर्टी को अपना सब कुछ समझते थे। अब तो ज्ञान ही सबसे बड़ा खजाना है। ज्ञान होने से मनुष्य अपने आप धनवान हो जाता है। नॉलेज के बलबूते पर उन्नति के मार्ग पर तेजी से जा सकते हैं। सत्यवादी मार्ग पर बढ़ने का यही समय है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन रहा है।

भविष्य की दृष्टि से विकसिक किए जाएंगे संसाधन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में भोपाल के अलावा इंदौर और उज्जैन क्षेत्र मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित होने वाले हैं। हमारे सभी संसाधन भविष्य की दृष्टि से विकसित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश को इनोवेशन हब बनाकर प्रदेश की भूमिका को सशक्त करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बन रहा है। मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप पॉलिसी, फंडिंग सपोर्ट के माध्यम से इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित कर भारत की स्टार्टअप क्रान्ति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के युवा एआई पर आधारित एग्रीटेक स्टार्टअप, हेल्थटेक, स्किलटेक, ग्रीन इनोवेशन और डिजिटल सॉल्यूशन में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्टार्टअप हब बन रहे हैं।

लांचपैड सेंटर का किया निरीक्षण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लॉन्चपेड इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा अपनी सोच को नवीन तकनीकी से आकर देकर निर्मित की गई अत्याधुनिक मशीनों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष इस सेंटर का भूमि-पूजन किया था और आज उसके लोकार्पण अवसर पर युवाओं की आधुनिक सोच एवं आइडियाज को देखकर अति प्रसन्नता हो रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने आइडिया से स्टार्टअप शुरू करने वाले युवा उद्यमियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों से जाना की वे किस क्षेत्र में कार्य कर रहे है। युवाओं के कार्यों के बारे में जानकर उनका हौंसला बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी कार्य को करने की अगर हमारी मंशा सही है तो उस कार्य में सफलता अवश्य मिलती है।

'मन की बात' सकारात्मक सोच बनाने की पहल : राज्यपाल

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के साथ सुनी मन की बात, 11 आत्मनिर्भर दिव्यांगों का किया सम्मान

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देश में हो रहे सकारात्मक बदलावों से प्रेरणा प्राप्त करने की पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एक दूरदर्शी नेता और अत्यंत संवेदनशील व्यक्तित्व हैं, जिन्हें ईश्वर ने समानुभूति और सहानुभूति की दिव्य भावनाएँ प्रदान की हैं। यह उनका नेतृत्व है, जिसने शारीरिक कमियों को देखने की समाज की सोच को 'दिव्यांग' की उपमा से विशिष्ट क्षमताओं को पहचानने में परिवर्तित किया है। 'मन की बात' कार्यक्रम नवाचार और चुनौतियों का आगे बढ़कर सामना करने की सकारात्मक सोच निर्माण की अभूतपूर्व पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कही। 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण रविवार को अंजनी सभागार, रविन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित किया गया था। राज्यपाल ने कार्यक्रम में आत्मनिर्भर 11 दिव्यांगों को सम्मानित किया। 'मन की बात ङ्क उमंग के साथ' कार्यक्रम का आयोजन 'उमंग गौरवदीप वेलफेयर सोसायटी' द्वारा विशेष बच्चों के लिए संचालित 'उमंग विशेष विद्यालय' की 20वीं वर्षगाँठ पर किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रस्तुतियाँ दिव्यांगों की इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की दिव्यता का प्रमाण हैं, जो यह दर्शाती हैं कि शारीरिक सीमाएँ हौसलों को रोक नहीं सकतीं। सामान्य जन, जो मामूली बातों में निराश हो जाते हैं, उनके लिए ये प्रस्तुतियाँ प्रेरणा का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि देश की प्रगति के लिए समाज में समान अवसर, सहयोग और परस्पर सम्मान की सामूहिक भावना आवश्यक है।

नवचंडी यज्ञ के मंत्रोच्चार से गूंजा चण्डी जी मंदिर

हटा

चैत्र नवरात्रि के पावन समापन अवसर पर चण्डी जी मंदिर में न्यास समिति द्वारा आयोजित नवचंडी यज्ञ ने पूरे वातावरण को भक्ति श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वहन था बल्कि समाज को संस्कारों और एकजुटता का सशक्त संदेश देने वाला भी रहा। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि के दौरान विधिवत पाठ परायण का आयोजन किया गयाए जिसकी पूर्णता पर दसवें दिवस भव्य नवचंडी यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञाचार्य पंडित शशिकांत दुबे एवं देवराज पांडेय के मार्गदर्शन में दुर्गा सप्तशती ग्रंथ के पावन श्लोकों के साथ आहुतियां दी गई जिससे समूचा मंदिर परिसर दिव्य ऊर्जा से आलोकित हो उठा। इस धार्मिक अनुष्ठान में न्यास समिति के सदस्यों के साथ-साथ मंदिर की नियमित आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालु भक्तों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और यज्ञ में आहुतियां देकर धर्मलाभ अर्जित किया। पूर्णाहुति एवं महाआरती के पश्चात आयोजित भंडारे में सभी ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य प्राप्त किया। आयोजन में कार्यकारी न्यासी विनयकांत दवे, सचिव सुरेंद्र दुबे, अकाउंटेंट गोकुल अग्रवाल, चतुर्भुज ताम्रकार, राकेश खरे, नवल पटेल, नरेश साहू रामकुमार राय, पकंज फौजदार, विनोद फौजदार, जयकृष्ण पल्या, रीतेश फौजदार, अनिल शर्मा, शत्रुघ्न चौरसिया, दीपक पटेल सहित मंदिर के पुजारी मोहन गोस्वामी, ज्योति गोस्वामी एवं नीरज गोस्वामी की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। यह नवचंडी यज्ञ न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना बल्कि समाज में सेवाए सहयोग और संस्कारों की ज्योति प्रज्वलित करने वाला प्रेरणादायी उदाहरण भी सिद्ध हुआ। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करते हैं।

समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की दिशा में व्यापक प्रयास जारी: कृषि मंत्री

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि हमारे प्रदेश की आत्मा उसके किसान हैं और किसान का सशक्तिकरण ही प्रदेश के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। कृषक कल्याण वर्ष एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की दिशा में एक व्यापक दृष्टिकोण है। इस कार्यक्रम की थीम समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश है। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि, फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं मजबूत विपणन तंत्र स्थापित करना, इस कार्यक्रम की मूल अवधारणा है। इस कार्यक्रम के फोकस क्षेत्र यथा आधुनिक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य क्षेत्रों में मूल्य-श्रृंखला विकास, प्रोसेसिंग, तकनीक अपनाने और ग्रामीण युवाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देकर व्यापक रोजगार सृजन करना है। कृषक कल्याण वर्ष 2026 की गतिविधियों के परिणाम स्वरुप कृषि और संबद्ध क्षेत्रों का समन्वित और सतत विकास सुनिश्चित होगा, जिससे ग्रामीण समृद्धि और राष्ट्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

2050 स्थानों पर जांच कर 2912 सिलेंडर किये गये जप्तः खाद्य मंत्री

भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। भारत में कच्चे तेल का भी पर्याप्त भण्डार है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 2050 स्थानों पर जांच की गई तथा 2912 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए। साथ ही 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 325 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है, जिसमें 01 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत रूप से समीक्षा की जा रही है।

पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता- प्रदेश में आज की स्थिति में सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल/डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की कमी की कोई स्थिति नहीं है एवं कंपनी के डिपो से भी डीजल/पेट्रोल की लगातार कंपनी द्वारा पूर्ति की जा रही है। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सभी सप्लाई लोकेशन ज्यादा समय तक काम कर रहे हैं और मांग को पूरा कर स्थिति को सामान्य किया जा रहा है।

पीएनजी कनेक्शन प्रदाय करने हेतु दी गई सुविधा- सभी सीजीडी संस्थाओं को कनेक्शन की मांग/शिकायत दर्ज करने तथा निराकरण करने के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना करने के निर्देश दिये गये हैं। सीजीडी संस्थाओं को विभिन्न प्रकार की अनुमतियां प्रदान करने के लिए सिंगल विण्डो पोर्टल पर आवेदन करने की सुविधा दी गई है। प्रदेश के शहरों में जिन स्थानों से पाइप-लाइन गई है, उस पाईपलाईन के आस-पास के घरेलू एवं व्यावसायिक उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जेल से छूटे युवक ने दिया चोरी की घटना को अंजाम

पुलिस ने किए छह लाख के जेवर बरामद

दमोह। तेंदूखेड़ा पुलिस ने जनपद कार्यालय में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर के घर हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए गए हैं। तेंदूखेड़ा टीआई रविंद्र बागरी ने बताया कि जनपद कार्यालय में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर अभिषेक उपाध्याय ने अपने घर में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वह 19 से 22 मार्च तक छुट्टियों में दमोह स्थित अपने घर गए थे ।23 मार्च को जब अभिषेक उपाध्याय वापस लौटे, तो उनके घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। घर की तलाशी लेने पर गोदरेज में रखे सोने-चांदी के जेवर और नगद रुपए गायब मिले। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन में एक टीम गठित की गई, जिसने आरोपी की तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान, पुलिस को जेल से छूटे रामकुमार उर्फ कुल्ला रैकवार निवासी वार्ड क्रमांक नौ पर संदेह हुआ ।रामकुमार को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया, जहां उसने चोरी की घटना कबूल कर ली। शनिवार को आरोपी की निशानदेही पर सोने का एक रानीहार, दो चेन वाले मंगलसूत्र, पांच जोड़ी कान के टॉप्स, एक जोड़ी झुमका, चार अंगूठी और चांदी की पांच जोड़ी पायलें बरामद की गईं। बरामद जेवरात की कीमत करीब छह लाख रुपये बताई जा रही है।

बच्चों ने खेत की मेड़ पर लगाई आग बनी विकराल

दमोह। जिले के जबेरा ब्लॉक के हनुमतखेड़ा गांव में शनिवार शाम करीब 5 बजे खेत की मेड़ पर आग लग गई। देखते ही देखते लपटें आसपास के कई खेतों तक फैल गईं। ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने की कोशिश शुरू की और तेंदूखेड़ा से फायर ब्रिगेड को खबर दी। ग्रामीणों को शक है कि यह आग बच्चों के खेलने की वजह से लगी होगी। गांव की मेड़ पर कुछ बच्चे खेल रहे थे और शायद उन्होंने सूखे पत्तों में आग लगा दी, जो गर्मी की वजह से तेजी से फैल गई। आग इतनी तेज थी कि उसने कुछ पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा से फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची।

125 ब्राह्मण बालको और युवकों का हुआ उपनयन संस्कार

अजबधाम

अजबधाम का देव रामकोमार मंदिर में रविवार 29 मार्च का दिन सनातन धर्म परंपरा में उस समय ऐतिहासिक आयोजन के लिए अविस्मरणीय बन गया, जब एक साथ एक पंडाल में 125 ब्राम्हण बच्चों का उपनयन संस्कार किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 125 बालकों और ब्राह्मण युवकों ने सनातन धर्म अनुसार यग्योपवीत धारण किया। अजब धाम के देव रामकोमार मन्दिर के महान्त रामनुग्रह दास श्री छोटे सरकार के परम सानिध्य और कुशल निर्देशन में मंदिर परिसर में विधिविधान से सभी बालकों का उपनयन संस्कार कराया गया जिसमें सभी का मुंडन, प्रायश्चित स्न्नान, पंचाग पूजन, दंड धारण, जनेऊ पूजन धारण,अग्निपूजन, प्रथम दीक्षा, वेद अध्ययन, भिक्षा और समावर्तन किया गया। समावर्तन में ब्रह्मचर्य से ग्रहस्थ की ओर प्रस्थान कराया गया है। सनातन धर्म और हिन्दू संस्कृति अनुसार विद्वान पंडितों डॉ. सतीश मिश्रा, संतोष प्यासी, मुकेश मिश्रा, विनोद मिश्रा एवं कुलदीप पटेरिया द्वारा विधिविधान से उपनयन संस्कार के सभी विधान मंत्रोच्चार से कराए गए। इस दौरान आचार्य डॉ. सतीश मिश्रा सभी युवा बाल ब्राम्हणों को सनातन धर्म परंपरा का पालन करने की सीख भी दी गई। महंत छोटे सरकार द्वारा सभी को बधाई देकर सनातन की रक्षा का संकल्प दिलाया गया।

दमोह में पुलिस ने पकड़ी 200 पेटी अवैध शराब

दमोह

जिले की पथरिया थाना पुलिस ने रविवार दोपहर रेलवे पुलिया के पास एक मकान से 200 पेटी अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब जब्त करने के साथ ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। यह कार्रवाई 1 अप्रैल से नए शराब ठेके शुरू होने से पहले अवैध शराब के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत की गई है। जानकारी के अनुसार, पथरिया पुलिस को रेलवे पुलिया के पास एक घर में अवैध शराब रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना पर टीआई अमित मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मकान के अंदर खड़े वाहन क्रमांक स्ब्क्का5 छ्व 3949 की तलाशी लेने पर उसमें लगभग 100 पेटी अवैध शराब लदी मिली। पुलिस टीम ने जब मकान की छत की तलाशी ली, तो वहां 100 से अधिक शराब की पेटियां जमा कर रखी हुई पाई गईं। पुलिस ने इन सभी पेटियों को भी जब्त कर लिया। कुल मिलाकर, पुलिस ने इस कार्रवाई में 200 से अधिक पेटी अवैध शराब बरामद की है। मौके से केवल शराब ही नहीं, बल्कि भारी मात्रा में शराब की बोतलों के ढक्कन और बड़ी पानी की टंकियां भी बरामद हुई हैं। इतनी बड़ी संख्या में ढक्कनों की बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती है कि यहां न केवल शराब का भंडारण किया जा रहा था, बल्कि संभवत: अवैध तरीके से बोतलों की रिफिलिंग या मिलावट का काम चल रहा।

समाज में समरसता और सशक्तिकरण के लिए मानवाधिकारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक

दमोह

मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने सर्किट हाऊस में जिला प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार भदौरिया, वनमंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे, जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे, तहसीलदार रॉबिन जैन, नगरपालिका सीएमओ राजेंद्र सिंह लोधी, टीआई मनीष कुमार सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी रही। बैठक में मप्र मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. सिंह ने विशेष रूप से पेयजल की गुणवत्ता और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता युक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस विषय पर अधिकारियों ने जानकारी दी कि पेयजल की गुणवत्ता संतोषजनक है और जहां पाइपलाइन क्षतिग्रस्त थी वहां सुधार कार्य किए जा चुके है। उन्होंने मानवाधिकार आयोग में लंबित मामलों की सूची जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर को सौंपी और जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से संबंधित मामलों में आवश्यक जानकारी शीघ्र आयोग को भेजने के निर्देश दिए। मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा पुलिस प्रशासन से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई और संबंधित अधिकारियों ने उन पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने हाल ही में अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की स्थिति की भी समीक्षा की। इस संबंध में जिला कलेक्टर ने वस्तुस्थिति से अवगत कराया। मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि शासन, प्रशासन और मानवाधिकार आयोग की संयुक्त जिम्मेदारी है आम नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए और उन्हें विकास योजनाओं का पूरा लाभ मिले।

नाम परिवर्तन/आम सूचना

मैं इस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम **ABDUL KHERATI** अब्दुल खैराती, मेरे पिता का नाम **ABDUL RASEED** अब्दुल रसीद मेरी माता का नाम **NAZMA BEE** नजमा बी निवासी 1900 भानतलैया हनुमानताल जबलपुर लिखा है।

यह कि मेरे आधार कार्ड पैन कार्ड वोटर आई डी एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम **ABDUL KHAIRATI USMANI** अब्दुल खैराती उस्मानी, मेरे पिताजी का नाम **ABDUL RASHEED** अब्दुल रसीद एवं मेरी माता जी का नाम **NAZMA BEGAM** नजमा बेगम निवासी 560 खेरमाई वार्ड भानतलैया जबलपुर, एवं वर्तमान में मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आई डी एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम/पता यही लिखा है एवं भविष्य में भी इसी से मुझे जाना पहचाना जावेगा, मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि उपरोक्त जानकारी मेरे निजी ज्ञान एवं जानकारी/समझदारी से सत्य एवं सही है।

पुराना नाम
ABDUL KHERATI
अब्दुल खैराती
वर्तमान नाम
ABDUL KHAIRATI USMANI
अब्दुल खैराती उस्मानी
मो.- 7000347834

लोगों के दुखों को दूर करना प्रजातंत्र और समाज का मुख्य उद्देश्यः डिप्टी सीएम देवड़ा

संकल्प से समाधान अभियान के तहत दिव्यांगजनों को बांटे गए सहायक उपकरण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र के उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा के मुख्यि आतिथ्य में रविवार को संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और हितग्राहियों को हितलाभ वितरण का कार्यक्रम भंवरताल के समीप संस्कृति थियेटर में आयोजित हुआ। इस दौरान उप मुख्यममंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि कभी कभी कुछ कार्यक्रम संख्यात्मक दृष्टि से बड़े होते हैं, किन्तु कुछ कार्यक्रम गुणात्मक व भावात्ममक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे ही आज का कार्यक्रम है जिसमें वरिष्ठनजनों व वृद्धजनों के कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र और समाज का मुख्य उद्देश्य लोगों के दुखों को दूर करना है। सरकार जनता की भला के लिए होती है। सरकार का राजधर्म है कि वे जनता के हर कष्टों को संवेदनशीलता के साथ दूर करें। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों के इलाज का प्रबंध के लिए आयुष्मान योजना अंतर्गत पांच लाख रूपये तक निःशुल्क व्यवस्था है। उनके आवास की चिंता भी सरकार करती है, इसके साथ साथ जनता की हर आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं भी है। साथ ही कहा कि सभी जनप्रतिनिधि व अधिकारी जनकल्याण को ईश्वरीय कार्य समझकर करें। उन्होंने कहा कि जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं उसकी फार्मेल्टी पूरी कर उसे बनवाना सुनिश्चित करें। सभा के दौरान जल गंगा अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई।

सुविधाओं में नहीं होगी कोई कमी

इस अवसर पर राज्यससभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यववाद देकर सभी के स्वस्थ्य होने की कामना की और कहा कि मप्र में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं की कोई कमी नहीं होगी। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि 2014 के बाद केन्द्र व राज्य में संकल्पित सरकार है, जो गरीब, किसान, युवा व महिलाओं के साथ दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय वयोश्री योजना जैसी कल्याणकारी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदान किये जाते है। इस अवसर पर विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जब संकट के समय कोई सहयोग नहीं करता है तब आयुष्मान कार्ड गरीब जनता के लिए वरदान साबित होता है। जिससे वे अपना इलाज कर जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए डिप्टी सीएम

उप मुख्य मंत्री जगदीश देवड़ा ने रविवार को जबलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में सक्रिय भागीदारी की। वे अधारताल स्थित एक रेस्टोरेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने आमजन के साथ बैठकर इस एपिसोड को सुना। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे प्रसारित हुआ। बूथ पर मौजूद कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने इस मौके को ऐतिहासिक बताया।

शराब दुकान हटाने के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

त्रिपुरी चौक क्षेत्र में जिला प्रशासन के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के त्रिपुरी चौक क्षेत्र में रविवार को कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शराब दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता अभिषेक पाठक ने आरोप लगाया कि शराब दुकान के ठीक पास बस स्टॉप होने से आम नागरिकों, खासकर महिलाओं को असुविधा हो रही है। उनका कहना था कि इस स्थान पर खुलेआम शराब का सेवन किया जाता है और अवैध शराब की बिक्री भी जारी है, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि बस स्टॉप को तत्काल वहां से हटाकर किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। इसके साथ ही, खुले में शराब पीने वालों और अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

स्थानीय महिलाएं हुई आंदोलन में शामिल- कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्यवाही नहीं की गई, तो धनवंतरी नगर और संजीवनी नगर स्थित शराब दुकानों के बाहर भी इसी तरह का आंदोलन किया जाएगा। इधर स्थानीय महिलाओं ने भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि शराब दुकान के पास बस का इंतजार करना असुरक्षित महसूस होता है और छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। प्रदर्शन के दौरान पार्षद लखन प्रजापति, युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितिन सिंह, शेषनारायण पाराशर आदि उपस्थित रहे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थाने में रूप सिंह विश्वकर्मा उम्र 40 वर्ष निवासी भट्टा मोहल्ला कंचनपुर ने सूचना दी कि उसका लड़का सौरभ विश्वकर्मा आटो चलाने का काम करता जो बीती रात घर आया और सामान्य रूप से बातचीत कर खाना खाकर अपने कमरे में जाकर सो गया था। सुबह सौरभ को आवाज देकर उठाने का प्रयास किया गया अंदर से आवाज नहीं आने पर दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद डायल 100 को सूचना दी दरवाजा खोलकर देखा उसका लड़का कमरे में पंखे के हुक से रस्सी से फंदा बनाकर फांसी पर मृत अवस्था में लटका है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पाटन-शाहपुरा मार्ग पर हुआ दर्दनाक हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पाटन-शाहपुरा मार्ग पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 21 वर्षीय शुभम मेहरा की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि शुभम ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला वाहन आयशर था, जिसका चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार को संभलने का मौका भी नहीं मिला। पाटन थाना पुलिस को सूचना मिलते ही वह घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और फरार वाहन तथा उसके चालक की तलाश में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाटन-शाहपुरा मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने इस मार्ग पर यातायात नियंत्रण और नियमों के सख्त पालन की मांग की है।

चाइना चाकुओं के साथ पकड़े गए बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चाकू लेकर घूमने वाले संदिग्धों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया । रांझी थाना प्रभारी उमेश गोहलानी के अनुसार व्हीकल स्टेट के खंडहरनुमा इलाके में दबिश देकर कार्तिक वंशकार और गणेश वंशकार को पकड़ा गया। दोनों के पास से 5-6 बटनदार चाइना चाकू बरामद किए गए। आरोपियों ने ये चाकू ऑनलाइन ऑर्डर करके मंगाये थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी झंडा चौक क्षेत्र में चाकू लेकर घूमकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। दोनों के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसी कार्रवाई के तहत पुलिस ने अप्पू उर्फ गीता बंध को मढ़ाई क्षेत्र से एक बटनदार चाइना चाकू जब्त किया। पुलिस के अनुसार रांझी थाना क्षेत्र में जनवरी से अब तक ऐसे करीब 6 आरोपियों को चाइना चाकू के साथ पकड़ा जा चुका है। सभी के खिलाफ अलग-अलग प्रकरण दर्ज हैं। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि अधिकांश आरोपी ये चाकू ऑनलाइन माध्यम से मंगाते थे। पुलिस इस नेटवर्क की जांच कर रही है।

नवनियुक्त नगर और ग्रामीण अध्यक्ष का हुआ स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस कमेटी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी वंशज संगठन प्रकोष्ठ के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ एवं जिला ग्रामीण अध्यक्ष नारायण शर्मा का स्वागत गांधी भवन टाउन हाल में मनोज नामदेव, केशव प्रसाद चौरसिया, प्रकाश गोलछा, डॉ. निधि शर्मा, यशोदा जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल के दवरा किया गया। संयोजन में सर्वप्रथम राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए स्वागत सम्मान समारोह बेला में नवनियुक्त अध्यक्षों का श्रीफल, शॉल एवं फूलमाला भेंट की गयी। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज उत्तराधिकारी विनोद यादव, एसके चौहटेल, अनिल उसरेटे, शिवमंगल यादव, राजेश नामदेव, गुरु नीखरा, श्याम सोलंकी, अशोक यादव, विष्णु विनोदिया, अनिल गुप्ता, निर्मिल चन्द जैन, सुनीला नीखरा, अनिल भटनागर, अरूण राजनेकर, गणेश प्रसाद केशरवानी आदि उपस्थित रहे।

रंजिश भुनाने बदमाशों ने फेंका सुअरमार बम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों ने एक बाइक सवार युवक और उसके भाई को जान से मारने की नीयत से 'सुअरमार' बम से हमला कर दिया। गनीमत रही कि दोनों भाई समय रहते नीचे झुक गए, जिससे उनकी जान बच गई। मदर टेरेसा नगर निवासी 22 वर्षीय सचिन उपाध्याय शनिवार शाम अपने बड़े भाई आलोक उपाध्याय के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे ग्रीन सिटी के पास तालाब किनारे पहुँचे, वहाँ पहले से खड़े सूर्या मलिक, देबू और गौरव पटेल ने उन्हें देख लिया। सचिन का इन तीनों से पुराना विवाद चल रहा था। तीनों आरोपियों ने उन्हें देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी बीच सूर्या मलिक ने चिल्लाकर कहा कि 'इन्हें बम से उड़ा देते हैं' और सचिन की ओर सुअरमार बम फेंक दिया।

लग्जरी कार में पकड़ी गई 2 लाख की अवैध शराब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस ने देर रात घेराबंदी कर एक सफेद रंग की कार से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है, जिसे आरोपी कटनी ले जाने की फिराक में थे। थाना प्रभारी सिहोरा, प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि 28 मार्च की देर रात विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम पोंड़ा की ओर से एक सफेद कार क्रमांक एमपी 21 जेडजी 7413 में अवैध शराब लोड कर दो व्यक्ति कटनी की ओर जाने वाले हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए टीम गठित कर एनएच-30 स्थित खुड़ावल मोड़ के पास घेराबंदी की गई। पुलिस ने संदेह के आधार पर उक्त कार को रोका, जिसमें दो युवक सवार थे। पूछताछ में चालक ने अपना नाम 31 वर्षीय अभय सिंह उर्फ विवेक ठाकुर और बगल में बैठे युवक ने अपना नाम 26 वर्षीय ऐजाज अहमद बताया। दोनों आरोपी भट्टा मोहल्ला, थाना रंगनाथ, जिला कटनी के निवासी हैं। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 24 पेटी विभिन्न ब्रांड्स की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह शराब ग्राम पोंड़ा की दुकान से खरीदी थी और इसे अवैध रूप से खपाने के लिए कटनी ले जा रहे थे। आरोपियों के पास से 24 पेटी ब्लेंडर प्राइड, सिग्नेचर, रॉयल स्टैग, मैजिक मोमेंट आदि जिनकी कीमत 2 लाख 14 हजार है। नगद 54 हजार रुपए और शराब परिवहन में प्रयुक्त कार जब्त की गई।

पुलिस की गिरफ्त में लुटेरों की फौज

कलेक्शन एजेंट से की थी हजारों की लूट, कटंगी पुलिस की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आम नागरिकों से चाकू की नोक पर लूट करने वाले शातिर लुटेरों को कटंगी थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल हाल में 26 मार्च को ग्राम झगरा के पास एक कलेक्शन एजेंट के साथ लूट हुई थी, जिसका पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लूटे गए रुपए, लैपटॉप और कंपनी के दस्तावेज भी बरामद कर लिए हैं। जानकारी के मुताबिक विगत दिवस दमोह जिले के ग्राम समना निवासी हेमेंद्र पटेल टीवीएस कंपनी में कलेक्शन एजेंट के पद पर कार्यरत हैं। वह दमोह और जबलपुर के आसपास किस्तों की वसूली के लिए आते-जाते रहते हैं। 26 मार्च को जब वह कटंगी से बाइक पर सवार होकर दमोह लौट रहे थे, तभी झगरा गांव के पास दो युवकों ने उन्हें रोककर पेट्रोल मांगा। मना करने पर वे जबरन उनकी बाइक से पेट्रोल निकालने लगे। इसी दौरान उनके तीन अन्य साथी भी वहां पहुंच गए और हेमेंद्र के साथ मारपीट कर 27 हजार 500 रुपए और लैपटॉप लूटकर फरार हो गए थे।

अन्य वारदातों का भी हो सकता हैं खुलासा- पकड़े गए आरोपियों के नाम 21 वर्षीय चेतराम रैकवार उर्फ छोटू निवासी तेजगढ़ दमोह, 20 वर्षीय हर्ष वर्मन निवासी ग्राम वासन थाना पाटन, 21 वर्षीय भगवान सिंह ठाकुर निवासी ग्राम चौधरी मोहल्ला पाटन थाना पाटन, 21 वर्षीय चंदन वर्मन निवासी ग्राम कोनी हार पाटन थाना पाटन और 22 वर्षीय संदीप बर्मन निवासी ग्राम रामघाट शहपुरा थाना शहपुरा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट किया सामान और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपियों से पूछताछ में अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आदेश जारी कर जबलपुर जिले में महावीर जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार 31 मार्च के स्थान पर आज सोमवार 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। ज्ञात हो कि राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने पत्र जारी कर जिला कलेक्टरों को जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये जिलों में महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 31 मार्च के स्थान पर 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लेने अधिकृत किया था।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**